भोपाल
रविवार, 16 फरवरी 2025
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष -04
वर्ष : 11, अंक : 323
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 29
न्यून. 16

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ में कमल का कमाल...कांग्रेस बेहाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। राज्य के कुल 10 नगर निगम, 49 नगरपालिका और 113 नगर पंचायतों पर 11 जनवरी को चुनाव हुए थे। भाजपा ने सभी 10 नगर निगम में जीत दर्ज की है। यहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। वही, राज्य की 49 नगर पालिकाओं में से भाजपा के खाते में 35 गई हैं। कांग्रेस ने 8 पर जीत हासिल की है। आम आदमी पार्टी ने बिलासपुर की बोधरी नपा में जीत दर्ज की। निकाय चुनाव में आप की यह पहली जीत है।

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने 'हरिभूमि' से कहा

निवेशक, उद्योगपति और नीति निर्माता प्रदेश की अपार संभावनाओं में बनेंगे हिस्सा

- प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र की औद्योगिक क्षमताओं का सूक्ष्म अध्ययन कर स्थानीय से वैश्विक स्तर तक निवेश आकर्षित करने की रणनीति अपनाई गई
- इसका प्रभाव अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक मंचों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल में इस माह 24-25 फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की तैयारियां चल रहीं है। यह समिट न केवल विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगी, बल्कि भोपाल के वैश्विक पहचान को भी सुदृढ़ करेगी। यह मध्यप्रदेश में मौजूद निवेश के माहौल और औद्योगिक ढांचे को दिखाएगी, जो साझेदारी के लिए असीमित अवसर प्रदान करेगी। यह मंच ग्लोबल लीडर्स, उद्योगपतियों और एक्सपर्ट्स को उभरते बाजार पर अपने विचार साझा करने और मप्र की निवेश क्षमता का फायदा उठाने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर देगा। यह बात राजधानी के व्यापारियों की शीर्ष संस्था भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने 'हरिभूमि' से चर्चा करते हुए कही।

मध्यप्रदेश एक आदर्श औद्योगिक स्थान

उन्होंने कहा कि भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इस दिशा में एक और बड़ा कदम है, जहां दुनिया भर के निवेशक, उद्योगपति और नीति निर्माता मध्यप्रदेश की अपार संभावनाओं का हिस्सा बनेंगे। यह सतत यात्रा न केवल प्रदेश की औद्योगिक सशक्तिकरण को दर्शाती है, बल्कि इसे देश के अग्रणी औद्योगिक केंद्रों में स्थापित करने की प्रतिबद्धता को भी सिद्ध करती है। इससे मध्यप्रदेश एक आदर्श औद्योगिक स्थान के रूप में उभर रहा है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र की औद्योगिक क्षमताओं का सूक्ष्म अध्ययन कर स्थानीय से वैश्विक स्तर तक निवेश आकर्षित करने की रणनीति अपनाई गई, जिसका प्रभाव अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक मंचों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

निवेशकों का सकारात्मक रूझान

पाली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इन प्रयासों से प्रदेश में निवेश का नया माहौल बना है और वैश्विक उद्योग जगत ने मध्यप्रदेश को अपनी विस्तार योजनाओं में प्राथमिकता मिल रही है। बीते एक साल में मध्यप्रदेश सरकार 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर चुकी है जिससे विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती मिली है प्रदेश को औद्योगिक क्षमताओं के रूप में व्यापक मंच मिला है। मौजूदा समय में सरकार निवेशकों को व्यापारिक सुगमता, नीतिगत स्थिरता और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना की जानकारी दे रही है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना को लेकर निवेशकों का सकारात्मक रूझान देखने को मिल रहा है।

इंपैक्ट फीचर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

घोड़ी पर बैठे दूल्हे को आया अटैक, मौत

श्योपुर। यहां शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। जाट छात्रावास में ग्राम सूंसवाडा निवासी जगदीश सिंह जाट के बेटे एडवोकेट प्रदीप जाट की शादी की तैयारियां चल रही थीं। दुल्हन पक्ष के लोग गेट पर बारात का स्वागत करने की तैयारी में थे, दरवाजे पर पहुंचे दूल्हा प्रदीप तोरण मार रहे थे,तभी अचानक दूल्हे को अटैक आ गया और मौत हो गई।

भोजन के बाद छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

सेंधवा। कन्या छात्रावास में रहने वाली 10 छात्राओं को पेट दर्द की शिकायत पर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्राओं को शुक्रवार रात को खाने में सब्जी, रोटी और चावल दिए गए थे। भोजन के बाद ही दो छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें तत्काल चाचरिया शासकीय अस्पताल में लाया गया था। अब सेहत में सुधार है।

महाकुंभ जा रहे 10 लोगों की हादसे में मौत

रायपुर। महाकुंभ में स्नान करने प्रयागराज जा रहे छत्तीसगढ़ कोरबा के 10 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई है। घटना 15 फरवरी की आधी रात करीब एक बजे ग्राम मानपुर थाना मेजा (उप्र) की है। जानकारी के अनुसार बोलेरो (सीजी 11 बी 4202) मानपुर के पास बस (एमपी 07 एफ ए 8888) से जा टकराई जिससे 10 लोगों की मौत हो गई।

दुखद: प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के बाद फिर एक और भगदड़ नई दिल्ली स्टेशन पर

पहले चित्र में प्लेटफॉर्म 13 पर सीढ़ियों पर पड़े हुए कपड़े और जूते। दूसरे चित्र में ट्रेन में चढ़ने के लिए यात्रियों का उमड़ा सैलाब

2 ट्रेन कैंसिल हो गई थी

जो ट्रेनें थी यात्री उनमें टूट पड़े

भारी भीड़ से घुटन बढ़ी, निकलने के चक्कर में यात्री एक दूसरे पर गिरे

महाकुंभ यात्रियों में भगदड़ 18 की मौत इनमें 3 बच्चे भी

- एलएनजेपी अस्पताल ने मौतों की पुष्टि की
- 4 विशेष ट्रेन चलाई गई, स्टेशन पर यात्री भड़के
- बिना टिकट यात्री आरक्षित कोच में घुसे
- एनडीआरएफ की टीम स्टेशन पर पहुंची
- एलजी ने कमिश्नर को दिए जांच के आदेश

- रात 8 बजे की घटना पर खुलासा हुआ रात 1 बजे
- पहले सिर्फ घुटन से 4 महिलाओं के बेहोश होने की खबर आई
- स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने डॉक्टरों से बात की, घायलों का हाल जाना
- अस्पताल को पुलिस फ़ोर्स ने घेरा, लोगों की एंट्री बंद

रात 2 बजे का अपडेट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात भगदड़ मच गई। एलएनजेपी अस्पताल के मुख्य आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 3 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 13 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। भगदड़ के ▶▶ शेष पेज 6 पर

एलजी वीके सक्सेना ने घायलों का हाल जाना

एलजी वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त से बात की है और उन्हें स्थिति को संभालने और लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए कहा है। एलजी के निर्देश पर मुख्य सचिव ने डीडीएमए उपायों को लागू कर राहत कर्मियों को तैनात किया है। मुख्य सचिव ने कुछ अलग-अलग अस्पतालों में बड़ा मेडिकल दल ड्यूटी पर लगा दिया है एलजी ने कहा है कि सभी अस्पताल संबंधित आपात स्थितियों से निपटने के ▶▶ शेष पेज 6 पर

राजनाथ सिंह ने जताया दुख

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से दुखद समाचार। रेलवे प्लेटफॉर्म पर भगदड़ के कारण हुई मौतों से मैं बेहद दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

हादसे से मन व्यथित: पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं ▶▶ शेष पेज 6 पर

हालात काबू में: रेल मंत्री

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्थिति पर अपडेट देते हुए कहा कि हालात काबू में हैं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थिति अब नियंत्रण में है। दिल्ली पुलिस और आरपीएफ मौके पर पहुंच ▶▶ शेष पेज 6 पर

राज्य सरकार ने शनिवार को वर्ष 2025-26 के लिए नई आबकारी नीति जारी कर दी

एक अप्रैल से शराब हो जाएगी 'महंगी', 19 धार्मिक जगह पर शराब बिक्री बैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार ने शनिवार को वर्ष 2025-26 नई आबकारी नीति जारी कर दी। इसके तहत 19 धाार्मिक शहरों, ग्रामों पंचायतों को छोड़कर बाकी सभी 55 जिलों में पॉलिसी लागू होगी। धार्मिक शहरों, पंचायतों में शराब बंदी से सरकार को करीब 485 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। सरकार इसकी भरपाई नई पॉलिसी में दुकानों के आवंटन में 20 फीसदी राशि की बढ़ोतरी से समायोजित करेगी।

यानी, नए वर्ष में शराब मंहगी हो जाएगी। इस पॉलिसी की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि जो दुकानें बंद होंगी, उसके बदले में नई दुकानें नहीं खोली जाएंगी। निष्पादन की प्रक्रिया नवीनीकरण, ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन के जरिए होगा। इसमें कई तरह के अन्य प्रावधान भी किए गए हैं।

सरकार की मंशा अनुरूप मप्र के 19 धार्मिक शहरों, ग्राम पंचायतों में अब शराब नहीं बिकेगी। इनमें नगर निगम उज्जैन, 6 नगर पालिकाओं ▶▶ शेष पेज 6 पर

धार्मिक शहरों, पंचायतों में शराब बंदी से सरकार को करीब 485 करोड़ रुपए का नुकसान

दुकान पर शराब सेवन की अनुमति नहीं होगी

नई पॉलिसी के अनुसार वाइन शॉप पर वाइन एवं हेरिटेज मदिरा के विक्रय की अनुमति दी जाएगी। प्रदेश भर में किसी भी मदिरा दुकान के परिसर में मदिरा सेवन की अनुमति नहीं होगी। शराब दुकानों का लाइसेंस देने के लिए प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी। आबकारी दुकानों के निष्पादन के लिए आबकारी ▶▶ शेष पेज 6 पर

नवीनीकरण के लिए 25 फीसदी राशि 10 दिन में भरनी होगी

नए वित्तीय वर्ष में शराब महंगी हो जाएगी। चूंकि राज्य सरकार ने शनिवार को जारी वर्ष 2025-26 की नई आबकारी पॉलिसी में पूर्व की तरह इस वर्ष भी दुकानों के आरक्षित मूल्य में 20 फीसदी की बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में शराब से सरकार को करीब 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिल रहा है। शराब मंहगी होने के बाद यह ▶▶ शेष पेज 6 पर

रैना को 10 मार्च तक का दिया वक्त

मोबाइल बंद करके गायब हो गया इलाहाबादिया... पुलिस तलाश में

मुंबई और असम पुलिस की टीमें पहुंची थी घर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में रणवीर इलाहाबादिया ने परिवार और माता-पिता को लेकर आपत्तिजनक व अभद्र टिप्पणियां कीं। इस मामले में उनके ऊपर एफआईआर दर्ज है। शुक्रवार ▶▶ शेष पेज 6 पर

मैं भाग नहीं रहा, खतरों से डरा हुआ हूं

भागने की खबरों के बीच रणवीर इलाहाबादिया ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने लिखा कि मेरी टीम और मैं पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ जांच में सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा ▶▶ शेष पेज 6 पर

सौरभ केस में नेता प्रतिपक्ष सिंघार का बड़ा आरोप

तब के परिवहन मंत्री के दफ्तर में होती थी डीलिंग एक केंद्रीय मंत्री को जाते थे हर माह 2 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

परिवहन विभाग में घोटालों और सौरभ शर्मा को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि विभाग में तत्कालीन मंत्री, अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से हर साल 1500 करोड़ रुपए की अवैध वसूली होती रही है। राजपूत के कार्यालय में ▶▶ शेष पेज 6 पर

अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से हर साल 1500 करोड़ रुपए की अवैध वसूली होती थी

मंत्री गोविंद बोले- सारे आरोप पूर्णतः झूठे, यह राजनीति से प्रेरित

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सिंघार द्वारा लगाए आरोपों को पूर्णतः झूठा करार देते हुए कहा कि उमंग सिंघार ने जिन लोगों के साथ मेरा नाम जोड़ा है वह राजनीति से प्रेरित है। उनसे मेरा कोई संबंध नहीं है। किसी की क्या संपत्ति है? उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मेरे और मेरे परिवार की जो ▶▶ शेष पेज 6 पर

ग्राहकों के पैसे डूबे, ब्रांच में लंबी कतारें

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में122करोड़ का हुआ घोटाला

- बैंक की 73 ब्रांच में ताला पूर्व जीएम मेहता ने कर डाला गबन
- आरबीआई ने अनियमितताओं के चलते 6 महीने का लगाया है बैन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। बैंक के पूर्व जनरल मैनेजर हितेश प्रवीणचंद मेहता पर 122 करोड़ रुपए के गबन का आरोप है। दादर पुलिस ने चीफ अकाउंट्स ऑफिसर की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर वित्तीय गड़बड़ियों ▶▶ शेष पेज 6 पर

ईओडब्ल्यू के छापे में बड़ा खुलासा

दैनिक वेतनभोगी निकला प्राइवेट बैंक-ट्रैवल्स कंपनी का 'मालिक'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

शिव झरिया

जिले के नगर परिषद बिछिया का दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी शिव झरिया 3 करोड़ 10 लाख की संपत्ति का मालिक निकला। जबलपुर की आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार सुबह 6 बजे झरिया के घर और ऑफिस में छापा मारा था। टीम 9 घंटे बाद भी यहां मौजूद है। ईओडब्ल्यू जबलपुर के डीएसपी एववी सिंह ने बताया कि शिव झरिया के ठिकानों ▶▶ शेष पेज 6 पर

- 3 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी मिली
- दिहाड़ी कर्मी 37 लाख रुपए के गबन में जमानत पर है

बिछिया नगर परिषद में गबन में शामिल है झरिया

झरिया पूर्व में मंडला जिले के मोहगांव जनपद (मनरेगा) में कैशियर था। वहां आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के बीच उसे नौकरी छोड़नी पड़ी। इसके बाद वह बिछिया नगर परिषद में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा है। यहां शिकायत के बाद जिला स्तरीय जांच टीम ने परिषद के दो वित्तीय वर्षों के लेखा-जोखा की जांच की थी। जांच में करीब 37 लाख रुपयों का गबन सामने आया था, जिसकी बिछिया थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

5 फरवरी को आया था पहला विमान, इसमें अवैध प्रवासी भारतीयों को जंजीरों से बांधा गया था

अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर फिर एक अमेरिकी विमान अमृतसर उतरा, तीसरा विमान कल आएगा, इनमें सबसे ज्यादा पंजाब के लोग

पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष फतेहजंग सिंह बाजवा ने कहा कि आप सरकार ने उन लोगों (एजेंटों) के खिलाफ क्या कार्रवाई की, जो इन युवाओं को अवैध रूप से विदेश भेज रहे हैं

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

अमेरिका (यूएस) में अवैध तरीके से गए भारतीयों को पकड़कर डिपोर्ट किया जा रहा है। ऐसे में डिपोर्ट किए गए भारतीयों लेकर एक नहीं बल्कि दो अमेरिकी विमान आ रहे हैं। एक अमेरिकन आर्मी का विमान शनिवार की देर रात अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, वहीं दूसरा विमान रविवार (16 फरवरी) को पहुंचेगा। इन दोनों विमानों में सबसे ज्यादा लोग पंजाब के हैं।

लैंड हुए विमान में 120 लोग थे। अमृतसर में ▶▶ शेष पेज 6 पर

पंजाब का युवा आखिर अपना राज्य छोड़कर विदेश क्यों जा रहा है?

फाइल फोटो

शनिवार की फ्लाइट में 67 पंजाब के लोग

शनिवार को उतरी फ्लाइट में सबसे ज्यादा 67 लोग पंजाब के हैं। इनमें सबसे ज्यादा गुरदासपुर के 11, कपूरथला के 10, होशियारपुर के 10 और अमृतसर के 7 लोग हैं। उधर, दूसरी फ्लाइट में 33 लोग हरियाणा, 30 पंजाब, 8 गुजरात, 3 उत्तर प्रदेश, 2 गोवा, 2 -2 महाराष्ट्र और राजस्थान और इसके अलावा, एक शख्स हिमाचल और एक ही व्यक्ति जम्मू और कश्मीर से होगा। पंजाब के गुरदासपुर के 6, जालंधर और अमृतसर के 4-4 लोग हैं।

कांग्रेस ने पूछा

गुजरात में क्यों नहीं उतारा विमान?

मान के अमेरिका से अवैध भारतीय प्रवासियों को अमृतसर ले जाने वाले विमानों के बारे में दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पिछली बार आए अधिकतर निर्वासित लोग गुजराती थे। हम यह जरूर पूछेंगे कि विमान अमृतसर में क्यों उतरा, गुजरात में क्यों नहीं। ▶▶ शेष पेज 6 पर

बड़वाले महादेव मंदिर में 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव की तैयारियां शुरू, इस बार शिव बारात में सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह रहेगा प्रतिबंधित

महाशिवरात्रि महोत्सव 19 फरवरी से, गणेश पूजन के साथ शुरू होंगे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के सबसे प्राचीन मंदिर श्री बड़वाले महादेव मंदिर कायस्थपुरा में 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए युवाओं ने बैनर व पोस्टर लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। महाशिवरात्रि महोत्सव 19 फरवरी से गणेश पूजन के साथ शुरू होगा।

संयोजक संजय अग्रवाल और प्रमोद नेमा ने बताया इस वर्ष शिव बारात का मंदिर की इंटरनेट मीडिया पर लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिससे बाबा श्री बटेश्वर के भक्त देश और विदेश से सीधा बारात से जुड़कर दर्शन कर सकेंगे। शिव बारात 26 फरवरी को सुबह 10 बजे पुराने भोपाल के विभिन्न मार्गों से निकलेगी। बारात में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

बाबा श्री बटेश्वर जय भवानी मंदिर में मां पार्वती से विवाह करेंगे। बड़ी संख्या में विवाह समारोह में शहरवासी पहुंचेंगे। इसको लेकर राजधानीवासियों को विवाह पत्रिका व पीले चावल देकर आमंत्रित किया जा रहा है। इस बार महाशिवरात्रि पर बड़ा आयोजन होने जा रहा है। इस परंपरागत आयोजन में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी बंधुओं से अपील की गई है।

बाबा महाकाल को दिया आमंत्रण

समिति के प्रकाश मालवीय ने बताया कि श्री बड़वाले महादेव मंदिर कायस्थपुरा में 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव व शिव बारात को लेकर मंदिर समिति की ओर से शनिवार को उज्जैन के बाबा महाकाल को आमंत्रण भेंट किया।

21 फरवरी को सायंकाल अखंड रामायण पाठ किया जाएगा

भगवान उमा महेश्वर के मिलन के महापर्व पर श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित गोधूलि बेला में 19 फरवरी को प्रथम पूज्य श्री गणेश आराधना के साथ 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव प्रारंभ होगा। इसके बाद 21 फरवरी को सायंकाल अखंड रामायण पाठ किया जाएगा। जिसका विश्राम 22 को सायंकाल 7 बजे होगा। माता गोरा एवं बाबा बटेश्वर की वैवाहिक रस्मों में बटेश्वर भक्त मंडल द्वारा 23 फरवरी को हल्दी मेहंदी की रस्म होगी। 25 को बटेश्वर का दिव्य श्रृंगार आरती होगी। तो वहीं 26 फरवरी महाशिवरात्रि पर प्रातः 10 बजे मध्य प्रदेश की सबसे भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। भवानी मंदिर सोमवारा में रात्रि 10 बजे द्वारचार, वरमाला, गठबंधन, पूजन एवं आरती संपन्न होगी तथा मध्य रात्रि पाणिग्रहण संस्कार किया जाएगा।

खबर संक्षेप

डॉ. ग्रीष्मा का मंकीपॉक्स पर डब्ल्यूएचओ जर्नल में प्रकाशन

भोपाल। एम्स भोपाल की पीएचडी शोधकर्ता डॉ. ग्रीष्मा उन्नीकृष्णन का मंकीपॉक्स की जांच पर एक अध्ययन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह महत्वपूर्ण शोध पॉलिमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) परीक्षणों की नैदानिक सटीकता पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिसे मानवों में मंकीपॉक्स संक्रमण का पता लगाने के लिए स्वर्ण मानक माना जाता है। 2024 में मंकीपॉक्स को वैश्विक संक्रमण में वृद्धि के कारण अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया था।

13वां आदर्श प्रजापति युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

भोपाल। आदर्श प्रजापति समाज द्वारा आयोजित 13वां कल्याणी, विधुर, दिव्यांग, तलाक शुदा, युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार को गांधी भवन में आयोजित किया जा रहा है। आदर्श प्रजापति समाज के प्रदेशाध्यक्ष ठाकुरदास प्रजापति ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, विश्वास सारंग, गोविंद सिंह राजपूत, कृष्णा गौर, महापौर मालती राय शामिल होगी। युवक युवती परिचय सम्मेलन साथ ही जो समाज में कल्याणी, विधुर, दिव्यांग, तलाक शुदा, युवक युवती है उन्हें भी शामिल किया जाएगा ताकि उन्हें भी जीवन साथी मिल सकें।

इस्लामिक आइडियल फाउंडेशन का सालाना जलसा आज

भोपाल। ऑनलाइन और ऑफलाइन इस्लामिक आइडियल फाउंडेशन का एक दिवसीय आम जलसा होने जा रहा है, जिसको लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। इस जलसे में मुख्य अतिथि मौलाना अहमद सईद सहित अन्य उलमा उपस्थित रहेंगे। जलसा रविवार सुबह 9 बजे शुरू होगा। प्रबंधक दानिश परवेज नदवी ने बताया कि फाउंडेशन तालीम दी जाती है, औरतों और बच्चों की तालीम शामिल है। जिसमें ऑफलाइन शाखाओं के साथ ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाती हैं। प्राचार्य सय्यद मैहविश परवेज ने बताया कि इस्लामिक आइडियल फाउंडेशन में उम्र की कोई कैद नहीं है।

प्रदेशभर में 493 और राजधानी में 36 सेंटरों पर हो रही परीक्षाएं

सीबीएसई की दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं शुरू कड़ी जांच के बाद मिली परीक्षा केंद्र में एंट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं राजधानी सहित प्रदेशभर के रकीब 493 परीक्षा केंद्रों पर शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुईं। पहले दिन दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने अंग्रेजी भाषा की परीक्षा दी। वहीं, बारहवीं का उद्यमिता यानी एंटरप्रेन्योरशिप पेपर हुआ। परीक्षा केंद्रों पर सुचारू रूप से परीक्षा संपन्न कराने के लिए सख्त सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पहले दिन विद्यार्थी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय से एक घंटे पहले ही पहुंच गए थे। इस दौरान कुछ विद्यार्थी स्कूल बसों से तो कुछ विद्यार्थी अभिभावकों के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचे। परीक्षा का समय सुबह 10:30 से दोपहर 1:30 बजे रहा। विद्यार्थियों को कड़ी जांच के के बाद केंद्रों में प्रवेश दिया गया। पेपर देकर बाहर निकले विद्यार्थियों ने पेपर सरल बताया, जिससे सभी के चेहरे खिले हुए थे।

खास बातें

- पेपर आसान होने से परीक्षार्थियों के चेहरे खिले
- करीब दो लाख विद्यार्थी हो रहे हैं शामिल
- पहले दिन दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने अंग्रेजी भाषा की परीक्षा दी

केंद्रीय विद्यालय एक में विद्यार्थी की जांच करते हुए शिक्षक।

सुरक्षा के अच्छे इंतजाम

आज हमारा पहला पेपर हुआ। परीक्षा केंद्रों पर अच्छी व्यवस्थाओं के साथ ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। किसी प्रकार कोई समस्या नहीं हुई।

देव गोयल
विद्यार्थी

नकल रोकने परीक्षा केंद्रों पर किए सख्त प्रबंध

सीबीएसई ने नकल व अन्य अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए परीक्षा केंद्रों पर सख्त प्रबंध नजर आए। किसी भी छात्र को बिना चैकिंग प्रवेश नहीं दिया गया। उनका प्रवेशपत्र और स्कूल का पहचान पत्र देखने के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और उड़नदस्ते की टीम लगातार निरीक्षण पर रही।

भोपाल में 36 केंद्रों पर परीक्षा

प्रदेशभर में 10वीं के 1.17 लाख और 12वीं के करीब 78 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनके लिए परीक्षा 493 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी भोपाल की बात करें तो यहां लगभग 36 केंद्रों पर करीब 12 हजार स्टूडेंट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें भोपाल के 105 स्कूलों के 10वीं के 11,247 और 12वीं के 9463 विद्यार्थी हैं। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय से लेकर निजी स्कूल तक शामिल हैं।

उम्मीद के अनुसार पेपर

आज हमारा पहला था और पेपर उम्मीद के अनुसार ही आया है। कोई प्रश्न सिलेबस से बाहर का नहीं आया है, पेपर सरल था।

परीक्षा शाही, विद्यार्थी

विद्यार्थियों ने हरिभूमि से बातचीत में बताया

सब सिलेबस से था

आज हमारा पहला पेपर अंग्रेजी भाषा था। पेपर सरल था और सिलेबस के बाहर से कुछ भी नहीं है। हमें परीक्षा का बेसब्री से इंतजार था।

जून कौरव, विद्यार्थी

पेपर बहुत अच्छा रहा

पूरा पेपर पाठ्यक्रम से ही आया है। जिस तरह तैयारी की थी, उसी के अनुरूप प्रश्न पूछे गए हैं। पहला पेपर बहुत ही अच्छा रहा है।

नैना बघेल, विद्यार्थी

पेपर सरल था

इस परीक्षा के लिए हमने सालभर तैयारी की है। पेपर उम्मीद के अनुसार ही सरल आया था। पहला पेपर बहुत अच्छा हुआ है।

कुशलजीत सिंह, विद्यार्थी

सामान्य ही रहा पेपर

आज हमारा पहला पेपर था, जो सामान्य ही रहा। पहले से अच्छी तैयारी थी, ऐसे में कोई परेशानी नहीं हुई। पेपर में कोई प्रश्न सिलेबस से बाहर का नही रहा। पेपर बहुत अच्छा हुआ है।

शौर्य उपाध्याय, विद्यार्थी

मदर टेरेसा स्कूल में 10वीं की परीक्षा देकर आते समय खुश नजर आए विद्यार्थी।

एमपी पीएससी (एसएसई) प्रिलिम्स-2025

परीक्षा केंद्रों पर तैयारी पूरी, स्कूल टाइम के बाद की बीफ्रिंग, बैठक व्यवस्था के लिए लिखे रोल नंबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में रविवार को एमपी पीएससी एसएसई प्रिलिम्स-2025 के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है। शहर में 50 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि पूरे प्रदेश में 400 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा होगी। शनिवार को शहर में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर एग्जाम की तैयारियों को लेकर सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर दिन में परीक्षाएं संचालित होने के बाद तैयारियों की समीक्षा की गई। कुछ स्कूलों के प्राचार्यों ने बताया कि दिन में कक्षा 11वीं और अन्य कक्षाओं की परीक्षाएं जारी रही हैं, इससे स्कूल टाइम के बाद सभी तैयारियों की बीफ्रिंग की गई है।

यहां 14 कमरे, एक हॉल में होगा पेपर

शहर के आनंद नगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एसके उपाध्याय ने बताया कि हमारे विद्यालय में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर करीब 400 परीक्षार्थियों की परीक्षा होगी। इसके लिए कुल 14 कमरों और एक हॉल में दोनों पालियों में परीक्षा होगी। एक कमरे में 30 से अधिक परीक्षार्थी नहीं बैठेंगे। परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू होगी, जो 12 बजे तक चलेगी। इसके बाद दूसरी पाली 2.15 से शाम 4.15 तक चलेगी। दोनों पेपर दो-दो घंटे के होंगे। दिन में चूंकि, स्कूली बच्चों की परीक्षाएं हुईं, इसलिए शाम 4 बजे से शाम तक तैयारियों की बीफ्रिंग के साथ ही सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

परीक्षा के बाद जारी होगा कटऑफ

प्रारंभिक परीक्षा 2025 के लिए कट-ऑफ अंक परीक्षा के बाद घोषित किए जाएंगे। तब तक, उम्मीदवार पिछले वर्षों के कट-ऑफ अंकों को देखकर भी अपनी तैयारी का मूल्यांकन कर सकते हैं। एमपीएससी मध्य प्रदेश में ग्रुप ए सेवाओं के लिए योग्य उम्मीदवारों की भर्ती के लिए राज्य सेवा परीक्षा (एसएसई) 16 फरवरी को आयोजित की जा रही है। परीक्षा के अगले चरण के लिए योग्य होने के लिए उम्मीदवार को कितने अंक प्राप्त करने होंगे, इसका अंदाजा लगाने के लिए पिछले वर्ष के कटऑफ को भी देखा जा सकता है।

हर बार की तरह रहेगी कड़ी सख्ती

रविवार को होने वाली एमपी पीएससी एसएसई प्रिलिम्स-2025 एग्जाम में हर बार की भांति ही कड़ी सख्ती रहेगी। इसके तहत कोई भी इलेक्ट्रॉनिक आइटम, बैग, पेपर, स्मार्ट वॉच से लेकर कंगन, मंगलसूत्र, शूज सहित अन्य ऐसे उपकरणों को सख्ती से बैन किया जाएगा। इसके साथ ही केंद्र पर पीने की पानी की व्यवस्था से लेकर परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी के बैठने से पहले सभी परीक्षार्थियों के रोल नंबर की जानकारी देने बोर्ड पर रोल नंबर की सूची भी लगाई जा रही है।

मैनिट: ई-समिट-25 में उद्यमिता और नवाचार पर रखे विचार, पूर्व छात्रों ने किया मार्गदर्शन

समिट के दूसरे दिन की शुरुआत स्टार्टअप एक्सपो के उद्घाटन से हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित मैनिट कैंपस में उद्यमिता महोत्सव, ई-समिट 25 का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत शनिवार को दूसरे दिन की शुरुआत स्टार्टअप एक्सपो के उद्घाटन से हुई। जहां उभरते उद्यमियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए और निवेशकों तथा अनुभवी मार्गदर्शकों के साथ चर्चाएं कीं। इसके बाद विभिन्न आयोजनों ने प्रतिभागियों की रणनीतिक सोच और समस्या-समाधान

कौशल की परीक्षा ली। आईपीएल ऑक्शन सिमुलेशन में प्रतिभागियों ने अपनी नीलामी रणनीतियों को परखा, जबकि केस स्टडी प्रतियोगिता में उन्होंने जटिल चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत किया।

विद्या भारती के कार्यकर्ता करेंगे शिक्षा के साथ समाज परिवर्तन : शिरोमणि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विद्या भारती मध्यभारत प्रान्त की एक दिवसीय प्रांतीय विषय परिषद की बैठक शनिवार को राजधानी स्थित हर्षवर्धन नगर स्थित सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान में हुई।

इस बैठक में संस्कृति बोध परियोजना, क्रिया शोध, मानक परिषद, विद्वत परिषद एवं प्रशिक्षण विभाग की गत वर्ष में संपन्न कार्यों की समीक्षा की गई एवं आगामी सत्र 2025-26 की योजना बनाई गई। बैठक का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। बैठक में विषय समूह के प्रभारी शिरोमणि दुबे, प्रादेशिक सचिव, चंद्रहश पाठक, प्रान्त प्रमुख ग्रामीण शिक्षा के साथ सभी विषयों के प्रान्त संयोजक, सह संयोजक एवं विभाग संयोजक उपस्थित रहे। बैठक में संस्कृति बौद्ध परियोजना, क्रिया शोध, मानक परिषद, विद्वत परिषद एवं प्रशिक्षण विभाग से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

शा. महाविद्यालय शिक्षक संघ मप्र ने उच्च शिक्षा मंत्री से की मांग

सार्थक एप पर उपस्थिति के आधार पर वेतन भुगतान स्थगित करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में महाविद्यालयों में पदस्थ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने और दर्ज उपस्थिति के आधार पर ही वेतन भुगतान की कार्रवाई करने के लिए सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है।

शासकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ मप्र ने उक्त निर्देश का संज्ञान लेते हुए उच्च शिक्षा मंत्री, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं आयुक्त उच्च शिक्षा मप्र से उक्त निर्णय को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्थगित कर पुनर्विचार करने की मांग की है। शासकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ मप्र के अध्यक्ष डॉ. आरएस रघुवंशी ने इसके पीछे तर्क देते हुए बताया कि वर्तमान में फेस रिकग्नीशन एवं नेटवर्क न मिलने के कारण प्रदेश के सभी महाविद्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सार्थक एप पर पंजीयन नहीं हो पा रहा है। दूरस्थ अंचलों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कई बार प्रयास करने के बाद भी सार्थक एप पर उनकी उपस्थिति दर्ज नहीं हो रही है। ऐसी स्थिति में उनकी गलती न होने पर भी वेतन भुगतान में विसंगतियां होगी।

पमरे जोन ऑटोमैटिक सिग्नल से हुआ लैस, दो रेलवे स्टेशन के बीच चल सकेंगी आधा दर्जन ट्रेनें

जल्द ही मंडल के इटारसी- मानिकपुर के बीच होगा ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे जीएम शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में पमरे जोन यात्रियों की सुविधा में वृद्धि को लेकर लगातार तेज गति से काम कर रहा है। इसी के तहत ट्रेनों की संख्या और गति बढ़ाने के लिए रेलवे ट्रैक का विस्तार करने के साथ आधुनिक सिग्नल लगाए जा रहे हैं।

पमरे जोन के अधिकांश सेक्शन व क्षेत्र में यह सिग्नल लगाए जा चुके हैं। इसी के तहत भोपाल व जबलपुर मंडल के इटारसी-मानिकपुर तक लगभग 510 किमी लंबे रेलवे ट्रैक पर आटोमैटिक सिग्नल सिस्टम लगाए जाएंगे। इन सिग्नलों की मदद से दो रेलवे स्टेशन के बीच एक साथ चार से पांच ट्रेनें चलाना आसान होगा। वर्तमान में मैन्युअल और पूर्ण ब्लॉक सिग्नल सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे दो स्टेशनों के बीच दो ट्रेनें ही चलाई जा सकती हैं, पर आटोमैटिक सिग्नल की मदद से ट्रेनों की संख्या और गति, दोनों में इजाफा होगा।

दोगुनी हो सकेगी ट्रेनों की संख्या

रेलवे सूत्रों के अनुसार आटोमैटिक सिग्नल सिस्टम पमरे जोन के सभी सेक्शन पर लगाने के बाद यात्री ट्रेनों में इजाफा हो सकेगा। अभी जहां करीब 400 से 450 ट्रेनें हाल्ट लेकर चलती हैं, तो वहीं इस सिस्टम के बाद यह संख्या 700 से 800 तक हो जाएगी। इससे अधिक से अधिक यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सकेगी।

ट्रेनों की बढ़ेगी स्पीड

पमरे जोन के इटारसी से मानिकपुर के बीच आटोमैटिक सिग्नल सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इन्हें लगाने का काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इनकी मदद से ट्रेनों की संख्या और गति बढ़ेगी। रेलवे अधिक से अधिक यात्री ट्रेन चलाने में सक्षम होगा।

हर्षित श्रीवास्तव, सीपीआरओ, पमरे जोन

25 फरवरी से 3 मार्च तक चलेगा रुद्राक्ष महोत्सव

कुबेरेश्वर धाम रुद्राक्ष महोत्सव के चलते छतीसगढ़, महाराष्ट्र, यूपी और ग्वालियर सहित अन्य रूटों से आने वाली ट्रेनों में वेटिंग 130 के पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कुबेरेश्वर धाम सीहोर में 25 मार्च से होने वाले रुद्राक्ष महोत्सव का असर ट्रेनों व टैक्सी में देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट बढ़ गई है, तो वहीं राजधानी से सीहोर जाने के लिए टैक्सी बुक कराने वालों की संख्या भी बढ़ाई है।

दरअसल सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में 25 फरवरी से 3 मार्च तक रुद्राक्ष महोत्सव का आयोजन किया जाना है। सीहोर में ट्रेनों का स्टॉपेज कम होने के चलते छतीसगढ़, महाराष्ट्र, यूपी व प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले अधिकांश यात्री पहले ट्रेनों से भोपाल पहुंचेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से कुबेरेश्वर धाम रवाना होंगे। इसके चलते दूसरे प्रदेश व मप्र के अन्य जिलों से आने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में 23 फरवरी से 4 मार्च के बीच वेटिंग लिस्ट 70 से 130 तक पहुंच गई है। ऐसे में इस दौरान ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों को ट्रेनों में आरक्षित सीट नहीं मिल रही है। हालांकि रेलवे जरूरत पड़ी तो भोपाल से सीहोर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में

रखते हुए अतिरिक्त कोच बढ़ाए जाएंगे। ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिलने से छतीसगढ़, महाराष्ट्र, यूपी, गुजरात व मप्र के अन्य जिलों से भोपाल की ओर आने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में 70 से अधिक वेटिंग है। इसमें जहां दिल्ली व ग्वालियर से आने वाली शताब्दी एक्सप्रेस में भी वेटिंग मिल रही है। इसी तरह भोपाल एक्सप्रेस, केरला एक्सप्रेस, तमिलनाडु एक्सप्रेस, जीटी एक्स., मालवा एक्सप्रेस, छतीसगढ़ से आने वाली अमरकंटक एक्स. छतीसगढ़ व गोंड़वाना एक्सप्रेस सहित अन्य लंबी दूरी की ट्रेनों के स्लीपर क्लास में 130 से ऊपर वेटिंग है।

अब तक 16 टैक्सी की हो चुकी बुकिंग

इस आयोजन के चलते टैक्सी बुक कराने वालों की संख्या बढ़ रही है। अलग-अलग ट्रैवल्स के यहां लगातार बुकिंग की जा रही है। राजधानी सहित अन्य आस-पास के जिलों के लोग पहुंचकर व दूसरे राज्यों से ऑनलाइन बुकिंग करा रहे है। राजधानी के मुस्कान टूर एंड ट्रेवल्स के डायरेक्टर रूपेश कुमार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में सीहोर कुबेरेश्वर धाम के लिए करीब 16 टैक्सी की बुकिंग हुई है।

रेलवे की नजर है

कुबेरेश्वर धाम रुद्राक्ष महोत्सव को लेकर रेलवे की नजर है। अगर यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की जरूरत पड़ेगी, तो रेलवे की ओर से लगाए जाएंगे।

नवल अग्रवाल, एसीएम व प्रवक्ता, भोपाल मंडल

लालघाटी क्षेत्र स्थित ब्रिज की दीवारों पर बनाई गई सुंदर पेंटिंग लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही हैं।

खबर संक्षेप

कल से 20 फरवरी तक गेट नंबर-1 रहेगा बंद

भोपाल। राजधानी बोट क्लब में 24वीं अखिल भारतीय वाटर स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 20 फरवरी तक किया जाएगा। इस दौरान वन विहार के बोट क्लब स्थित प्रवेश द्वार नंबर-1 में दो पहिया, चार पहिया और 6 पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। गेट क्रमांक-1 से पैदल पर्यटकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। डायरेक्टर मीना ने बताया कि इस अवधि में सैर-सपाटा पार्क स्थित वन विहार का प्रवेश द्वार नंबर-2 खुला रहेगा। इससे दो, 4 और 6 पहिया वाहनों को प्रवेश दिया जाएगा।

वृद्धों की घर जाकर जांच करेंगी आशा कार्यकर्ता

भोपाल। 60 साल से ऊपर उम्र वाले बुजुर्गों की प्रत्येक 6 माह में घर-घर जाकर आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य की जांच कर देखभाल करेंगी। वृद्धजनों की जांच करवाई जाएगी इसके लिए आशा कार्यकर्ताओं को पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक परामर्श सेवाएं मरीजों को दी जाएंगी। इसके अलावा दर्द, सांस फूलना, रक्तस्राव, मितली, उल्टी, कब्ज, दस्त, घाव देखभाल, बैकसोर, पेरेनियम केयर सलाह भी दी जाएगी।

एलुमनी समिति मीडिया प्रभारी बने डॉ. चुघ

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में पूर्व छात्र संगठन की नई कार्यकारणी का गठन हुआ है। जिसके अध्यक्ष डॉ. गुरुदत्त तिवारी ने एग्जीक्युटिव समिति के विभिन्न

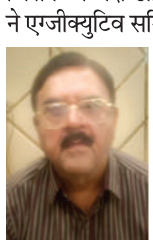

सदस्यों का मनोनयन किया गया। डॉ. गुरुदत्त तिवारी ने जेपी अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ. आईके चुघ को एलुमनी समिति का मीडिया प्रभारी बनाया है। सम्मेलन के आयोजन के लिए स्वास्थ्य मंत्री और जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह के संरक्षण में एक ऑर्गनाइजिंग कमिटी बनाई गई है, जिसके चेयरमैन डॉ. दिनेश भटनागर और सचिव डॉ. ललित श्रीवास्तव होंगे।

86 सफाई कर्मियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल। नगर निगम ने निगम कर्मियों विशेषकर स्वच्छता कार्यों के कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शनिवार को बैरागढ़ गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया। इस मौके पर शिविर में 86 सफाई कर्मी और वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण डा. प्रतिभा मनसूरिया ने किया।

जीआईएस के एक दिन पहले सड़कों पर रखे जाएंगे फूलों के तीन हजार गमले

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में 24 और 25 फरवरी को होने जा रही ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट को लेकर उत्सव का माहौल है। एयरपोर्ट, गांधी नगर, लाल घाटी, वीआईपी रोड, कमला पार्क, पॉलेटेक्निक से रोशनपुरा तक सड़कें, दीवारें और पार्क-फुटपाथों को सजाया गया है। समिट के एक दिन पहले इन सड़कों पर तीन हजार फूलों के गमले भी रखे जाएंगे।

इसके साथ सड़कों की धुलाई और धूल उठाने के लिए भी स्वीपिंग मशीनें लगाई गई है। यहां आने वाले मेहमान बोट क्लब सहित वन विहार में जानवरों के दीदार भी कर सकेंगे।

ट्रैफिक सिग्नल की भी होगी मॉनिटरिंग, सड़कों पर तैनात रहेंगे जवान

एयरपोर्ट, लालघाटी, कमला पार्क और रोशनपुरा तक सड़कों, दीवारें और पार्क-फुटपाथों की चल रही सजावट

सोलर बिजली से होगा समिट का आयोजन

समिट में सोलर एनर्जी पर सबसे ज्यादा फोकस है। सरकार ने तय किया है कि मानव संग्रहालय में हो रहा 2 दिन का पूरा आयोजन कार्बन न्यूट्रल होगा। दो दिन के इवेंट में सोलर पैनल से ग्रिड में आई बिजली का उपयोग होगा। सोलर वाली बिजली के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीएसआईडीसी) 60 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली खरीदेगा।

एक मार्च से देना पड़ेगा नौ फीसदी सरचार्ज

फरवरी में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें, 1 मार्च से छूट में होगी तीन फीसदी की कटौती

निगम प्रशासन ने की करदाताओं से अपील, तुरंत जमा करें टैक्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने वाले मकान मालिकों से 28 फरवरी तक टैक्स जमा करने की अपील की है। इस दिन तक टैक्स जमा करने पर सरचार्ज की राशि का छह फीसदी ही देना पड़ेगा। जबकि एक मार्च से यह सरचार्ज बढ़कर 9 फीसदी हो जाएगा। ऐसे में लोगों को तीन फीसदी की छूट नहीं मिल पाएगी।

नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण का कहना है कि आवासीय उपयोग वाली प्रॉपर्टी के टैक्स में 50 प्रतिशत की रियायत दी जाती है। यह रियायत 31 मार्च तक ही दी जाती है। इस अवधि के खत्म होने के बाद प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करने वालों को यह रियायत नहीं दी जाएगी। निगम प्रशासन ने करदाताओं से अपील की है कि वे संपत्ति कर 28 फरवरी तक जमा कराएं अन्यथा संपत्ति कर पर लगने वाला अधिभार छह से बढ़कर नौ प्रतिशत हो जाएगा। करदाताओं को तीन प्रतिशत अधिक अधिभार जमा करना पड़ेगा। साथ ही अपील की है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 का संपत्ति कर 31 मार्च तक जमा करें अन्यथा स्वयं के आवासीय उपयोग की संपत्तियों पर दी जाने वाली 50 प्रतिशत की रियायत भी नहीं दी जाएगी और दोगुनी राशि का भुगतान करना पड़ेगा। करदाताओं की सुविधा के लिए निगम के सभी वार्ड कार्यालय रविवार सहित अन्य अवकाश के दिनों में भी खुले रहेगें, इसके अलावा ऑनलाइन भी संपत्ति कर का भुगतान किया जा सकता है।

- वार्ड कार्यालय रविवार सहित अन्य अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे
- ऑनलाइन भी संपत्तिकर का भुगतान किया जा सकेगा
- तय समय तक टैक्स नहीं भरने वालों को 50% की रियायत का लाभ नहीं मिलेगा

निगम ने बनाए 387 प्रकरण, वसूले 49 हजार

नगर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों व वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने शनिवार को 387 प्रकरणों में 49 हजार 316 रुपए स्पॉट फाइन के रूप में वसूल किए। अमले ने सीएंडडी वेस्ट के तीन प्रकरणों में तीन हजार रुपए का जुर्माना किया। सीएंडडी वेस्ट सड़कों पर फैलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए जोन पांच के अमले ने एक प्रकरण में एक हजार, जोन 10 के अमले ने एक प्रकरण में एक हजार रुपए और जोन 12 के अमले ने एक प्रकरण में एक हजार रुपए सहित कुल तीन प्रकरणों में तीन हजार रुपए जुर्माना वसूल किया।

साढ़े छह लाख प्रॉपर्टी पर मिलेगी प्रॉपर्टी टैक्स में 50 फीसदी छूट

वित्तीय वर्ष 2024-25 का संपत्ति कर नहीं भरने वालों के लिए नगर निगम ने अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर दें। यह निगम के जोनल दफ्तरों में जमा कर सकते हैं। तय समय पर संपत्ति कर नहीं भरने वालों को 50 प्रतिशत की रियायत का लाभ नहीं मिलेगा। तय समय पर संपत्ति कर जमा नहीं करने पर जुर्माना भी लगेगा। इस संबंध में नगर निगम ने सभी संपत्ति कर दाताओं को मैसेज भी भेजना शुरू कर दिया है। भोपाल में 6 लाख 50 हजार संपत्ति करदाता हैं। पचास प्रतिशत छूट चालू वित्तीय वर्ष में संपत्ति कर का भुगतान करने वालों को ही दी जाती है।

जूनागढ़ से लाए गए सिंह के जोड़े को बाड़े में छोड़ा

पहले दिन बाड़े में जूना और गिरी ने खूब की मस्ती कभी मचान पर चढ़े, कभी एक-दूसरे पर जमाया रौब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गुजरात के जूनागढ़ से लाए गए शेर के जोड़े को शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे वन विहार के बाड़े में छोड़ा गया। बाड़े में पहुचंते ही सिंह का जोड़ा छलांग लगाने लगा फिर कुछ देर डरा-सहमा दिखा, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीता, वैसे-वैसे चहल-कदमी व मस्ती करता नजर आया। इस दौरान उन्हें खाने के लिए मीट भी दिया गया।

- सिंह के जोड़े को देखकर पर्यटकों के खिले चेहरे
- आने वाले दिनों में बढ़ सकता है सैलानियों का आंकड़ा

जूना और गिरी को पसंद आ रहा माहौल

उल्लेखनीय है कि नर सिंह का नाम 'जूना' और मादा सिंह का नाम 'गिरी' है। दोनों की उम्र तीन साल है। पहले दिन पहुंचे पर्यटकों के चेहरे शेर का जोड़ा देखकर खिल गए। वन विहार प्रबंधक का कहना है कि आने वाले दिनों में पर्याटकों की संख्या तेजी से बढ़ सकेगी। जूना और गिरी को यहां का माहौल पसंद आ रहा है।

जीआईएस के मेहमान करेंगे जोड़े का दीदार

जानकारी के अनुसार, राजधानी में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट मानव संग्रहालय में होगी। वन विहार इससे सटा हुआ है। समिट में आए देसी-विदेशी मेहमान एशियाटिक सिंह भी देख सकेंगे। वह सिंह के जोड़े को देख सकेंगे।

पांच हो गई लॉयन की संख्या

वन विहार में पहले 3 शेर थे। जिनमें सत्या, गंगा और नदी शामिल हैं। अब 2 जूना और गिरी आ गए। इसके बाद यहां 2 नर शेर और 3 मादा शेरनियां हो गई हैं।

हर्मन माइनर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पिपलानी स्थित हर्मन माइनर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल आने से हड़कंप मच गया। स्कूली की प्रिंसिपल ने घटना की जानकारी पुलिस को दी थी।

पुलिस की टीम बम स्क्वॉड को लेकर स्कूल पहुंची और कोने-कोने की जांच कराई, लेकिन धमकी अफवाह निकली। इस दौरान स्कूल में एक पार्सल भी आया था। पार्सल चेक कराने पर पता चला कि उसमें किताब और कॉपी रखी हैं।

◆ मेल के बाद आया पार्सल जिसमें निकली किताब

बम स्क्वॉड टीम ने की स्कूल के कोने-कोने की जांच

स्कूल में चल रही थी पैरेंट्स मीटिंग

थाना प्रभारी अनुराग लाल ने बताया कि हर्मन माइनर स्कूल में शनिवार को पैरेंट्स मीटिंग चल रही थी। इस दौरान प्रिंसिपल ने पुलिस को सूचना दी कि स्कूल के मेल पर बम से उड़ाने का धमकी भरा मेल आया है। मेल तेलगू भाषा में लिखा हुआ था। ट्रांसलेट कराने के बाद उन्हें पता चला कि मेल स्कूल से बम को उड़ाने का है। सूचना के बाद पुलिस ने स्कूल को खाली कराया और बम स्क्वॉड के साथ मिलकर स्कूल में सर्चिंग की गई। कोने-कोने में सर्चिंग करने के बाद बम स्क्वॉड के हाथ कुछ नहीं लगा। इस दौरान स्कूल में एक बिना बुलाया हुआ पार्सल मिला था। पार्सल चेक करने पर पता चला कि उसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं है, बल्कि किताब और कॉपी हैं। मेल कहां से आया और किसने किया, इसके लिए पुलिस साइबर क्राइम ब्रांच की मदद ले रही है।

हुक्का पीते हुए मिली युवतियां को समझाइश देकर छोड़ा

ढाबों पर युवक छलका रहे थे जाम, अमले को देखकर भागने लगे तो दौड़कर पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के बाहर स्थित ढाबों और रेस्टोरेंट में बेखौफ होकर शराबखोरी की जा रही है। शनिवार को भी गांधी नगर और बैरागढ़ बायपास स्थित छह से ज्यादा ढाबों और रेस्टोरेंट पर शराब परोसी जा रही थी। इसी दौरान आबकारी अमले ने दबिश देकर खुले में शराब पी रहे लोगों को पकड़ा और प्रकरण दर्ज किए।

वहीं कुछ युवतियां भी हुक्का पीते और जाम छलकाते मिलीं तो उन्हें हिदायत देकर जाने को कहा। इस दौरान कुछ जगहों पर भगदड़ मच गई, जिसके बाद लोगों को अमले ने दौड़कर पकड़ा और सभी 6 ढाबों पर 23 से ज्यादा प्रकरण दर्ज किए। अमले ने बैरागढ़ रोड स्थित वाटर विले, मोक्ष क्लब, एवर ग्रीन ढाबे पर दबिश दी। इसके अलावा बिग डैडी, न्यू विक्की ढाबा और हाउस ऑफ डेलिसी में भी युवा शराब पीते मिले। जिला आबकारी कंट्रोलर एचएस गोयल ने बताया कि होटल संचालकों को शराब न परोसने की हिदायत दी है। अगर आगे शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छह ढाबों पर बनाए 23 से ज्यादा प्रकरण, संचालकों पर भी मामले दर्ज

जीवित परजीवी के कारण मरीज की आंख हुई लाल, नजर कमजोर होने लगी तो इलाज के लिए पहुंचा एम्स

नॉनवेज खाने वालों सावधान: युवक की आंख में घुसा मांस में रहने वाला एक सेंटीमीटर का कीड़ा

एम्स के डॉक्टरों ने दुर्लभ सर्जरी कर निकाला जीवित परजीवी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अगर आप नानवेज खाने के शौकीन हैं, तो सावधान हो जाएं। दरअसल, नानवेज खाने वाले एक व्यक्ति की आंख में मांस में रहने वाला एक सेंटीमीटर का जीवित पैरासाइट या परजीवी ग्नाथोस्टोमा स्पिनिजेरम घुस गया था, जिससे मरीज के आंखो में लाली आ गई और इससे उसकी दृष्टि भी कमजोर होने लगी। जब मरीज ने एम्स के नेत्र विभाग में दिखाया, तो डॉक्टरों ने उसे स्टेरॉयड आई ड्रॉप्स तथा टैबलेट्स खाने की सलाह दी। जिससे उसे कुछ दिन के लिए राहत तो हुई, लेकिन बाद में उसकी दृष्टि अधिक तेजी से कमजोर होने लगी।

कच्चे या अधपके मांस के सेवन से शरीर में प्रवेश करता है ग्नाथोस्टोमा स्पिनिजेरम नामक परजीवी

ड्रॉप्स और टैबलेट्स से भी नहीं मिल रहा था आराम

जांच में दिखा कीड़ा

दवाएं देने के बाद भी राहत नहीं मिलने पर डॉक्टरों ने उसके आंखों की विस्तृत जांच की, जिसमें उनकी आंख के कांचीय द्रव (विट्रियस जेल) में एक जीवित परजीवी कीड़ा पाया गया। सर्जरी के बाद 35 वर्षीय मरीज अब स्वस्थ हो रहा है।

विट्रियो-रेटिना सर्जरी अपनाई

मुख्य रेटिना सर्जन डॉ. समेंद्र करखुर ने बताया कि परजीवी कीड़ा खुद को बचाने के लिए इधर-उधर होता है, इसलिए लेजर-फायर तकनीक से इसे निष्क्रिय कर दिया गया। इसके बाद विट्रियो-रेटिना सर्जरी तकनीक से कीड़े को निकाला।

भारत में ऐसे दो से तीन ही मामले

डॉ. समेंद्र ने बताया कि इस परजीवी की पहचान ग्नाथोस्टोमा स्पिनिजेरम के रूप में होती है, जो आंख के अंदर बहुत ही दुर्लभ रूप से पाया जाता है। अब तक भारत में केवल 2 से 3 मामलों में ही इस परजीवी लार्वा के आंख के विट्रियस कैविटी (कांचीय द्रव) में पाए जाने की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

अच्छे से पकाकर ही खाएं मांस

डॉ. समेंद्र ने बताया कि यह परजीवी कच्चे या अधपके मांस के सेवन से मानव शरीर में प्रवेश करता है और त्वचा, मस्तिष्क और आंखों सहित विभिन्न अंगों में प्रवास कर सकता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डॉ. समेंद्र ने बताया कि विशेषकर जब लोग फ्रोन्स फिश खाते हैं, तो इनका एक लाइफ साइकिल होता है। इनके मांस में उनके अंडे भी होते हैं। जो पेट में जाने के बाद लार्वा में बदल जाते हैं। तब इनका आकार बहुत छोटा होता है और खून में मिलकर ये शरीर के किसी भी अंग में पहुंच सकते हैं। जब ये एक सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाते हैं, तो इनका आकार बढ़ने लगता है। जहां से फिर इनको निकालना मुश्किल हो जाता है।

खबर संक्षेप

कला प्रदर्शनी और षडंग सम्मान 22 फरवरी को

भोपाल। कला एवं साहित्य की सृजनात्मक संस्था सप्तवर्णी कला-साहित्य सृजन शोध पीठ की ओर से 22 फरवरी को द्विवार्षिकी कला प्रदर्शनी और षडंग सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। एक दिवसीय यह कार्यक्रम कोलार रोड स्थित राजाराम रूपध्वनि कला दीर्घा में आयोजित होगा। संस्था की निदेशक डॉ. बिनय षडंगी राजाराम ने बताया कि समारोह में मेरे द्वारा लिखित यात्रा पुस्तक यायवरी और कलाकार सारिणी का लोकार्पण होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महर्षि अगस्त्य वैदिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभुदयाल मिश्र करेंगे। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे शुरू होगा।

हमीदिया स्कूल में दी गई 'नाट्यशास्त्र' की प्रस्तुति

भोपाल। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव के अंतर्गत विश्व जन रंग में विश्व रिकॉर्ड के लिए भोपाल ने भी हिस्सेदारी की, जिसके अंतर्गत शनिवार को अविराम जनकल्याण संस्था द्वारा शासकीय हमीदिया स्कूल में अविराम ने लघु नाटक 'नाट्यशास्त्र' की प्रस्तुति दी। जिसे वरिष्ठ रंगकर्मी सुनील राज के मार्गदर्शन में अविराम की कलाकार आरती विश्वकर्मा द्वारा तैयार करवाया गया।

'द ऑफीशियल स्टोरी' को दर्शकों ने सराहा

भोपाल। सिने क्लासिक में 1985 की एक अर्जेंटीनी ड्रामा फ़िल्म 'द ऑफीशियल स्टोरी' दिखाई गई, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया। यह फ़िल्म अर्जेंटीना के डर्टी वॉर (1976-1983) की भयावहता को उजागर करती है, जब सैन्य तानाशाही के दौरान हज़ारों लोगों को अगवा कर हत्या कर दी गई थी। यह 1986 में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फ़िल्म का ऑस्कर पुरस्कार पाने वाली पहली अर्जेंटीनी फ़िल्म बनी जिसका निर्देशन लुइस पुएंज़ो ने किया था।

विश्व संवाद केंद्र में बसंत गोष्ठी का हुआ आयोजन

भोपाल। अभा साहित्य परिषद, द्वारा बसन्त गोष्ठी का आयोजन शनिवार को विश्व संवाद केंद्र में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नुसरत मेहदी ने करते हुए कहा कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद भारतीय परंपराओं, संस्कारों एवं मूल्यों को साहित्य के माध्यम से पल्लवित एवं पोषित करने के लिए समर्पित है। इसी श्रृंखला में बसन्त ऋतु के आगमन पर बसन्त आधारित रचनापाठ का आयोजन किया जाता है।

भारत भवन में आयोजित 43वें वर्षगांठ समारोह में हुईं विविध प्रस्तुतियां

बहुकला केंद्र का अंतरंग सभागार पहली बार भारतीय शास्त्रीय संगीत के 12 वाद्ययंत्रों की गूंज का बना साक्षी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

भारतीय शास्त्रीय और लोक कलाओं के विविध रंगों से सजे भारत भवन के 43वें वर्षगांठ समारोह का तीसरा दिन शनिवार संगीत प्रेमियों के लिए एक अनूठी सौगात लेकर आया। जहां एक तरफ भारतीय शास्त्रीय संगीत के विविध वाद्ययंत्रों का मिश्रण था तो दूसरी तरफ मालवी शैली में पारंपरिक वाद्ययंत्रों से सजी मनमोहक प्रस्तुति थी। आठ दिवसीय इस समारोह में कुल तीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई। कार्यक्रम की एक प्रस्तुति में बारहबाजा की थी जो कला रसिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। खास बात यह थी कि मध्यप्रदेश में पहली बार 12 वाद्ययंत्रों को लेकर इस तरह की प्रस्तुति का प्रयोग किया गया जिसे कलाप्रेमियों ने काफी सराहा। लगभग 45 मिनट चली यह प्रस्तुति भारतीय शास्त्रीय संगीत के वाद्ययंत्रों पर किया गया पहला प्रयोग था।

ख्याल गायकी की हुई प्रस्तुति

गीत संगीत से सजे महोत्सव में दूसरी सभा ख्याल गायकी से सजी। इसमें रीवा के कलाकार पंडित रमाशंकर पांडे ने ख्याल गायकी की बेजोड़ प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के लिए रमाशंकर ने राग मारु विहाग का चयन किया। इस प्रस्तुति में पहले उन्होंने बड़ा ख्याल में बंदिश कल नहीं आये... और छोटा ख्याल में जागू मैं सारी रैना बलमा... बंदिश को पेश किया।

दर्शन देवो कबीर आबे म्हारो निरमल करजो शरीर...

सांगीतिक प्रस्तुति का आरंभ शाजापुर के प्रसिद्ध राष्ट्रीय कबीर भजन गायक दिनेश धौलपुरे के गायन से हुई। जहां कलाकार ने हारमोनियम, ढोलक, खंजरी, करताल जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ मालवी शैली में कबीर गायन प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का आरंभ कलाकारों ने गुरु वंदना वारी जाऊं रे बलिहारी जाऊं रे... के साथ किया। इसे बाद कलाकारों ने कबीर भजन दर्शन देवो कबीर आबे म्हारो निरमल करजो शरीर... पेश किया।

तीन कठिन पड़ावों से गुजरकर अहमद अफ़जल बने मिस्टर एक्सीलेंस, शहरीश तसनीम मिस एक्सीलेंस

'तरंग' का भव्य समापन: रैम्प वॉक और ट्रेडिशनल-डे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

लुक छिप ना जाना जी..., फैशन का है ये जलवा....., मरजावां... म्हारे हिवड़ा में नाचे मोर..., जट गबरू जवान... जैसे गीतों पर राजस्थानी, पंजाबी, बंगाली वेशभूषा में सजे धजे स्टूडेंट्स ने जब मंच पर कदम रखा तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वहीं नूरजहां की खूबसूरती और पद्मावति की सादगी भी इसी मंच पर अवतरित हुई। फैशन और टैलेंट से सजा यह नजारा था शनिवार की शाम उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में 'रैम्प पर परंपराएं' थीम पर आयोजित तरंग उत्सव में ट्रेडिशनल डे का। जिसमें तीन राउंड में स्टूडेंट्स ने अपने भीतर छिपी प्रतिभा को दर्शाया।

कठिन पड़ावों से गुजरकर हुआ विजेताओं का चयन

फैशन के संसार में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाली सपना सिंह परमार, शिल्पा मालावार एवं मधुरिमा राजपाल ने उत्कृष्ट निर्णय देकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। विजेताओं का चयन 3 कठिन पड़ावों से गुजरकर विभिन्न श्रेणियों में हुआ।

मिस्टर एक्सीलेंस, मिस एक्सीलेंस

रॉयल, फ्यूजन और रीजनल राउंड में दिखी प्रतिभा

इस फैशन शो में जहां रॉयल कैटेगरी में भोपाल की बेगम्स, पद्मावति, राजपूताना अंदाज में ट्रेडिशनल अटायर में रजवाड़ों की शान ओ शोकत नजर आई तो वहीं रीजनल राउंड में स्टूडेंट्स ने अलग अलग राज्यों की गेटअप में रैंप वॉक करके दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। वहीं अंतिम फ्यूजन राउंड में ड्रेसिंग स्टाइल को मिक्स एंड मैच करके भी स्टूडेंट्स ने अदाओं का जलवा बिखेरा।

यह रहे विजेता

प्रतियोगिता की फ्यूजन श्रेणी में प्रथम स्थान तनीषा कुकरेजा एवं द्वितीय स्थान जिया सरकार ने प्राप्त किया। रॉयल राउंड श्रेणी में नूरिया ने प्रथम तथा अंशुल कुमार तिवारी ने द्वितीय और रीजनल राउंड में नेतन्या कैथुन प्रथम व आयुष सक्सेना द्वितीय स्थान पर रहे। इसके साथ ही मोहम्मद फरजान आरिफ खान मिस्टर ईव बने तो वहीं युसुआ परवेज मिस ईव बनीं वहीं मिस्टर एक्सीलेंस का ताज अहमद अफजल ने पहना, तो मिस एक्सीलेंस का ताज शहरीश तसनीम ने पहना।

शहीद भवन में नाटक सम्राट विक्रमादित्य का मंचन

शकों को पराजित कर उपाधि प्राप्त करते हैं विक्रमादित्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

यह सर्वविदित है कि शकों को पराजित करने के कारण विक्रमादित्य शकारी की उपाधि प्राप्त करते हैं। विक्रमादित्य की इसी कहानी का मंचन सम्राट विक्रमादित्य नाटक में शनिवार शाम शहीद भवन सभागार में हुआ। डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित के लेखन और निजाम पटेल के निर्देशन में नाटक में प्रस्तुति माही सोशिया कल्चर सोसायटी के कलाकारों ने दी।

विकास यात्रा का वर्णन

नाटक की कहानी

नाटक के बारे में सम्राट विक्रमादित्य भारत के अकेले जन जन में लोकप्रिय आदर्श नायक है। जिनके जीवन चरित्र पर केंद्रित नाटक के आरम्भ में उज्जयिनी की विकास यात्रा का वर्णन किया। नाटक की शुरुआत विक्रमादित्य के पिता राजा गर्दभिल्ल से होती है। एक उत्सव के दौरान शकों द्वारा आक्रमण में राजा गर्दभिल्ल पराजित होकर सपरिवार अवन्ति जनपद के पूर्व में सिंधु (कालीसिंध) के किनारे साधारण जीवन बिताने लगते हैं। वहीं आचार्य चंद्रगुप्त से विक्रमादित्य शिक्षा पाते हैं। बाद में विक्रमादित्य के यही साथी उनके राज्य के नवरत्न कहलाए।

शकों को पराजित कर उज्जयिनी को कराते हैं मुक्त

विक्रमादित्य सभी साथियों के साथ आश्रम में शस्त्र, शास्त्र सहित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। उधर राजा को भी जन सहयोग और धन की प्राप्ति होती है। विभिन्न राज्यों व राजाओं का सहयोग लेकर विक्रमादित्य सेना संगठित करते हैं। इसी बीच शक राजकुमारी हन भर्तृहरि की मदद से डाकुओं से बचकर आती है और गर्दभिल्ल तथा रानी के आश्रय में रहती है। समवेत सेनाओं द्वारा उज्जयिनी को शकों को पराजित कर मुक्त करा लिया जाता है।

एमपी टूरिज्म बोर्ड को प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के लिए मिला अवॉर्ड 2024

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

एमपी टूरिज्म बोर्ड को उसके सतत पर्यटन पहल प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशंस के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने हर्ष जताते हुए कहा कि एमपीटीबी सतत और जिम्मेदार पर्यटन के लिए प्रतिबद्ध है। हम सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मध्यप्रदेश को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाने के सतत प्रयास कर रहे हैं। अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने नई दिल्ली में सिल्वर ओक हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 100वें स्कॉच समिट के दौरान अवार्ड ग्रहण किया।

100वें स्कॉच समिट में अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने ग्रहण किया अवार्ड

पन्ना जिले से हुआ प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन का शुभारम्भ

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल द्वारा प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन का शुभारम्भ फरवरी 2022 में राज्यपाल मंगू भाई पटेल द्वारा पन्ना जिले से किया गया है। इस परियोजना को कोका-कोला इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित किया गया है और इसे साहस संगठन द्वारा क्रियान्वित किया गया है।

गालिब की पुण्यतिथि मनाना एक अद्भुत आनंद का भाव

गालिब का लिखा उपन्यास 'दास्तान ए मिर्जा गालिब' का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

दुष्यंत स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में सुरेश पटवा द्वारा मोहम्मद गालिब की पुण्यतिथि पर उनका लिखा उपन्यास 'दास्तान ए मिर्ज़ा गालिब' का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम प्रख्यात पत्रकार महेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता, कथाकार मुकेश वर्मा के मुख्य आतिथ्य और डॉ. नुसरत मेहदी के सारस्वत आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

पाठकों के बीच फिर से जिंदा कर दिया गालिब को

गोकुल सोनी ने बड़ी संख्या में उपस्थित साहित्य रसिकों का स्वागत किया। तत्पश्चात इकबाल मसूद से उपन्यास की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उपन्यास को मिर्ज़ा गालिब के संबंध में सम्पूर्ण कृति निरूपित किया। अध्यक्षीय आसन्दी से बोलते हुए महेश श्रीवास्तव ने कहा, भोपाल में गालिब की पुण्यतिथि इस तरह मनाना एक अद्भुद आनंद से भर रहा है।

बाल विवाह रोकने किया जागरूक, विधिक परिणामों से छात्राओं को कराया परिचित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में 11 से 14 फरवरी के बीच बालविवाह प्रतिषेध विषय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत अंतिम दिन बालविवाह प्रतिषेध विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता महाविद्यालय की प्राचार्य एवं वरिष्ठ समाजशास्त्री डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव रहीं। उन्होंने बालविवाह के दुष्प्रभाव एवं विधिक परिणामों से छात्राओं को परिचित कराया और हर्षिता मंडलोई एवं खुशी सेन को बालविवाह प्रतिषेध एम्बेस्डर के लिए मनोनयन पत्र दिया। साथ ही उपस्थित समस्त छात्राओं को उनके सामाजिक दायित्वों से अवगत कराया।

नूतन कॉलेज में तीन दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम

यह रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

बालविवाह प्रतिषेध से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में समाजशास्त्र विभाग के सभी सदस्य डॉ. अर्चना चौहान, डॉ. मनीषा शर्मा, डॉ. रानू वर्मा, डॉ. कीर्ति वर्मा और पलक जैन की सक्रिय भूमिका रही। साथ ही छात्राओं ने इस विषय की गंभीरता को समझा और गतिविधियों में सहभागिता की।

राष्ट्रीय प्रबंधन दिवस के मौके पर ओडिसी 2025 का आयोजन

'रेट्रो सूट एंड मॉडर्न मूव्स' में किया कॉर्पोरेट रैंप वॉक

भोपाल। राष्ट्रीय प्रबंधन दिवस के अवसर पर, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज का प्रबंधन विभाग द्वारा प्रबंधन उत्सव 'ओडिसी 2025' का आयोजन एक सप्ताह के लिए किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कार्पोरेट रैंप वॉक शो 'रेट्रो सूट एंड मॉडर्न मूव्स' के रूप में बीएसएसएस के प्रबंधन छात्रों की रचनात्मकता देखने को मिली, जिसमें छात्रों ने अतीत, वर्तमान और भविष्य में कार्यालय की पोशाक और एटीट्यूट को दिखाया। जिसमें किसी छात्र ने मॉडर्न टच की ड्रेस में रैंप वॉक की तो किसी ने हाथ में फाइल्स और फोल्डर लेकर रैंप वॉक की। कार्यक्रम का समापन फादर जोमी पनेथास, डीन ऑफ एकेडमिक्स द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पत्रकारिता के विवि के नवागत कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का प्रबुद्धजनों से संवाद

मैं बड़े दावे तो नहीं करता, चार साल बाद आप ही मेरा आंकलन करेंगे...

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

आज माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की ख्याति पूरे देश में हैं, यहां के विद्यार्थी देश के प्रमुख मीडिया घरानों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। विवि को यह स्थान दिलाने में मेरे पूर्ववर्ती लोगों की अहम भूमिका रही है। मेरा भी प्रयास होगा कि विवि की इसी छवि को और निखार सकूं। यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवागत कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी का। वे शनिवार को ज्ञानतीर्थ माधवराव सप्रे संग्रहालय में आयोजित 'संवाद' कार्यक्रम में प्रबुद्ध जनों से चर्चा कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वेद मर्मज्ञ डॉ. प्रभुदयाल मिश्र ने की।

इस बात के दावे नहीं करता कि बहुत कुछ बदल दूंगा

उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नया करने के लिए बहुत कुछ रहता है। यहां भी ऐसी ही अनेक संभावनाएं हैं। उन्होंने पूरी साफगोई से कहा कि मैं आज इस बात के दावे नहीं करता कि बहुत कुछ बदल दूंगा, लेकिन कोशिशें जारी रहेंगी। मेरी नियुक्ति चार साल के लिए हुई है, इसके बाद मेरा आंकलन आप ही करेंगे।

संसद हमले के आरोपी अफजल गुरु पर की स्टोरी

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं चाहता था कि ऐसे अखबार में काम करुं जो गांवों तक जाता हो। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे संपादक द्वारा संसद हमले के आरोपी अफजल गुरु पर स्टोरी करने को कहा गया। तब दिल्ली में गृह मंत्रालय जाकर पूरी फाइल टटोली। यह आसान काम नहीं था, लेकिन यह कार्य किया। फिर जो खबर निकल कर आई उसे पूरे देश में सराहना मिली।

डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और ट्रांसमिशन सेक्टर में करेंगे निवेश

मुख्यमंत्री से भेंट कर श्री टेक डेटा लिमिटेड के सीईओ ने प्रदेश में 9100 करोड़ के निवेश का दिया प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को श्री टेक डेटा लिमिटेड कंपनी के सीईओ विजय आनंद ने भेंट की। उन्होंने प्रदेश में डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और ट्रांसमिशन सेक्टर में निवेश की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत कर 9100 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रदेश में उन्नत बुनियादी ढांचे और तकनीकी विस्तार पर चर्चा हुई।

श्री टेक डेटा लिमिटेड ने इंदौर में 4 हजार करोड़ रुपए की लागत से डेटा सेंटर स्थापित करने, बीना (सागर) में 3 हजार करोड़ रुपए की लागत से ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट विकसित करने, उज्जैन में 600 करोड़ रुपए के निवेश से सोलर पॉवर यूनिट स्थापित करने और उज्जैन में ही बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण अवसंरचना के लिए 1500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव दिए। बैठक में जिला उद्योग केंद्र भोपाल के जीएम कैलाश मानेकर भी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए देश के सबसे अनुकूल स्थलों में से एक

वैश्विक कंपनियां प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र निवेशकों के लिए देश के सबसे अनुकूल स्थलों में से एक बन चुका है। मजबूत बुनियादी ढांचे, सुलभ नीतियों और अनुकूल औद्योगिक वातावरण होने से वैश्विक कंपनियां प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। श्री टेक डेटा लिमिटेड के सीईओ आनंद ने कहा कि यह निवेश प्रदेश में डिजिटल और हरित ऊर्जा क्रांति को गति देगा, जिससे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास होगा और हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार से नीति समर्थन, भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक सहयोग का अनुरोध किया। श्री टेक डेटा लिमिटेड का यह निवेश मप्र के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे न केवल तकनीकी और ऊर्जा क्षेत्रों में प्रदेश अग्रणी राज्य बनेगा बल्कि स्थानीय युवाओं और स्टार्ट-अप्स को भी नए अवसर प्राप्त होंगे।

वैश्विक स्तर पर नीति को प्रस्तुत करने जीआईएस होगा बड़ा मंच

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स नीति से निवेश और नवाचार का प्रारंभ होगा नया युग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मप्र ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पॉलिसी 2025 लॉन्च की है, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने और राज्य को एक डिजिटल एवं तकनीकी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया विजन को गति देने में यह नीति एक मील का पत्थर साबित होगी। भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025, इस नीति को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का सबसे बड़ा मंच मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समिट का 24 फरवरी को शुभारंभ करेंगे, जिससे मप्र का निवेश परिदृश्य और भी मजबूत होगा। दुनिया भर के निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं के समक्ष मुख्यमंत्री इस नीति को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे, जिससे जीसीसी के क्षेत्र में राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। इस समिट से जीसीसी के लिए बड़ी संख्या में निवेश प्रस्तावों की उम्मीद है, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य बदल जाएगा।

जीसीसी : वैश्विक कारोबार का नया केंद्र

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स वे केन्द्र हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपने मुख्यालय से अलग अन्य देशों में स्थापित करती हैं। इनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अपने ऑपरेशंस को सुचारू रूप से चलाना और अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना होता है। इन केन्द्रों में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास, सप्लाई चेन मैनेजमेंट और ग्राहक सहायता जैसी सेवाएं दी जाती हैं।

3 वर्ष में आईटी, आईटीईएस निर्यात में तीन गुना वृद्धि

मप्र में जीसीसी के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। पिछले तीन वर्षों में राज्य के आईटी, आईटीईएस निर्यात में तीन गुना वृद्धि हुई है और वार्षिक वृद्धि दर 43 प्रतिशत है। इंदौर, भोपाल और जबलपुर जैसे शहर तेजी से आईटी और ईएसडीएम हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। राज्य में 300 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जहां से हर साल 50 हजार से अधिक टेक्नोलॉजी ग्रेजुएट निकलते हैं। निवेशकों के लिए किफायती बिजनेस ऑपरेशन, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पार्क, विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) और सरल नियामकीय प्रक्रियाएं इस नीति को और अधिक प्रभावी बना रही हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में मप्र चौथे स्थान पर है, जो यह साबित करता है कि राज्य में निवेशकों के लिए एक अनुकूल माहौल मौजूद है।

डॉ. यादव ने कहा, जल ही जीवन और जीवन की उत्पत्ति का है मूल स्त्रोत

देशों, संस्कृतियों में शांति-सौहार्द्र स्थापित करेगा वसुधैव कुटुंबकम का संदेश:सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बाबा श्री महाकाल की नगरी, भारत एवं विश्व का एक प्रमुख आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र उज्जैन, यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 आयोजन की मेजबानी कर रहा है। यह भूमि वेदों, पुराणों और योग परंपरा से समृद्ध रही है, और आज हम सभी यहां इसी परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए एकत्रित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह दौर युद्ध का नहीं, शांति का है।

उनका यह विचार आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को इंगित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात कालिदास अकादमी उज्जैन में आयोजित यूनाइटेड कॉन्शसनेस कॉनक्लेव- 2025 में संबोधित करते हुए कही। इस मंच पर 21 से अधिक देशों के विद्वान, संत, मनीषी, आध्यात्मिक शिक्षक, कोच और विचारक एकत्रित हुए हैं, जो इस विषय पर अपने विचार साझा कर रहे है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह युग संभवतः सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां युद्ध, गृहयुद्ध, आतंकवाद और आपसी वैमनस्यता ने विश्व को तनावग्रस्त बना दिया है। हमें विचार करना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसी दुनिया सौंप रहे हैं- एक विभाजित, हिंसा-ग्रस्त समाज या शांति, समरसता और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत एक संसार? यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव एकात्म चेतना के माध्यम से शांति की संस्कृति की स्थापना होगी।

भारत की प्राचीन संस्कृति, योग और अध्यात्म को मिला वैश्विक मंच

मुख्यमंत्री यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 में हुए सम्मिलित

शिविर में 21 से अधिक देशों के डेलिगेट्स रहे मौजूद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की इस पवित्र भूमि पर एकात्मक चिंतन के इस शिविर में 21 से अधिक देशों के डेलिगेट्स यहां आए हैं। यहां पर भी सनातन परंपरा के चिंतन को लेकर विचार विमर्श किया जा रहा है। उज्जैन में वैचारिक महाकुंभ का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कॉन्क्लेव केवल संवाद या चर्चा का मंच नहीं है, बल्कि यह गहन विमर्श का एक केंद्र बनेगा, जिससे न केवल ज्ञान का विस्तार होगा, बल्कि मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय जीवन मूल्यों का 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश विभिन्न देशों और संस्कृतियों के मध्य शांति और सौहार्द को स्थापित करेगा। भारत भूमि योग, ध्यान, वेदांत और धर्म के माध्यम से शांति, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का संदेश देती रही है।

जल विश्व को सनातन संस्कृति की परंपरा अनुसार एक सूत्र में पिरोता है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचमहाभूत से बना है हमारा शरीर। प्रकृति में जो पांच तत्व मौजूद हैं, वही हमारे शरीर में भी विद्यमान है। इस सृष्टि मे जीवन की उत्पत्ति सर्वप्रथम जल में ही हुई थी, इसीलिए जल के प्रति हम सब जीवों में एक स्वाभाविक सी ललक रहती है। जल हमें सुकून देता है। स्नान से हमें मानसिक शांति प्राप्त होती है साथ ही शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है। जल स्रोत नदी, समुद्र, तालाब जैसे हमें शुरू से ही आकर्षित करते आ रहे हैं। आज कार्यक्रम में संसार के विभिन्न जल स्रोतों से जल प्राप्त हुआ है। जल विश्व को सनातन संस्कृति की परंपरा अनुसार एक सूत्र में पिरोता है।

अग्रवाल ने कहा, सिंघार का बयान हास्यास्पद व विरोधाभासी, उमंग खुद आरोपों से घिरे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के प्रेस कांफ्रेंस के जरिए चरित्र हनन करने को झूठ का झुनझुना करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद और विरोधाभासी बयान है। सिंघार स्वयं विभिन्न आरोपों से घिरे हैं, वह आज दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। अग्रवाल ने 11 बिंदुओं के जरिए सिंघार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि यह वही उमंग सिंघार है, जो 15 महीने की कमलनाथ सरकार के दौरान अपने ही मंत्रालय में खरीद, फरोख, ट्रांसफर, पोस्टिंग जैसे अनेकों मामलों में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। जब झारखंड के प्रभारी सचिव बने तो उन पर टिकट बेचने के आरोप लगाए गए थे और यह जो आरोप स्वयं कांग्रेसियों ने लगाए थे। इसके बाद राहुल गांधी ने एक जांच भी की जिसमें ऐसा बताया जाता है कि आरोप इन पर सिद्ध हुए।

महिलाओं ने सिंघार पर लगाए हैं गंभीर आरोप

सिंघार ने कभी अपने ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को शराब माफिया, रेत माफिया, ब्लैकमेलर बताते थे और आज उनके साथ ही मंच साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं निजी टिप्पणियां करने में विश्वास नहीं रखता पर सिंघार को याद रहे कि उन पर विभिन्न महिलाओं ने समय-समय पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। एक महिला ने तो उनके स्वयं निज निवास में आत्महत्या की थी यह समझना होगा कि वह कितनी प्रताड़ित रही होगी। कई महिलाओं ने उन पर और आरोप लगाए और आज सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे सिंघार दूसरों पर आरोप लगाते हैं। कांग्रेस आज भारतीय जनता पार्टी को, जिसकी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है, उसे भ्रष्टाचार रोकने का पाठ पढ़ा रही है। कांग्रेस को याद रहे कि इस समय देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है और प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की ही सरकार है और यह जितनी एजेंसी कार्रवाई कर रही है यह भारतीय जनता पार्टी की जो जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है, उसके आधार पर ही कर रही हैं।

डॉ. नितेश शर्मा 'वन नेशन वन इलेक्शन' टीम के सदस्य नियुक्त

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी मप्र द्वारा वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इस टीम में संयोजक के रूप में जस्टिस रोहित आर्या, सह संयोजक पुष्यमित्र भार्गव के साथ 10 सदस्यों को भी शामिल किया गया है। इसमें शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा मप्र के प्रदेश संयोजक डॉ. नितेश शर्मा को टीम में सदस्य के रूप में दायित्व दिया गया है। डॉ. नितेश शर्मा इससे पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आदि दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वर्तमान में वह महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कार्य परिषद सदस्य हैं।

विशेष रूप से तैयार रथों का पूजन-अर्चन कर रवाना किया

मंत्री सारंग ने नरेला में घर-घर किया महाकुंभ से लाए गंगाजल का वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने अनूठी पहल की है। उन्होंने शनिवार को नरेला क्षेत्र में प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए पवित्र गंगाजल के वितरण का शुभारंभ किया। मुख्य कार्यक्रम अशोका गार्डन स्थित नर्मदा परिक्रमा पार्क से प्रारंभ हुआ, जहां मंत्री सारंग ने गंगाजल वितरण के लिए विशेष रूप से तैयार रथों का पूजन-अर्चन कर रवाना किया।

मंत्री सारंग वार्ड 69 के अशोका गार्डन, वार्ड 37 में द्वारका नगर एवं वार्ड 76 में पहुंचे और नागरिकों के घर-घर जाकर पवित्र गंगाजल वितरित किया। इस अभियान के अंतर्गत नरेला विधानसभा के सभी 17 वार्डों में घर-घर गंगाजल वितरण किया गया, ताकि जो श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ नहीं जा सके, वे भी इस पवित्र जल का लाभ उठा सकें।

ईसीआईआर दर्ज करेगी ईडी, पूर्व बिना सूचना गिरफ्तारी भी होगी

ईडी की पूछताछ में सौरभ ने भ्रष्टाचार के खेल में साथ देने वालों के गिनाए नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ईडी सौरभ शर्मा उसके सहयोगी चेतन और पार्टनर शरद से लगातार मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ कर रही है। शनिवार को पूछताछ में सौरभ ने अफसर के समक्ष कई खुलासे किए हैं। ईएसआईआर दर्ज करेगी ईडी, बिना पूर्व सूचना या नोटिस के गिरफ्तारी भी होगी

उसने छापे में मिली डायरी में दर्ज कई नाम की पुष्टि की है, जो उसका साथ दे रहे थे। वह मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए भ्रष्टाचार की रकम को प्रॉपर्टी और गोल्ड में इन्वेस्ट करवाते थे। इसके अलावा सौरभ ने ग्वालियर के कारोबारी सहित 4 रिश्तेदारों के नाम भी गिनाए हैं, जिनके संरक्षण में वह काली कमाई खपा रहा था। डायरी में दर्ज परिवहन विभाग के तत्कालीन अफसर और ज्वेलर्स पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। ईडी ने सौरभ द्वारा बताए गए नामों का खुलासा तो नहीं किया है, लेकिन इन सभी को सह आरोपी बनाया जाएगा। ईडी इनसे पूछताछ के लिए नोटिस जारी कर रही है। कई लोगों को नोटिस जारी भी हो चुके हैं।

रिमांड बढ़ाने की मांग

सौरभ, चेतन और शरद की सोमवार को रिमांड पूरी हो जाएगी। इसलिए इनको कोर्ट में प्रस्तुत करते ही ईडी रिमांड बढ़ाने का आवेदन लगा सकती है, क्योंकि केस से जुड़ी कई जानकारी को वेरीफाई किया जाना है। इनोवा का ड्राइवर भी ईडी के टारगेट में है। बताया जा रहा है कि ईडी को उसका सुराग लग गया है। जल्द ही वह गिरफ्त में होगा।

सीपीसीबी की दस साल पुरानी यूका कचरा रिपोर्ट अधूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विगत 40 वर्षों भोपाल गैस पीड़ित और जहरीले कचरे के मुद्दों पर संघर्ष करने वाली साधना कार्णिक प्रधान ने कहा कि ट्रेड सीक्रेट के नाम से अब तक भोपाल के जहर की पहचान छिपाई गई, जिससे पीड़ितों को मुआवजा न देना पड़े।

सीपीसीबी 2015 ट्रायल की अधूरी जानकारियों व अनसस्टेनेबल प्रक्रिया के आधार पर भोपाल का जहरीला कचरा जलाना घातक है। उनका कहना है कि पीथमपुर के रामकी प्लांट जहरीला कचरा जलाने के लिए उपयुक्त नहीं है। दरअसल 2015 में सीपीसीबी ने जहरीले कचरे के निष्पादन के लिए अवैज्ञानिक और अवहनीय और अनियोजित प्रक्रिया अपनाई गई है। जिस रिपोर्ट पर गंभीर सवाल है और जिसके आधार पर पीथमपुर में कचरा डिस्पोज किया जा रहा है। प्रधान ने सवाल उठाते हुए कहा कि 2010 की सरकारी रिपोर्ट में यूसीआईएल प्लांट में एक टन मर्करी के अलावा पड़ा 11 लाख टन जहरीला कचरा जो वर्मन में मिट्टी में रिसकर अब तक 25 लाख टन से ऊपर हो चुका है, उस कचरे को भी क्या पीथमपुर रामकी में ही जलाया जाएगा।

अग्रवाल, वासनिक, सुरजेवाला भी नहीं टिक सके थे ज्यादा

नहीं टिक पा रहे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी, भंवर जितेंद्र भी तेरह माह में हटे

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

विश्लेषण

प्रदेश कांग्रेस प्रभारियों के पैर मप्र में टिक नहीं पा रहे हैं। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा इन्हें प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने के उद्देश्य से भेजा जाता है, लेकिन ऐसा करने की बजाय ये खुद पार्टी के अंदर पार्टी बन जाते हैं। शिकायतें होती हैं और इन्हें रवाना कर दिया जाता है। यही हश्र मौजूदा प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह का भी हुआ।

विधानसभा चुनाव के बाद इन्हें प्रदेश कांग्रेस का प्रभार सौंपा गया था और लगभग 13 माह बाद ही ये हटा दिए गए। इससे पहले जेपी अग्रवाल, रणदीप सुरलेवाला और मुकुल वासनिक भी ज्यादा नहीं रह सके थे। इनका कार्यकाल भंवर जितेंद्र से भी कम रहा था। अलबत्ता दो प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश और दीपक बाबरिया ही ज्यादा समय तक टिके थे। इनमें से बाबरिया के कार्यकाल में कांग्रेस प्रदेश की सत्ता में आई थी। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। हालांकि कई निर्णयों के लिए उनका मजाक भी उड़ाया जाता था।

मोहन प्रकाश ज्यादा समय रहे, बाबरिया के समय बनी सरकार

दो कारणों से चर्चित रहे भंवर जितेंद्र

भंवर जितेंद्र के पास असम के साथ मप्र कांग्रेस का प्रभार था। यहां का चार्ज एडिशनल था। वे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खास माने जाते हैं, इसलिए उनके टिकने की उम्मीद थी। माना जा रहा था के वे प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने में मुख्य भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस संगठन की दृष्टि से ज्यादा मजबूत नहीं हुई, लेकिन दो कारणों से भंवर जितेंद्र चर्चा में रहे। प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी के गठन के मामले में वे एक्सपोज भी हुए और मजाक का पात्र भी बने। वे जितनी बार भी प्रदेश के दौरे पर आते, घोषणा कर देते कि अगले हफ्ते-दो हफ्ते में प्रदेश की टीम गठित हो जाएगी, लेकिन यह अगला हफ्ता कभी नहीं आता था। इस संदर्भ में हर बार उनकी घोषणा गलत साबित हुई। कार्यकारिणी गठित होने के बाद जब दायित्व बांटा गया तो प्रदेश कांग्रेस के इतिहास में संभवतः पहली बार संगठन के दो प्रभारी प्रियव्रत सिंह और संजय कामले बना दिए गए। इसकी वजह भंवर जितेंद्र के क्षत्रिय प्रेम को माना जा रहा है। वर्ना सिर्फ संजय कामले ही प्रदेश कांग्रेस संगठन के प्रभारी होते। प्रियव्रत को भंवर के कारण जवाबदारी सौंपी गई।

केंद्रीय नेतृत्व तक भेजी गई शिकायत

प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र के कामकाज को लेकर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व तक शिकायतें भेजी गईं। बताया गया कि प्रदेश के कुछ क्षत्रिय कांग्रेस नेताओं से भंवर जितेंद्र के संबंध हैं। कुछ से रिश्तेदारी भी है। इसकी वजह से वे एक पक्ष का समर्थन करते हैं। संगठन का प्रभार दो-दो पदाधिकारियों को देने की भी शिकायत हुई। यह भी कहा गया कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी संगठन को जमीन तक मजबूत करने की दिन-रात कोशिश कर रहे हैं, लेकिन संगठन की टीम काम नहीं कर रही। इसकी वजह गुटबाजी ही है। भंवर जितेंद्र पर इसे हवा देने का आरोप है। ऐसा नहीं है कि शिकायत सिर्फ भंवर जितेंद्र की हुई। इससे पहले के कई प्रभारियों की शिकायतें पहुंचाई जाती रही हैं।

बड़े नेताओं ने नहीं टिकने दिया प्रभारियों को

कांग्रेस के जिन बड़े नेताओं पर प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने की जवाबदारी है, ये नेता ही प्रदेश प्रभारियों को टिकने नहीं देते थे। पहले मोहन प्रकाश के खिलाफ ये नेता झंडा उठाए रहे, इसके बाद इन बड़े नेताओं ने दीपक बाबरिया को काम नहीं करने दिया। बता दें, प्रदेश में मंडलों और सेक्टर का गठन बाबरिया के प्रयास से हुआ और इनकी मेहनत की बदौलत ही कांग्रेस प्रदेश की सत्ता में आ सकी थी। इसका फल उन्हें यह मिला था कि एक बड़े नेता द्वारा एक बार उन्हें कमरे तक में बंद कर दिया गया था। इसके बाद रणदीप सुरजेवाला, मुकुल वासनिक और जेपी अग्रवाल के पास प्रदेश कांग्रेस का प्रभार ज्यादा समय तक नहीं रहा। या तो बड़े नेताओं की शिकायत के कारण ही इन्हें हटाया गया या इन्होंने खुद प्रभार से मुक्त होने का आग्रह कर लिया। बड़ा सवाल यह है कि जब प्रभारियों के प्रदेश में पैर ही नहीं टिकेंगे तो कांग्रेस मजबूत कैसे होगी?

45 निरीक्षक और कार्यवाहक निरीक्षकों के तबादले

भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने 45 निरीक्षक और कार्यवाहक निरीक्षकों के तबादले किए हैं। सूची में ईओडब्ल्यू सहित पुलिस मुख्यालय की इकाइयों में कार्यरत अमले को इधर-उधर किया गया है। मुकेश तिवारी को ईओडब्ल्यू से पीएचक्यू, अजय कुमार मार्को को भोपाल से अजाक पीएचक्यू, तिलक करोले को पीएचक्यू से इंदौर, अंजलि अग्निहोत्री को अजाक भोपाल से दमोह, पल्लवी पांडे को जीआरपी जबलपुर से भोपाल, रेनू मिश्रा को अजाक पीएचक्यू से मेहर, राजेश डाबर को एसटीएफ भोपाल से अलीराजपुर सहित 45 निरीक्षकों को नवीन पदस्थापना दी गई।

सिंगरौली में सड़क हादसे के बाद हालात सामान्य

मृतकों के परिजनों को आठ-आठ लाख रुपए के साथ नौकरी भी मिलेगी

- कोल ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रक से गई थी दो लोगों की जान
- गुस्साए लोगों ने वाहन जला दिए थे, टीआई घायल हो गए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिंगरौली

सिंगरौली में शुक्रवार शाम हुए सड़क हादसे के बाद शनिवार को स्थिति सामान्य हो गई। दोनों मृतकों का पोस्टमॉर्टम 20 घंटे बाद बैढ़न के ट्रॉमा सेंटर में किया गया।

एडिशनल कलेक्टर पीके सेनगुप्ता ने बताया कि मृतकों के परिवारों को कंपनी की तरफ से प्रति परिवार एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। साथ ही कोल ट्रांसपोर्ट कंपनी की ओर से 4 लाख रुपए और कर्मकार मंडल योजना के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के अनुसार घटनास्थल से जले हुए वाहनों को हटा दिया गया है और यातायात सामान्य कर दिया गया है। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात है। हादसे के लिए जिम्मेदार ट्रक ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उसकी तलाश के लिए टीम बनाई गई है। अडाणी पावर के पीआरओ शैलेंद्र कांत ने बताया कि कंपनी मृतक परिवारों के प्रति संवेदनशील है। जले हुए वाहन आउटसोर्स कंपनियों के थे, इसलिए नुकसान का सटीक आकलन नहीं किया जा सकता है। घटना में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई होगी।

कांग्रेस के 70 में से महज 7 प्रत्याशी ही पार्षद का चुनाव जीत पाए

रायपुर के इतिहास में कांग्रेस का सबसे खराब प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस प्रचार में कमतर दिख रही थी। संगठन स्तर पर भी कांग्रेस के महापौर और पार्षद प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर जूझते नजर आ रहे थे। इसके बावजूद कांग्रेस मुकाबले में दिख रही थी। कम से कम पार्षद स्तर पर कांग्रेस टक्कर देती नजर आई। लेकिन नतीजों ने चौंका दिया। रायपुर के इतिहास में कांग्रेस पार्टी का इस चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन रहा। कांग्रेस पार्टी 70 में से महज 7 प्रत्याशी ही पार्षद का चुनाव जीत पाए, जबकि भारतीय जनता पार्टी से 60 प्रत्याशियों ने डंका बजाकर पार्षद पद का चुनाव जीता। खास बात ये रही कि निवृत्तमान महापौर एजाज ढेबर पार्षद पद का चुनाव भी हार गए। वहीं उनके परिषद के आधा दर्जन एमआईसी सदस्यों को हार का मुंह देखना पड़ा। इनमें वरिष्ठ पार्षद व पूर्व एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन, सतनाम पनाग, कांग्रेस से टिकट न मिलने पर बागी के रूप में आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ने वाले निवृत्तमान एमआईसी सदस्य समीर अख्तर, सहदेव व्यवहार चुनाव हार गए। नगर निगम रायपुर में लगातार 3 बार शहर की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस को इस बार के निगम चुनाव में मुंह की खानी पड़ी। पहली बार ऐसा हुआ जब नगर निगम के 70 वार्ड में से महज 7 वार्ड में ही कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीत पाये, जबकि 60 वार्डों में भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीतकर पार्षद के पद पर काबिज हुये। निर्दलीय के खाते में 3 सीटें आयीं। इनमें से एक निर्दलीय कांग्रेस से बागी हुए पूर्व एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी हैं।

पेज एक का शेष

महाकुंभ यात्रियों ...

बाद के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में साफ दिख रहा है कि सीढ़ियों पर जूते-चप्पल और कपड़े बिखरे हुए थे, जबकि दूसरे वीडियो में दिख रहा कि प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ है, जबकि कुछ यात्री सीढ़ियों और फर्श पर बेहोशी की हालत में पड़े थे। कुछ लोग बेहोश यात्रियों की हवा कर रहे थे, तो कुछ उन्हें सीढ़ियों से उठाकर नीचे की ओर ला रहे थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हादसे से व्यथित हूं। उन्होनें कहा कि मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजन खोए हैं। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने डॉक्टरों एवं अधिकारियों से बात कर बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

भारतीय रेलवे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात करीब 10 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 13 और 14 के पास अप्रत्याशित भीड़ की स्थिति पैदा हो गई। अचानक हुई भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म पर मौजूद कुछ यात्री बेहोश हो गए, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति की अफवाह फैल गई। इससे अफरा-तफरी मच गई। बाद में भीड़ को कम करके स्थिति को नियंत्रित किया गया। उत्तर रेलवे ने अप्रत्याशित अचानक हुई भीड़ को हटाने के लिए तुरंत 4 विशेष ट्रेनें चलाईं। अब भीड़ कम हो गई है। इस बीच, बेहोश और घायल यात्रियों को आरपीएफ और दिल्ली पुलिस द्वारा नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। दुर्भाग्यपूर्ण घटना की रेलवे ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। राहत एवं बचाव के लिए एनडीआरएफ की टीमें भी पहुंची हैं। जबकि दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी घायलों को देखने अस्पताल पहुंची हैं।

एलजी वीके सक्सेना...

लिए तैयार हैं। एलजी ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को घटनास्थल पर रहने और राहत उपायों को नियंत्रित करने का निर्देश दिया है। एलजी स्वयं लगातार आपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डाक्टरों एवं अधिकारियों से बात की है और उचित निर्देश दिए हैं।

हादसे से मन..

जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। अधिकारी उन सभी लोगों की सहायता कर रहे हैं जो इस भगदड़ से प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से घटना के बारे में बात कर पूरी जानकारी ली।

हालात काबू में:...

चुकी है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अचानक बढ़ी भीड़ को निकालने के लिए चार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया है। अब स्टेशन पर भीड़ काफी कम हो गई है। मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को घटनास्थल पर रहकर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। डीडीएमए (दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) को भी त्वरित उपाय लागू करने को कहा गया है ताकि आगे ऐसी स्थिति से बचा जा सके। फिलहाल, रेलवे और पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आगे किसी भी अव्यवस्था को रोकने के लिए ठोस कदम उठा रहा है।

एक अप्रैल से ...

में मैहर, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई और मंदसौर शामिल हैं। जबकि 5 नगर पंचायतों ओंकारेश्वर, महेश्वर, मंडलेश्वर, ओरछा और अमरकंटक तथा 6 ग्राम पंचायतों में सलकनपुर, बरमानकलां, लिंगा, बरमान खुर्द, कुंडलपुर और बांदकपुर शामिल हैं। इन सभी जगहों पर किसी भी तरह के बार एवं वाइन आउटलेट के लाइसेंस नहीं दिए जाएंगे। बंद होने वाली दुकानों को कहीं भी विस्थापित नहीं किया जाएगा। नई पॉलिसी में कई तरह के प्रावधान किए गए हैं। खासतौर पर समस्त मदिरा दुकानें (वाइन शॉप एवं एयरपोर्ट काउंटर को छोड़कर) कंपोजिट शॉप होंगी। पूर्व में जारी दिशा निर्देशों को संशोधनों के साथ यथावत किया गया है।

तो मादक पदार्थो के लाइसेंस के लिए अयोग्य होंगे: आबकारी विभाग ने तय किया है कि ऐसे आवेदक जो सोल प्रोपराइटर, लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप, पार्टनर फर्म, कंपनी अथवा कंसोर्टियम हैं वे मादक पदार्थो के लाइसेंस के लिए अयोग्य होंगे। आबकारी विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए 25 डिग्री अंडरप्रूफ देशी मदिरा मसाला, 50 डिग्री अंडरप्रूफ तेजी की देशी मदिरा प्लेन 60 डिग्री की देशी मदिरा की ड्यूटी 385 रुपए प्रति प्रूफ लीटर होगी। ड्यूटी की गणना के लिए अलग-अलग स्लैब जारी किया गया है। इसमें 12 तरह की श्रेणियां दी गई हैं। सरकार ने यह भी तय किया है कि न्यूनतम एवं अधिकतम विक्रय दरों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। फुटकर बिक्री की दुकानों का लाइसेंस न्यूनतम फुटकर विक्रय मूल्य (एमएसपी) एवं अधिकतम फुटकर विक्रय मूल्य (एमआरपी) अथवा उसके बीच की कोई राशि, विक्रय दर के रूप में उपभोक्ता से वसूल कर सकेगा।

दुकान पर शराब ...

आयुक्त दिशा निर्देश जारी करेंगे। रीवा, सतना व छिंदवाड़ा जिलों को विभाजित कर मऊगंज, मैहर एवं पांदुर्ना नवीन जिले घोषित किए गए हैं। इन जिलों में आने वाली दुकानों का पुनर्गठन किया जाएगा। ऐसे सभी पुनर्गठित समूह का निष्पादन ई-टेंडर के जरिए किया जाएगा। इनका नवीनीकरण नहीं किया जाएगा।

नवीनीकरण के लिए ...

करीब 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक होगा। हालांकि, इसी में से 485 करोड़ रुपए के राजस्व की भरपाई भी की जाएगी। शराब दुकानों के लिए तय किया गया है कि लाइसेंसी की ओर से नवीनीकरण के लिए 25 फीसदी राशि 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी। जबकि 75 फीसदी की प्रतिभूति राशि ई-चालान अथवा ई-बैंक गारंटी के रूप में 15 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाएगी।

मोबाइल बंद करके ...

को मुंबई और असम पुलिस की टीमें रणवीर के वर्सोवा स्थित फ्लैट पर जांच के लिए पहुंची, लेकिन फ्लैट बंद मिला। रणवीर का मोबाइल भी बंद है।

समय रैना के बयान भी दर्ज होने हैं। पुलिस ने उन्हें पेशी के लिए 10 मार्च तक का वक्त दिया है। रैना ने जानकारी दी कि उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल से सारे वीडियो हटा लिए हैं। रैना फिलहाल अमेरिका में है। मुंबई पुलिस इस मामले में अब तक अपूर्वा मखीजा, चंचलानी और इलाहाबादिया के मैनेजर सहित 8 लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। महाराष्ट्र साइबर सेल ने इस संबंध में दर्ज मामले में बयान दर्ज करने के लिए कम से कम 50 लोगों को तलब किया है।

मैं भाग नहीं रहा...

और अभी एजेंसी के लिए उपलब्ध रहूंगा। पेरेंट्स को लेकर मेरी बात इनसेंसीटिव और नामुनासिब थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर बनूं और मुझे सही में खेद है। रणवीर ने आगे लिखा कि मैं लोगों से जान से मारने की धमकियां आते देख रहा हूं, जहां वो कह रहे हैं कि वो मुझे मारना चाहते हैं और मेरे परिवार को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। लोग मरीज बनने का नाटक करके मेरी मां की क्लीनिक में घुस आए थे। मैं डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता कि क्या करना चाहिए।

तब के परिवहन...

ही सारी डीलिंग होती थी। सौरभ शर्मा की कॉल डिटेल निकाली जाए तो कई नेता और अफसर बेनकाब हो जाएंगे। सिंघार ने आरोप लगाया कि दशरथ पटेल और अलीम खान, संजय ढांडे, संजय श्रीवास्तव ने मंत्री के साथ मिलकर घोटाला किया। मंत्री ने 2019 से 2024 के 400 करोड़ की प्रॉपर्टी खरीदी। रिश्तेदारों के नाम पर 200 करोड़ से अधिक की संपत्ति अर्जित की। इतना ही नहीं वर्ष 2023 में 134 करोड़ की संपत्ति को शपथ पत्र में छिपाया। विभाग से एक केंद्रीय मंत्री को हर माह 2 करोड़ रुपये दिया जाता है। इस घोटाले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

मंत्री गोविंद बोले- ...

संपत्ति है, चुनाव के शपथ पत्र और इनकम टैक्स रिटर्न में उसकी जानकारी दी गई है। सौरभ शर्मा मामले में एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। वे दूध का दूध और पानी का पानी कर देंगी। चाहे मुझ पर हो या किसी केंद्रीय मंत्री पर, बिना प्रमाण आरोप लगाना एक गंभीर अपराध है।

न्यू इंडिया को-...

समेत कई मामलों को लकर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। पुलिस के मुताबिक यह घोटाला 2020 से 2025 के बीच हुआ। घोटाला दादर और गोरेगांव ब्रांच से हुआ है।

हितेश प्रवीणचंद मेहता जब दादर और गोरेगांव ब्रांच के जनरल मैनेजर थे, तब दोनों ब्रांचों में खातों में हेरफेर करके 122 करोड़ रुपए का गबन किया गया। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में बैंक के बुक्स ऑफ अकाउंट का विवरण लिया है, जिसका फोरेंसिक ऑडिट कराया जाएगा। जांच के दौरान यह पता चलेगा कि इस घोटाले को अंजाम देने के लिए किन तरीकों का इस्तेमाल किया गया और इसमें कितने लोग शामिल थे। आरबीआई ने 13 फरवरी 2025 से प्रभावी होने वाले इन प्रतिबंधों के तहत बैंक के कामकाज पर रोक लगा दी है। बैंक न तो किसी नए लोन का वितरण कर सकेगा, और न ही मौजूदा लोन का नवीनीकरण कर सकेगा। साथ ही, बैंक को नई जमा राशि स्वीकार करने, निवेश करने, और अपनी देनदारियों का भुगतान करने की अनुमति भी नहीं होगी। बैंक की संपत्तियों को बेचने पर भी रोक लगा दी गई है। ये प्रतिबंध अगले छह महीने तक लागू रहेंगे, और इसके बाद स्थिति का पुनः मूल्यांकन किया जाएगा।

दैनिक वेतनभोगी ...

से तीन प्लॉट और दो मकान के दस्तावेज मिले हैं। बैंक पासबुक और कुछ एफडी भी मिली हैं। उसके मंडला में ही 4 ऑफिस हैं। वह शिवंशी इंडिया निधि लिमिटेड बैंक (माइक्रो फाइनेंस) और ट्रेवल्स कंपनी का संचालन करता है। झरिया की चार गाड़ियां चलती हैं। इनमें एक गाड़ी उसके खुद के और तीन गाड़ियां उसके भाई के नाम से हैं। एक कार दिल्ली में चलती है। ईओडब्लू के 4 डीएसपी, 4 इंस्पेक्टर, 1 एसआई सहित 17 सदस्यीय टीम सुबह करीब 6 बजे शिव झरिया के ठिकानों पर पहुंची थी। प्रशासन के दो राजपत्रित अधिकारी, एक डॉक्टर समेत मेडिकल टीम और जिला पुलिस बल मौजूद रहा। झरिया 37 लाख रुपए के गबन मामले में जमानत पर है।

अवैध प्रवासी भारतीयों ...

अमेरिकी विमान की लैंडिंग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आपत्ति जताई थी। मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम करने के लिए अमृतसर एयरपोर्ट पर अमेरिकी विमान को उतारने की इजाजत दी है। सीएम के इस बयान पर राजनीति गरमा गई है। विपक्षी दल के नेता सीएम की इस बयान पर उन्हें खरी-खरी सुनाने में लगे हैं।

गुजरात में ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे लोगों के साथ अमानवीय व्यवहार का मामला अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष नहीं उठाया?

पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898.
R-07 to 21-02-2025

Hindustan पेन्सिल पेन के माध्यम से घरबैठे पैकिंग नौकरी करके 85000 - 95000 कमाने की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में उपलब्ध. आपको नौकरी चाहिए तो कॉल करे. WhatsApp 6397479854. B-15 to 18-02-2025

कैरियर जॉब कंसलटेन्सी में पर्सनल सेकेटरी, टैली कॉलर, प्लांट सुपरवाइजर रिसेप्शनिस्ट, बिलिग एक्जीक्यूटिव, नर्सिंग, कस्टमर रिलेसन्स, सिक्युरिटी ऑफिसर, कंप्यूटर ऑपरेटर, बिलिग इंचार्ज, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर, सेल्स ट्रेनर, स्टोर इंचार्ज साइड सुपरवाइजर, पी आर टी इंग्लिश हिन्दी एन्ड के जी मदर टीचर संपर्कः- ऑफिस रायपुर घड़ी चौक 7879706968, 7389669576, 9131685985, 6265983246
R-13 to 16-02-2025

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
ब्राह्मण वर्षो से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें.
मो.: 7898132122

मांगलिक वधु चाहिए
32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ ग्रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें।
6232014944

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करे
9131453175

ब्राम्हण वधु चाहिए-ब्राम्हण 40/5'-3" ग्रोत्र- शाण्डिल्य, इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) संपर्क करे- 9826294381, 9329023361 (671)

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 5780

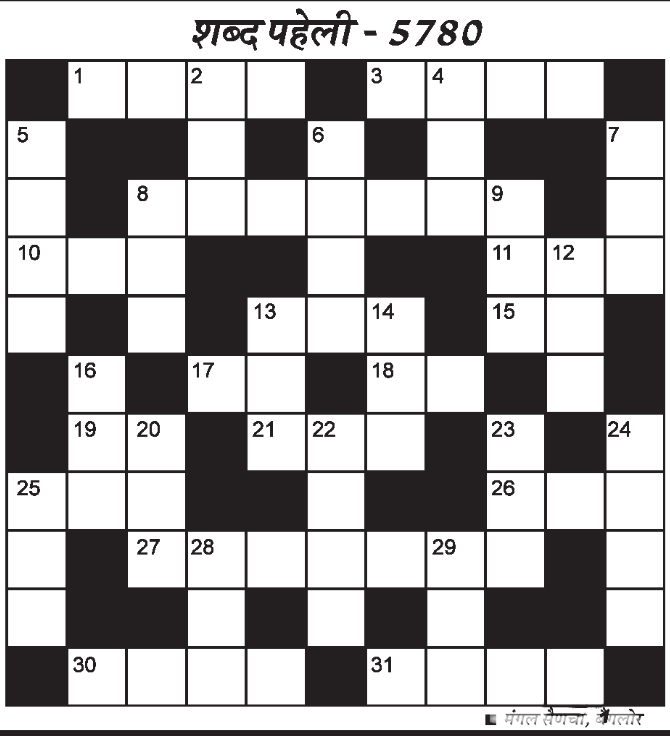

बाएँ से दाएँ
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 5779 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 5790

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान मुनाफे का सौदा

- ▶▶परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
- ▶▶शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
- ▶▶शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
- ▶▶संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से में पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त है जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड

बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

- ■1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
- ■कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
- ■इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी

बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्म टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 27.78%
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर् बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

पैसिव म्यूचुअल फंड का बढ़ा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

- ●लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न
- ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुना मुनाफा
- ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना

बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपए है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश, 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रु. के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपए) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपए रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी

बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपए था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था।

Government of Madhya Pradesh Office of Commissioner Cooperation and Registrar Cooperatives Societies Ground Floor, Vindhyachal Bhavan Bhopal-462004, Madhya Pradesh

Tender Notice -GEM/2024/B/5743022
Date:-.....

This Office invites Bids for Desktop Computers, UPS, Multi Functional Printer(MFP). Selection shall be based on Lowest Financial Proposal. Interested Bidders are requested to view the GeM Portal https://gem.gov.in/ for the Bid information from 17.02.2025 onwards. Last date of Bid Submission is 10.03.2025.

G- 23078/24 स्वच्छता ही सेवा Commissioner Cooperation and RCS

कार्यालय पुलिस दूरसंचार मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भदभदा रोड, भोपाल.-462003

Fax No. 0755-2443674, E-mail: ssp_radio@mppolice.gov.in

क्रमांक- पु.दू.मु./क्रय-पी-48/24/63-002/डी-2554/25 दिनांक 11/02/2025

ई-निविदा सूचना

पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रेडियो) मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा नीचे दर्शित तालिका अनुसार सामग्री के क्रय हेतु ऑन लाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	सामग्री का नाम	संख्या	सुरक्षा निधी (EMD) राशि रू.	निविदा प्रपत्र राशि रू.
1.	Desktop Computer	15	60,000/-	2,000/-
2.	Laptop	14		

1. निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क) किसी भी स्थिति में वापसी योग्य नहीं होगा और न ही इसमें किसी प्रकार की छूट दी जावेगी।
2. सुरक्षा निधि की राशि एवं निविदा शुल्क वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रेडियो) मध्य प्रदेश, भोपाल के नाम से आन लाइन वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आवश्यक रूप से जमा करना होगा।
3. वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in एवं www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
4. आन लाईन निविदा वेब साइट https://www.mptenders.gov.in पर अपलोड करना होगी।
5. ई-निविदा शेड्यूल
(अ) निविदा प्रकाशन एवं डाउनलोड प्रारम्भ तिथि 11/02/2025 के 1800 बजे से
(ब) ऑन लाईन निविदा जमा करने की प्रारम्भ तिथि 13/02/2025 के 1800 बजे से
(स) ऑन लाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 03/03/2025 के 1700 बजे तक
(द) प्री-क्वालिफिकेशन निविदा खोलने की तिथि 04/03/2025 के 1710 बजे

जी - 23048/24 स्वच्छता ही सेवा

उप पुलिस महानिरीक्षक
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रेडियो)
म.प्र. भोपाल

कार्यालय तहसीलदार नजूल वृत्त गोविन्दपुरा भोपाल

प्रकरण क्रमांक 4994/अ-06/24-25

:: आम सूचना ::

आवेदकगण 01. कंछेदीलाल लोधी, 02. श्री नारायण सिंह लोधी ,03. श्री महेन्द्र सिंह लोधी आत्मज स्व. श्री मिट्ठूलाल लोधी, 04 मनीष लोधी आत्मज स्व. श्री राजेन्द्र सिंह लोधी, 05. उमा बाई ,6. रेखा बाई पुत्रीगण स्व. श्री मिटठूलाल लोधी निवासी ग्राम सेमरा कलां स्थित भूमि ख.क्र. 275/83/1 रकबा 0.04 एकड, खसरा क्र. 90/2/1 रकबा 0.125 एवं खसरा 280/266 रकबा 0.2324 हे. जो वर्तमान राजस्व अभिलेख मे स्व. श्री मिटठूलाल लोधी आत्मज श्री 125, 02324 20 मोहनलाल के नाम दर्ज है, स्व. श्री मिट्ठूलाल लोधीः आत्मज श्री मोहनलाल का देहांत दिनांक 09/12/2018 को हो जाने से उनके स्थान पर फौती नामान्तरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतएवं एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस आम सूचना के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस मे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि बीत जाने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

तहसीलदार
नजूल वृत्त गोविन्दपुरा भोपाल

न्यायालय अपर आयुक्त भोपाल संभाग, भोपाल

रा.अ.प्र.क. 165 / ए /2019-20

भोपाल, दिनांक 14/2/2025

श्रीमती उषा देवी पत्नि स्व. श्री संजय श्रीवास्तव, निवासी हाल कायस्थपुरा वार्ड नं. 5 तहसील व जिला विदिशा। ...अपीलार्थीगण

विरूद्ध

1. श्रीमती दीपा पुत्री श्री मुरारीलाल श्रीवास्तव पत्नि विवेक श्रीवास्तव निवासी हीरो होन्डा कम्पनी के सामने दीनदयाल कालोनी बेगमगज तह. बेगमगंज जिला रायसेन। 2. गायत्री पुत्री मुरारीलाल श्रीवास्तव पत्नि अरविन्द श्रीवास्तव निवासी 363 न्यू सुभाष नगर कालोनी भोपाल । 3. श्रीमती रेखा पत्नि स्व. श्री दिनेश श्रीवास्तव, नौकरी क्लर्क नगरपालिका निगम भोपाल। 4. समर्थ श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री दिनेश श्रीवास्तव निवासी जी/3 मकान नं. 496, गुलमोहर कालोनी पानी की टंकी के सामने भोपाल। ...प्रत्यार्थीगण

सूचना पत्र

प्रति,

1. गायत्री पुत्री मुरारीलाल श्रीवास्तव पत्नि अरविन्द श्रीवास्तव निवासी 363 न्यू सुभाष नगर कालोनी भोपाल।

2. समर्थ श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री दिनेश श्रीवास्तव निवासी जी/3 मकान नं. 496, गुलमोहर कालोनी पानी की टंकी के सामने भोपाल।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि श्रीमती उषा देवी पत्नि स्व. श्री संजय श्रीवास्तव निवासी हाल कायस्थपुरा वार्ड नं. 5 तहसील व जिला विदिशा के द्वारा अपील प्रकरण क 66/अपील/18 में पारित आदेश 08/05/2019 के विरूद्ध अपील प्रस्तुत की गई है।

2/- अतः इस न्यायालय में दिनांक 28/3/25 को प्रातः 11.00 बजे आप स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उक्त प्रकरण से संबंधित अभिलेख सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित हो। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध विधिवत एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

3/- यह सूचना आज दिनांक 14/02/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

(ऊषा परमार), अपर आयुक्त
भोपाल संभाग, भोपाल

कार्यालय:: विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, पचमढ़ी (म.प्र.)

क्र. / 110 / साडा/पच/ 2025 पचमढ़ी दिनांक 14/02/2025

संक्षिप्त निविदा सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, पचमढ़ी अपने दो वाटर ए.टी.एम. को चालू कराना चाहता है, जो कि झील एवं सूर्य नमस्कार स्थल पर स्थित है। समस्त सेवा प्रदाताओं को सूचित किया जाता है कि, वाटर ए.टी.एम. स्थल का अवलोकन कर लगने वाली सामग्री एवं लगवाई सहित चालू करके देने की दर बन्द लिफाफों में दिनांक 21/02/2025 के दोपहर 12:00 बजे तक प्रदान करें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण पचमढी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा इन दिनों चर्चा में है। इसके कई कारण हैं। पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले अवैध प्रवासियों को अमेरिका ने जिस तरह हथकड़ियों में जकड़कर भारत भेजा, वह जहां भारत के लिए अपमानित करने वाला था, वहीं भारत में अमेरिका के इस कृत्य की काफी आलोचना हुई। यह माना गया कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता में यूएस को इस बारे में भारत की नाराजगी से अवगत कराएंगे। पीएम मोदी के साथ वार्ता से चंद घंटे पहले अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगाने का ऐलान किया और वार्ता के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता में मोदी के सामने ही ट्रंप ने कहा कि इस टैरिफ से भारत को भी छूट नहीं होगी। ट्रंप व मोदी की कथित दोस्ती के बीच अमेरिका का व्यवहार भारत के अनुकूल यथोचित नहीं कहा जा सकता है। हर देश को अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन का हक है और आयात पर टैरिफ लगाने का अधिकार है, लेकिन सबकुछ नियम व मर्यादा में होना चाहिए। मेहमान के सामने भी सम्मान का पालन होना चाहिए। जवाबी टैरिफ से विश्व में नया ट्रेड वार छिड़ने की संभावना है। शेयर बाजार दहशत में है। अपने व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए भारत पर आयात बढ़ाने का दबाव बढ़ाना भी उचित नहीं है। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

कुटिल ट्रेड-कूटनीति की राह पर ट्रंप

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य प्रतिक्षित कूटनीतिक वार्ता संपन्न हो गई। इस समस्त कूटनीतिक वार्ता का निचोड़ निकालें तो अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप की कुटील कूटनीति स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आ जाती है। कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संधि से अमेरिका को पृथक कर लेने वाली ट्रंप की हुकूमत आखिरकार किस तरह से जॉर्ज वाशिंगटन और अब्राहम लिंकन के ऐतिहासिक तौर पर महान रहे अमेरिका को एक दफा फिर से महान बनाने की परिकल्पना में डुबकियां लगा रही है।

रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई कूटनीतिक वार्ता के तत्पश्चात प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि भारत और अमेरिका के मध्य विद्यमान 45 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को घटाने के लिए अमेरिका द्वारा भारत को एफ-35 फाइटर जेट सहित अधिक तेल, गैस और सैन्य हार्डवेयर विक्रय किए जाएंगे। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका द्वारा भारत को कई अरब डॉलर की रक्षा सामग्री की बिक्री की जाएगी और भारत को एफ-35 फाइटर जेट बेचने के तौर-तरीके अमेरिका तलाश करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका द्वारा जारी संयुक्त बयान में भारत द्वारा एफ-35 फाइटर जेट की खरीदारी के विषय में कहीं कोई भी उल्लेख नहीं है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने फरमाया कि एफ-35 फाइटर जेट बेचने की अमेरिका द्वारा भारत को पेशकश की गई है। भारत के समक्ष रूस में निर्मित एसयू-57 फाइटर जेट को खरीदने का सशक्त विकल्प पहले से ही विद्यमान है, जोकि अमेरिका में निर्मित एफ-35 लड़ाकू विमान के मुकाबले तकरीबन आधी कीमत में भारत के लिए उपलब्ध है। एस-यू 57 फाइटर जेट सैन्य तकनीकी दृष्टि से एफ-35 फाइटर जेट से कहीं अधिक बेहतर करार दिया जाता है। अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 6000 करोड़ रुपए से लेकर 8000 करोड़ रुपए तक है, जबकि रूस के एसयू-57 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 3000 करोड़ से लेकर 4000 करोड़ रुपए तक है।

रूस की पुतिन सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पेशकश यह है कि एसयू-57 फाइटर जेट को भारत में ही निर्मित करने के लिए रूस अपनी वैज्ञानिक तकनीक बाकायदा उपलब्ध कराएगा। जबकि अमेरिकन ट्रंप हुकूमत एफ-35 फाइटर जेट के निर्माण की तकनीक की अनुमति भारत को प्रदान करने के लिए तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार संतुलन अभी तक भारत के पक्ष में रहा है और भारत लगभग दो लाख करोड़ रुपयों की सामग्री का अमेरिका से आयात करता है और तकरीबन 4 लाख करोड़ के सामान का निर्यात करता है। इस तरह तकरीबन 2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार मुनाफा भारत के पक्ष में रहता है।

रिसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा अमेरिका

नरेंद्र मोदी से मुलाकात के एक दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि अमेरिकन प्रशासन प्रत्येक देश पर रिसिप्रोकल टैरिफ आयाद करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकन माल पर आयद अनुचित टैरिफ को घटाने की घोषणा की है, जो कि भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान की पहुंच को कम कर देता है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि भारत जो भी टैरिफ अमरीकी माल पर आयाद करेगा उसी अनुपात में अमेरिका भी उतना टैरिफ भारतीय माल पर भी आयाद कर देगा। वर्ष 2030 तक नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार को दो गुना कर देने की बात भी कही है। अमेरिका में अवैध तौर पर निवास कर रहे अप्रवासी भारतीयों के विषय में मोदी ने कहा कि इस संवेदनशील समस्या पर हम दोनों के खयालात एक समान ही रहे हैं और अमेरिका में अवैध रूप से निवास कर रहे, किसी भारतीय का सत्यापन हो जाता है तो उन्हें भारत वापस में लेने के लिए भारत पूरी तरह से तत्पर है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में बयान दिया था कि भारत सरकार द्वारा अमेरिकी सरकार से बात करके यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अवैध तौर पर अमेरिका में रह रहे भारतवासियों के साथ वापस भेजते समय कोई दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा, जिस तरह का दुर्व्यवहार हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर अप्रवासी भारतवासियों के साथ किया जा चुका है।

अमानवीय व्यवहार पर आश्वासन नहीं

अमेरिका के अमानवीय व्यवहार पर मोदी सरकार की विपक्ष द्वारा कटु आलोचना की गई थी और भारत के आम नागरिकों में भी अमेरिका के विरुद्ध बहुत गुस्सा प्रकट हुआ था। दुर्भाग्य से भारच-अमेरीकी कूटनीतिक वार्ता में इस तरह का कोई भी आश्वासन प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा नरेंद्र मोदी को नहीं दिया गया। भारतीयों के लिए एच-वन बी वीजा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई स्पष्ट उल्लेख अमेरिका-भारत के साझा बयान में नहीं किया गया है। भारत में सन् 2008 में मुंबई पर अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण के साजिशकर्ता दहशतगर्द तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पित किए जाने की अनुमति देने के लिए मोदी ने ट्रंप को धन्यवाद अदा किया है।

नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात पहली बार अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में वर्ष 2017 में हुई थी। इसके बाद दोनों राजनेताओं के मध्य एक बेहतरीन व्यक्तिगत दोस्ती विकसित हुई। अमेरिका के हुयूस्टन नगर में हाउडी मोदी और भारत के अहमदाबाद नगर में नमस्ते ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान यह दोस्ती और अधिक डंका बजा गई।

टैरिफ कटौती में भारत को रियायत नहीं

व्हाइट हाउस में विगत मुलाकात के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि आई मिस यू मिस्टर मोदी एट ऑल। सर्वविदित है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राजनेताओं की व्यक्तिगत दोस्ती से कहीं ऊपर उठकर देशों के राष्ट्रीय हित कारगर तौर पर शक्तिशाली होते हैं। भारत के लिए टैरिफ कटौती के प्रश्न पर प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा भारत को कदाचित कोई रियायत प्रदान नहीं की गई है। वर्ष 2021 तक भारत वस्तुतः अमेरिकन तेल के लिए एक बड़ा बाजार था। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में भारत ने बड़े पैमाने पर रूस से बाजार की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करना प्रारंभ किया। प्रेसिडेंट ट्रंप के तमाम कूटनीतिक दबाव के बावजूद भारत भविष्य में तय करेगा कि उसको अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदना है, यह तो तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होगा। ईरान के साथ भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक तौर पर प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण भारत कर रहा है। चाबहार बंदरगाह वस्तुतः ईरान और अफगानिस्तान के माध्यम से मध्य एशिया के साथ भारत की त्वरित कनेक्टिविटी कायम करने के लिए भारत की सामरिक रणनीति का हिस्सा है। प्रेसिडेंट ट्रंप की कूटनीति में ईरान जबरदस्त निशाने पर रहा है। क्या भारत फिर से अमेरिका कूटनीति के कुटिल दबाव में ईरान से तेल का आयात करना बंद कर देगा और चाबहार बंदरगाह का निर्माण कार्य रोक देगा, कदाचित नहीं।

भारत अपने राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कदापि नहीं कर सकेगा? भारत ने अमेरिका के जबरदस्त कूटनीतिक बावजूद रूस से तेल आयात करना कदाचित बंद नहीं किया, बल्कि आयातित तेल की मात्रा और अधिक बढ़ा दी गई है। क्वॉड के रणनीतिक मोर्चे पर भारत और अमेरिका सामरिक तौर पर साझेदार बने रहे हैं। क्वॉड मोर्चा वस्तुतः चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध ही निर्मित हुआ था, और इसमें ऑस्ट्रेलिया और जापान दूसरे दो प्रमुख देश भी शामिल रहे हैं। इस वर्ष क्वॉड का वार्षिक सम्मेलन भारत में आयोजित होना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेसिडेंट ट्रंप को शिरकत करने का निमंत्रण दिया जा सकता है। चीन के विस्तारवाद पर और लद्दाख में उत्पन्न हुए सैन्य तनाव के बाद भारत और चीन के संबंधों के विषय में प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि लद्दाख में रक्त रंजित सैन्य झड़प बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और भयानक थी और भारत- चीन सरहद पर घटित हुई सैन्य झड़प आगे फिर ना हो, मैं इसमें क्या मदद कर सकता हूं? उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भारत, रूस और अमेरिका एक साथ आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और चीन के मध्य शिथिल हुई ट्रेड वार डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसीडेंशियल दौर में एक बार फिर से तीव्र गति से परवान चढ़ सकती है। क्योंकि अमेरिका और चीन के मध्य व्यापार संतुलन में चीन का पलड़ा बहुत अत्यधिक भारी रहा है और अमेरिका-चीन व्यापार में अमेरिका का व्यापार घाटा तकरीबन 295 बिलियन डॉलर का है।

भारत से दोस्ती कायम रखने की ट्रंप से उम्मीद

भारत, मध्य पूर्व और यूरोपियन इकोनॉमिक कॉरिडोर पर प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि दुनिया में ऐतिहासिक रूप है। यह महान व्यापारिक मार्ग में से एक सिद्ध होगा, जिसके निर्माण में अमेरिका और भारत एक साथ काम करने के लिए सहमत हुए हैं। वस्तुतः चीन के विस्तार बात के विरुद्ध और ताइवान के हिफाजत करने के लिए भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के लिए एक विवशता है। अन्यथा सन् 1947 के बाद से ही जब से भारत आजाद हुआ और पाकिस्तान का निर्माण हुआ, अमेरिका सदैव पाकिस्तान का प्रबल पक्षधर बना रहा और पाकिस्तान को अपने नेतृत्व में सैन्य संधि सेंटो में भी शामिल किया था। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की सैनिक सरकार को आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए गए। प्रेसिडेंट ट्रंप ने अपने प्रथम कार्यकाल में पाकिस्तान के वास्तविक चरित्र को किसी हद तक पहचाना था और अमेरिका ने पाकिस्तान से दूरियां बनाकर उसकी सैन्य सहायता को रोका था। न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए 9/11 के आतंकवादी आक्रमण के बाद भारत और अमेरिका निकट आए और वैश्विक जेहादी आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट हुए। अमेरिका के राष्ट्रीय हित ही सही, उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रति अपनी दोस्ती को कायम बनाए रखेंगे।

चुनौतियों में कारोबार की नई संभावनाएं

द्विपक्षीय वार्ता
डॉ.जयंतीलाल भंडारी
वरिष्ठ अर्थशास्त्री

हाल ही में 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निष्पक्ष, मुक्त, पारस्परिक व्यापार के लिए एक योजना के तहत आगे बढ़े हैं और यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अमेरिका अब भारत की ओर से बहुत ज्यादा टैरिफ वसूले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक समान टैरिफ से व्यापार असंतुलन की चिंताओं को कम करेगा। ट्रंप ने सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ यानी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाता है, उस पर अमेरिका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा। गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्ता में भारत और अमेरिका दोनों देशों ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है।

500 अरब डालर का लक्ष्य तय

दोनों देशों ने अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमेरिकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के दौरान भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच हुई अत्यधिक उत्साहजनक और सकारात्मक द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद कारोबार के नए ऐतिहासिक अध्यायों की डगर आगे बढ़ने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। चूँकि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की बात लगातार कहते आए हैं। अब उनके द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति से भारत के भी अधिक टैरिफ वसूली की सीमा में आने की आशंका है। भारत ने पहले से ही इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। यही कारण है कि भारत ने देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया।

भारत ने आयात शुल्क घटाए

एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड

इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही अब द्विपक्षीय वार्ता के आधारों पर दोनों देश एक-दूसरे के लिए उपयुक्त टैरिफ की डगर पर आगे बढ़ेंगे। निःसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमेरिका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए अमेरिका की आत्मनिर्भरता की डगर पर बढ़ना शुरू कर दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जहां एक फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है।

ट्रेड वार में भारत के लिए अवसर

यह ट्रेड वार भारत के लिए नए अवसर खोल सकता है। ऐसी अनुकूलता के बावजूद भी भारत के सामने नई द्विपक्षीय वार्ता से निर्मित चुनौतियों से निपटने की चिंताएं हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि व्हाइट हाउस की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ पर जारी एक फैक्ट्स शीट में कहा गया है कि अमेरिका जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर औसतन 5 फ़ीसदी टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाता है।

बराबर टैरिफ चाहते हैं ट्रंप

ट्रंप दोनों तरफ से बराबर टैरिफ चाहते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप प्रोडक्ट के ऊपर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, तो भारत पर अधिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अमेरिका जो प्रोडक्ट भारत निर्यात करता है, वो कई प्रोडक्ट भारत अमेरिका को नहीं भेजता है। लेकिन अगर अमेरिका सेक्टर के तहत टैरिफ लगाता है, तो हो सकता है कि भारत को कुछ उत्पादों के निर्यात में मुश्किल का सामना करना पड़े। ऐसे में अमेरिका के रेसिप्रोकल टैक्स से काफी असर पड़ सकता है। बहुत सारे उत्पाद जैसे टेक्सटाइल और कृषि उत्पादों में भारत का आयात शुल्क ज़्यादा है, अगर अमेरिका भी वैसे आयात शुल्क उन्हीं सेक्टर के अलग-अलग प्रोडक्ट में लगाने लगे, तो भारत के लिए काफी मुश्किल हो जाएगी। रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत का निर्यात प्रभावित होगा।

टैरिफ के अलावा अमेरिका ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा है कि भारत को अमेरिका से ज्यादा तेल मंगाना होगा। ऐसे में इस समय सबसे अधिक तेल कम मूल्यों पर रूस से स्थानीय मुद्रा रूबल के भुगतान से प्राप्त हो रहा है, वह अधिक मात्रा में अमेरिका से लेने पर डॉलर में भुगतान करना होगा। चूंकि इस समय डॉलर की तुलना में रुपए का मूल्य अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

आर्थिक रिश्तों का नया दौर

भारत अगर अमेरिका से तेल आयात करता है तो तेल के लिए डॉलर में अधिक भुगतान रुपये का विनिमय मूल्य और कम करते हुए दिखाई देगा। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच 14 फरवरी को हुई द्विपक्षीय वार्ता से जो नई आर्थिक इबारत लिखी गई है, उससे भारत-अमेरिका के आर्थिक रिश्तों का नया दौर आगे बढ़ेगा। हम उम्मीद करें कि भारत का उद्योग-कारोबार गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और लागत में कमी करते हुए ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ का मुकाबला करने में सफल होगा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देश अपने आपसी कारोबार को दोगुना से भी अधिक करते हुए निर्धारित किए गए 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार की डगर पर पहुंचाने में सफल होंगे।

यूएस टैरिफ वार की दहशत में बाजार

अर्थव्यवस्था
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका ने अब नया युद्ध छेड़ा है। अमेरिका को ग्रेट बनाने के लिए। टैरिफ वार। इसके लिए किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। मित्र राष्ट्र को भी नहीं। यानी भारत को भी नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता से कुछ ही घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा शुल्क) के प्रस्ताव पर मुहर लगाई और मोदी के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस संबोधन में भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ आयद संबंधी सवाल पूछने पर ट्रंप ने छूटते ही कहा कि भारत भी मुक्त नहीं है। अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ नियमों से वैश्विक स्तर पर ट्रेड वार के तेज होने की संभावना है। इससे जहां दुनिया के स्टॉक मार्केट वोलेटाइल हालत में है, वहीं भारत समेत अनेक देश के निर्यात प्रभावित होंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका का रेसिप्रोकल टैरिफ का फैसला चीन व कनाडा को अधिक प्रभावित करेगा, लेकिन हकीकत में विश्व के अनेक देशों पर असर पड़ेगा। अमेरिका में गत 20 जनवरी को सत्ता संभालने के दिन से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई किंतु-परंतु का दौर शुरू है। सबसे अधिक शेयर बाजार प्रभावित हो रहे हैं। बाजार उठापटक तेज है, शेयरों का गिरना जारी है। अच्छी कंपनियों के शेयर भी चपेट में हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट भी डर डर कर सरक रहा है।

शेयर बाजार में अनिश्चितता

अब रेसिप्रोकल टैरिफ के फैसले के बाद शेयर बाजारों के और अधिक दहशत में रहने की संभावना बढ़ गई है। यह दौर कब कैसे थमेगा, कहना मुश्किल है। अप्रैल से लागू होने वाले ट्रंप के रेसीप्रोकल टैरिफ का असर भारत, जापान व यूरोपीय यूनियन सहित कई देशों पर पड़ेगा। यूएस निर्यात पर भारत का हाई टैरिफ रेट औसतन 9.5 फीसदी है, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों पर केवल 3 फीसदी टैरिफ लगाता है। ऐसे में रेसीप्रोकल टैरिफ के चलते भारतीय निर्यातकों को अधिक शुल्क देना होगा। भारत के फूड प्रोडक्ट, सब्जियां, टेक्सटाइल और क्लॉथिंग सेक्टर के सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इलेक्ट्रिकल मशीनरी, रत्न और आभूषण, फार्मा प्रोडक्ट, ऑटो, केमिकल, वाहन, ईंधन, लोहा और स्टील जैसे उत्पाद भारत अमेरिका को निर्यात करता है। भारत और अमेरिका के ट्रेड रिलेशन्स काफी कॉम्प्लेक्स हैं। जवाबी टैरिफ के ऐलान के बाद कॉम्प्लीकेटेड होने के आसार बढ़ गए हैं। अभी भारत करीब 30 उत्पादों पर टैरिफ कम करने के बारे में सोच रहा है, साथ ही व्यापार संबंधी तनावों को कम करने के लिए अमेरिका से डिफेंस और एनर्जी उत्पादों का आयात बढ़ाएगा।

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक है। अमेरिकी आयात में भारत का योगदान 18 फीसदी है। 2021-24 में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अप्रैल-नवंबर 2024-25 में अमेरिका 82.52 अरब अमेरिकी डॉलर के आपसी व्यापार (52.89 अरब अमरीकी डॉलर का निर्यात, 29.63 अरब अमेरिकी डॉलर का

आयात और 23.26 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष) के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अभी करीब 38 अरब डॉलर व्यापार घाटा भारत के पक्ष में है। ट्रंप की जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा से भारत और अमेरिका के बीच अनिश्चित व्यापार माहौल उत्पन्न हो गया है। इसके बाद दोनों मुल्क व्यापार समझौतों को बढ़ावा देंगे।आपसी व्यापार समझौते की योजना से दोतरफा वाणिज्य को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के बाद ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत व्यापार घाटे को कम करने के लिए अमेरिका से अधिक तेल, गैस तथा सैन्य उपकरण खरीदेगा, हालांकि इस पर भारत अभी चुप है। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जवाबी शुल्क विशिष्ट उत्पादों या समूचे क्षेत्रों पर लागू होगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) के मुताबिक, भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा तथा लक्षित कूटनीति के जरिये अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के बीच संतुलन बनाना होगा। एक सीमित तरजीही व्यापार समझौता पूर्ण पैमाने पर एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) की आवश्यकता के बिना शुल्क संबंधी चिंताओं को और कम कर सकता है। जवाबी शुल्क वास्तव में डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के नियम के विरुद्ध हैं। जवाबी शुल्क एक अत्यधिक समस्याग्रस्त मुद्दा है, क्योंकि ऐसे कई कारक हैं जिन्हें अमेरिका अपने सीमा शुल्कों पर निर्णय लेते समय ध्यान में रखेगा। सीमा शुल्क उनमें से एक कारक है। जवाबी शुल्क लगाने से ट्रंप प्रशासन भारत को कृषि जैसे क्षेत्रों पर शुल्क कम करने के लिए मजबूर कर सकता है, अन्यथा अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगा देगा। वैसे जीटीआरआई का मानना है कि अमेरिका के रेसीप्रोकल टैरिफ से भारत को अधिक नुकसान नहीं होगा। इसके पीछे तर्क है कि दोनों देशों के निर्यात पॉकेट में काफी अन्तर है। जो सामान भारत निर्यात करता है, वही सामान भारत अमेरिका से आयात नहीं करता है। तो अमेरिकी टैरिफ का फर्क नहीं पड़ेगा। भारत को होने वाले अमेरिकी निर्यात के 75 प्रतिशत मूल्य पर औसत शुल्क पांच प्रतिशत से कम है। इसके विपरीत, भारत को कपड़ा, परिधान तथा जूते जैसी कई श्रम-प्रधान वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जो कई उत्पादों पर 15-35 प्रतिशत के बीच है। अमेरिका पहले ही इस्पात तथा एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा कर चुका है जो उसकी जवाबी शुल्क की कार्रवाई से परे है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार की भाषा में माल के आयात पर इंपोर्ट ड्यूटी, सीमा शुल्क या कर लगाए जाते हैं। ट्रंप के इस आरोप में कोई दम नहीं है कि भारत बहुत अधिक शुल्क लगाता है या शुल्क का फायदा उठाता है। क्योंकि अमेरिका खुद अपने घरेलू बाजारों की सुरक्षा के लिए डेयरी, फलों और सब्जियों सहित कई वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगाता है।

शुल्क कार्यक्रम पेश होने चाहिए

भारत की औसत शुल्क दर 17 प्रतिशत है, जो अमेरिका की औसत दर 3.3 प्रतिशत से अधिक है। लेकिन विश्व व्यापार नियम के विरुद्ध नहीं है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के अनुसार सदस्य देशों को अपने शुल्क कार्यक्रम पेश करने की जरूरत है, जिसमें सभी उत्पादों के लिए बाध्य शुल्क दरें शामिल हैं। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के शुल्क डब्ल्यूटीओ मानदंडों के अनुरूप है, जबकि अमेरिका के शुल्क इनका उल्लंघन है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि वैश्विक बाजार यूएस टैरिफ वार की दहशत से बाहर निकलेगा, ट्रेड नियम व्यवस्थित होंगे और अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी।

खबर संक्षेप

श्रीराम के आदर्शों का किया विस्तार से वर्णन

औबेदुल्लागंज। महिला भजन मंडल द्वारा आयोजित श्री राम कथा के चौथे दिन कथा व्यास पं. सद्‌भव तिवारी (मानस सुमन) ने श्री राम का वर्णन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कथा का आनंद लिया और भगवान राम के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को सुना। पं. सद्‌भव तिवारी ने भगवान राम के जीवन के मूल्यों और आदर्शों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कथा वाचक सदभव तिवारी ने कहा कि श्रीराम कथा एवं श्री राम का नाम श्रवण करने से सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

मंत्रालय में लगे नेत्र रोग शिविर का समापन

संतनगर। अपर मुख्य सचिव (गृह) जेएन कन्सोटिया ने वल्लभ भवन में आयोजित चार दिवसीय दृष्टि दोष, नेत्र और दन्त रोग शिविर का समापन किया। शिविर में कुल 1,032 कर्मचारियों ने आंखों और दांतों की जांच करवाई। इनमें 747 कर्मचारियों को दृष्टिदोष तथा 47 को मोतियाबिंद और नाखूना जैसी बीमारियों के लक्षण पाए गए। अस्पताल द्वारा 491 नेत्र रोगियों को ड्राप्स व 280 चश्में दिए, 86 को सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय जाकर अपने नेत्र रोगों का इलाज करवाने की सलाह दी गई।

नए मंडल अध्यक्ष ने बनाई संगठन के कार्यक्रमों से दूरी

औबेदुल्लागंज। संगठन के चुनाव के बाद नए मंडल अध्यक्ष संगठन के कार्यक्रमों से दूरी बना रखी है, जो पार्षद कुछ दिन पहले पुराने मंडल अध्यक्ष के साथ घूमते थे, वही अब नए मंडल अध्यक्ष के निवास पर जाकर चर्चा कर रहे हैं। मंत्री पुराने मंडल अध्यक्ष की नीति खराब हो गई है। अर्जुन नगर के पार्षद प्रतिनिधि नए मंडल अध्यक्ष के साथ नजर आ रहे हैं। बाकी आठ पार्षदों में भी नई एनर्जी मिली है।

गृहभेदन-चोरी के आरोपी तोलानी जमानत पर रिहा

भोपाल। न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी आशीष मिश्रा ने चोरी एवं गृहभेदन के आरोपी गोविंद तोलानी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3) एवं 305 के आरोप से जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुष्पा मिश्रा द्वारा यह रिपोर्ट की गई थी कि वह भावना तोलानी की किराएदार हैं एवं हमारा मकान खाली करने पर विवाद चल रहा है एवं 17 अगस्त 2024 को भावना तोलानी द्वारा मेरे घर का पूरा सामान उठा लिया है एवं दूसरे ताले डाल दिए थे। जिस पर गांधी नगर थाना द्वारा प्रकरण दर्ज किया गया था एवं आरोपी गोविंद तोलानी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने आरोपी गोविंद तोलानी को 20,000 रुपए की जमानत पर रिहा करने के आदेश पारित किए।

फर्जी चेक देने वाली महिला की जमानत खारिज

भोपाल। पति के खाते के चेक पर अपने हस्ताक्षर कर फरियादी को देने की आरोपी प्रीति शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका को अपर सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह ने सुनवाई के बाद गंभीर प्रवृत्ति का अपराध होने से निरस्त कर दिया। आरोपी महिला ने फरियादी सीताराम दुबे से 25 मार्च 2015 को 7.50 लाख रु.उधार लिए थे। महिला भुगतान हेतु अपने पति के बैंक खाते के चेक पर अपने हस्ताक्षर कर उसने फरियादी को दिया था।

शुभांक

कल्याण:	3861		
दिन:	138	29	225
रात:	667	96	178
तारा:			
दिन:	259	67	449
रात:	789	44	356

व्यापारी की पत्नी से सोने और डायमंड के जेवर लूटने वाले दो लुटेरों को दबोचा, सरगना ललितपुर से, दूसरा भोपाल से गिरफ्तार

लूट के बाद खाटू श्याम और अयोध्या तीर्थ स्थलों पर गए थे आरोपी, 8 लाख का माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- पत्नी और साली के साथ बेटे की शादी की खरीदारी करने गए थे न्यू मार्केट
- बाइक सवार दो बदमाश पत्नी तनवानी के हाथ से उनका बैग झपट कर भाग निकले थे

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित मालवीय नगर में एक महीने पहले व्यापारी की पत्नी से हुई लूट का एसआईटी ने खुलासा करते हुए आठ लाख का माल बरामद किया है। वारदात को अंजाम देने के बाद लुटेरे खाटू श्याम जयपुर व अयोध्या यूपी स्थित तीर्थ स्थलों के दर्शन करने चले गए थे।

एसआईटी ने मुख्य आरोपी को ललितपुर यूपी से तो उसके साथी को भोपाल से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रिज रोड ईदगाह हिल्स निवासी कैलाश तनवानी (64) की कृष्णा कांप्लेक्स में मधुर इलेक्ट्रॉनिक्स नाम से दुकान है। 15 जनवरी को वह पत्नी संगीता तनवानी और साली सुजाता के साथ बेटे की शादी की खरीदारी करने न्यू मार्केट गए थे। ड्राइवर सुनील ने कार मालवीय नगर स्थित पार्किंग में खड़ी कर दी। परिवार पुराने जेवरात ठीक कराने के लिए मालवीय नगर की ओर अपनी कार की तरफ जा रहे थे। परिवार नाहर अस्पताल से होते हुए पार्किंग में खड़ी गाड़ी की ओर जा रहा था, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने संगीता तनवानी के हाथ से उनका बैग झपट लिया। बैग में सोने व डायमंड के जेवरात व करीब 20 हजार रुपए नगदी समेत 8 लाख रुपए का सामान रखा था। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वे फरार होने में कामयाब हो गए। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश की। तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण पुलिस को सफलता हाथ नहीं लगी।

एसआईटी ने पांच दिन में किया खुलासा

पुलिस आयुक्त जोन टू ने लूट के खुलासे के लिए 9 फरवरी को एसआईटी गठित की। एसआईटी टीम में आनंद नगर चौकी प्रभारी एसआई संतोष रघुवंशी, एएसआई सचिन बेडरे, प्रधान आरक्षक अमित व्यास, ब्रजेश सिंह, आरक्षक मनोज जाट, आशीष गौर, दिव्यांशु, आकाश और दीपक शामिल थे। एसआईटी ने महज पांच दिन में लूट का पदार्फाश करते हुए आरोपियों दिनेश नरवरिया (26) व संदीप दांगी (26) दोनों निवासी दामखेड़ा, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी दिनेश के कब्जे से करीब साढ़े चार लाख रुपए व संदीप के पास से करीब साढ़े तीन लाख का माल बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि महंगे शौक व नशे की लत पूरी करने के लिए आरोपियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

बारात नहीं लाने वाले ससुराल पक्ष पर मामला दर्ज

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने बारात नहीं लेकर पहुंचने वाले दूल्हे और उसके परिवार पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि लालघाटी स्थित मैरिज गार्डन में शुक्रवार को शादी समारोह का आयोजन किया गया था। वधू पक्ष मैरिज गार्डन में पहुंच गया था। वधू पक्ष बारात आने का इंतजार कर रही थी। इस दौरान पता चला कि बारात नहीं आएंगी। दूल्हे के परिजन ने बताया था कि दूल्हे को बुखार आ गया है और वह राजगढ़ स्थित अस्पताल में भर्ती है। इसके विपरित वधू पक्ष ने आरोप लगाए थे कि दूल्हा दहेज में थार की मांग कर रहा था। थार गाड़ी नहीं देने के कारण उसने और उसके परिवार ने बारात लेकर आने से मना कर दिया। शुक्रवार दे रात तक वधू पक्ष वर सहित परिजन को मनाने में लगा रहा, लेकिन बारात नहीं आई।

आत्महत्या या हादसा...जांच में जुटी पुलिस, नहीं मिला सुसाइड नोट

रेडियो कॉलोनी में हेड कांस्टेबल की बेटी की 5 मंजिला शासकीय आवास से गिरकर मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित रेडियो कॉलोनी में हेड कांस्टेबल की बेटी की पांचवी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही है। उसने आत्महत्या की या फिर वह हादसे का शिकार हुई पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही परिजन भी शोकाकुल होने के कारण बयान दर्ज नहीं करा सके हैं। पुलिस के अनुसार संध्या शाक्य पिता राजेश शाक्य (20) रेडियो कॉलोनी भदभदा में रहती थी।

पांच मंजिला शासकीय क्वार्टर में उनका फर्स्ट फ्लोर पर मकान था। राजेश शाक्य ने पुलिस को बताया कि वह एमटीपूल शाखा जहांगीराबाद में पदस्थ हैं। उनका एक बेटा है। बेटा नीलबढ़ गया था, जबकि शाम एक कार्यक्रम अटैंड करने वह नेहरू नगर गए थे। घर पर उनकी बेटी संध्या अकेली थी। सात बजे के आसपास उन्हें मोबाइल पर जानकारी मिली की संध्या छत से गिर गई है। वे पत्नी के साथ घर पहुंचे और बेटी को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बीकॉम फाइनल में पढ़ रही थी संध्या

शनिवार को पुलिस ने संध्या का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि संध्या बीकॉम फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस ने संध्या के कमरे और घर की तलाशी ली, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है।

टीबी के साथ एचआईवी का पता चलते ही युवक ने लगाई फांसी

इधर, कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित खानूगांव में शुक्रवार शाम एक युवक ने फांसी लगा ली। परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक के भाई ने बताया कि करीब चार साल से भाई बीमार था और उसने अपनी जांच कराई थी। जांच में पता चला कि उसे टीबी और एचआईवी (एड्स) है। अनुमान है कि रिपोर्ट देखने के बाद दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार 48 साल के वजीर खान (परिवर्तित नाम) खानूगांव में रहते थे। उनका पत्नी से बीस साल पूर्व तलाक हो चुका था। वह भाई और परिवार के साथ रहते थे। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे वजीर ने अपने घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे फंदे से उताकर हमीदिया ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

टीचर ने की थी अश्लील हरकत, छात्रा ने जहर खाकर दी जान, प्रयागराज से आरोपी गिरफ्तार

प्रकरण दर्ज होने से पूर्व बिहार भाग गया था आरोपी टीचर

भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र में 25-26 जनवरी की रात एक छात्रा ने जहर खा लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मर्ग जांच में यह बात सामने आई कि स्कूल में छात्रा से टीचर ने अश्लील हरकत की थी। इसी हरकत से दुखी होकर छात्रा ने घर में रखा चूहामार खा लिया था। पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ आत्महत्या छेड़छाड़ और आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश की, लेकिन आरोपी बिहार चला गया था। पुलिस की टीम ने उसे प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रयागराज में साधू के भेष में घूमकर फरारी काट रहा था। थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 11वीं की छात्रा कान्वेंट स्कूल में कक्षा 11वीं में पढ़ती थी। गत 25-26 जनवरी की रात उसने घर में रखा चूहामार खा लिया। उल्टियां करने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मरने से पूर्व उसने पिता को बताया था कि स्कूल में पढ़ाने वाले टीचर नीतेश कुमार दुबे ने स्कूल में उसके साथ गंदी हरकत की थी।

तीन दिन बाद दर्ज की गई एफआईआर

पुलिस ने स्कूल में अन्य टीचर और छात्राओं से पूछताछ की तो पता चला कि 25 जनवरी को स्कूल में आरोपी टीचर नीतेश ने छात्रा से अश्लील हरकत की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस की टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए भेजी गई, लेकिन वह फरार हो चुका था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम बिहार भेजी गई। बिहार में पुलिस ने आरोपी की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। जानकारी जुटाने पर पता चला कि वह प्रयागराज में है। पुलिस ने आरोपी नीतेश कुमार दुबे को प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया।

दो दिनों से था लापता, दर्ज कराई थी गुमशुदगी

वनकर्मी की अहमदपुर नर्सरी में फंदे पर लटकी मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित अहमदपुर नर्सरी में शनिवार दोपहर वनकर्मी की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई।

लाश वाच टावर पर बनी झोपड़ी में थी। वनकर्मी दो दिनों से लापता था। परिजन ने उनकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार जनता नगर करोंद निवासी 58 वर्षीय विष्णुप्रसाद पाराशर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में ड्राइवर थे। गुरुवार को घर से बिना बताए वह निकले। रात 9 बजे आखिरी बार उनकी पत्नी से बातचीत हुई थी। पत्नी से बातचीत के बाद मोबाइल स्वीच ऑफ हो गया। शुक्रवार सुबह तक जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिजन ने बागसेवनिया थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। पुलिस ने शनिवार को नर्सरी में सर्चिंग की। तलाशी में वाच टॉवर पर बनी झोपड़ी में उनकी लाश फंदे पर लटकी नजर आई। अनुमान है कि उन्होंने गुरुवार रात ही आत्महत्या की है। उनकी लाश डिकंपोज होने लगी थी। परिजन ने विष्णुप्रसाद की हत्या कर लाश फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस इसे सुसाइड मानकर चल रही है।

तेज रफ्तार कार किलोल पार्क के पास डिवाइडर से टकराकर पलटी

भोपाल। श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र स्थित किलोल पार्क के पास शुक्रवार देर रात एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे के समय कार ओवर स्पीड में थी। डिवाइडर से टकराने के कारण उसका फ्रंट व्हील कार से निकलकर अलग हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के समय कार सवार युवक और एक थार जीप के बीच रेसिंग हो रही थी। रेसिंग के बीच कार डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। कार और थार जीप जब्त कर ली है। उनके मालिकों का पता लगाया जा रहा है। शनिवार रात तक कोई भी शिकायत दर्ज कराने नहीं पहुंचा था। इसके अलावा अस्पताल से किसी मरीज के घायल होने की सूचना भी नहीं मिली थी।

छात्राओं ने सीखा डूडल, वरली और मंडाला आर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वुमेन की छात्राओं प्राची अग्रवाल, प्रेरणा कथाने, अंशिका श्रीवास्तव और आन्यासोनी ने हाल ही में भोपाल के गैर-सरकारी संगठन 'एकजुट सोसाइटी' के बैनर तले स्कूली बच्चों के लिए एक आर्ट वर्कशॉप का आयोजन किया। पांच दिवसीय वर्कशॉप में प्राइमरी स्कूल के बच्चों को डूडल आर्ट, वरली आर्ट और मंडाला आर्ट सिखाया गया था। इस वर्कशॉप का उद्देश्य स्कूली बच्चों में क्रिएटिविटी को विकसित करने और कम्युनिटी के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करना था। इस वर्कशॉप के माध्यम से मैनेजमेंट की छात्राओं ने टीम वर्क कौशल को दिखाया। वर्कशॉप के अंतिम दिन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

वर-वधू को आशीर्वाद देने पहुंचे पटवा

औबेदुल्लागंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के साथी दशरथ सिंह गुर्जर के भतीजे अरुण के विवाह समारोह में पहुंच कर विधायक सुरेंद्र पटवा ने वर वधू को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर कन्हैया नंदवंशी, मंडल अध्यक्ष डॉक्टर भूपेंद्र नागर, राजेंद्र अग्रवाल आदि साथ थे। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा का शॉल श्रीफल देकर सम्मान दशरथ गुर्जर ने किया।

पंचायत ने चला रखा है शराब विरोधी अभियान

खुद शराब ठेकेदार... पर शादी में कॉकटेल नहीं मॉकटेल पार्टी की तो पंचायत ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा शनिवार को मदिरा व्यवसायी किशन चंद आसूदानी उर्फ खग्गू भैया का पंचायत कार्यालय में सम्मान किया गया। पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी ने कहा कि आसूदानी स्वयं शराब ठेकेदार होने के बावजूद अपने सुपुत्र के विवाह में मास-मदिरा का उपयोग पूरी तरह वर्जित कर समाज के लिए एक नई मिसाल पेश की।

आसूदानी का भोपाल जिले व आसपास के क्षेत्रों में मदिरा की दुकानें हैं। चांदवानी ने कहा कि पंचायत द्वारा कॉकटेल पार्टी, दुल्हा-दुल्हन को समय पर मंच पर पहुंचने व तैरहवी के भोज पर प्रतिबंध के लिए जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए समस्त नागरिकों से अपील की है कि इसी तारतम्य में आसूदानी ने पंचायत का सम्मान करते हुए अपने सुपुत्र की शादी में कॉकटल पार्टी को हटाकर मॉकटल पार्टी का आयोजन किया और एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम में मास मदिरा को दूर रखा। इसके लिए हम आसूदानी परिवार का आभार मानते है।

परिवार के सभी सदस्यों को मदिरा से दूर रहने को कहा था

इस अवसर पर किशन आसूदानी ने कहा कि मैं मदिरा का धंधा करता हूं, लेकिन मेरे भाई, भतीजे, भांजे जितने भी करीबी रिश्तेदार हैं वे मदिरा का उपयोग नहीं करते है। जब मैं 1982 में मदिरा की दुकान पर काम करता था, तब मैं जो लोग मदिरा का अधिक मात्रा में सेवन करते थे, उनकी हालत देखकर मैंने निर्णय लिया और परिवार को समझाया कि हमें मदिरा से दूर रहना है। आज तक हमारे परिवार में जितने भी कार्यक्रम हुए हैं, उसमें मास-मदिरा का उपयोग नहीं किया गया है।

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में सीखी हमेशा स्वस्थ रहने की कला

संतनगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला' के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ शनिवार को किया गया। शिविर में मेडीकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने कहा कि आरोग्य केन्द्र संत हिरदाराम साहिब की पावन कुटिया के समान है। यहां की मिट्टी भी अगर तन पर लगाते हैं, तो स्वास्थ्य लाभ होता है। शिविर में दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगें, जिससे सुखमय जीवन पा सकें। साथ ही पंच तत्वों से उपचार किया जाएगा, जैसे पृथ्वी, जल, अगिन, वायु, आकाश। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है, अपनी अस्वस्थ दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वस्थ दिनचर्या को अपनाना। अगर बीमारी से पूर्णतः निजात पाना है तो प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना होगा।

42 किलोमीटर की मैराथन सुबह पांच बजे शुरू होगी

टीटी नगर स्टेडियम में पंख मैराथन का आयोजन, बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टीटी नगर स्टेडियम में पंख मैराथन का आयोजन रविवार सुबह रखा गया है। इसमें विभिन्न श्रेणी की मैराथन सम्मिलित होंगे। इस शहर की दौरान यातायात व्यवस्था आवश्यकतानुसार परिवर्तित रहेगी।

42 किलोमीटर मैराथन सुबह पांच शुरू होगी, जो टीटी नगर स्टेडियम से रोशनपुरा चौराहा से गांधी पार्क, कंट्रोलरूम तिराहा पीएचक्यू तिराहा से खटलापुरा होकर मछलीघर तिराहा, केएन प्रधान तिराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा, स्काउट गाइड तिराहा, डिपो चौराहा से भदभदा चौराहा सहित अन्य क्षेत्रों से होते हुए टीटी नगर स्टेडियम पर समाप्त होगी। 21 किमी मैराथन सुबह साढ़े 6 बजे से शुरू होगी, जो टीटी नगर स्टेडियम से विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस टीटी नगर स्टेडियम समाप्त।

इसके बाद 10 किलोमीटर की सुबह 7 बजे टीटी नगर स्टेडियम से शुरू होगी। जो रोशनपुरा चौराहा से बाणगंगा चौराहा ,पॉलीटेक्निक चौराहा, किलोल पार्क चौराहा, रोशनपुरा चौराहा से नानके पेट्रोल पम्प से वापस टीटी नगर स्टेडियम समाप्त। 6 किलोमीटर सुबह साढ़े 7 बजे टीटी नगर स्टेडियम से रोशनपुरा चौराहा से शुरू होकर नानके पेट्रोल पम्प से वापस टीटी नगर स्टेडियम में समाप्त होगी।

इन रास्तों पर रहेगा डायवर्सन

- दौड़ वाले मार्ग पर सुबह 5 बजे बजे से 9 बजे तक भारी वाहन, लोक परिवाहन वाहन एवं अनुमति प्राप्त वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।
- दौड़ के दौरान भारत माता चौराहा से जवाहर चैक की ओर, भारत माता से स्मार्ट रोड पर, प्लेटिनम प्लाजा से अटल पथ की ओर, पॉलिटेक्निक चौराहा से वीआईपी रोड, रेतघाट की ओर, लालघाटी से व्हीआईपी रोड की ओर आवश्यकतानुसार यातायात परिवर्तित रहेगा।
- नए शहर से एयरपोर्ट जाने वाले वाहन चालक कृपया असुविधा से बचने के लिए 1250 चौराहा, ठण्डी सड़क, कन्ट्रोल रूम तिराहा, लिली टॉकिज, तलैया, बुधवारा, मोतीमस्जिद, रायॅल मार्केट, कलेक्ट्रेट, लालघाटी की ओर आवागमन कर सकेंगे।
- नए शहर से सीहोर, इंदौर, की ओर जाने वाले वाहन मातामंदिर मैनिट, नेहरू नगर चौराहा, भदभदा चौराहा, नीलबढ़, से खजूरी सड़क वाले मार्ग से आ-जा सकेंगे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का किया आयोजन

छात्राओं ने विभिन्न ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दिखाई अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल ने अपने बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह पांच दिवसीय आयोजन जो एथलेटिक भावना, टीमवर्क और खेलकूद कौशल का उत्सव रहा।

शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने मशाल जलाकर और एक प्रेरक भाषण देकर फाइनल्स की शुरुआत की, जिसमें विद्यार्थियों को खेलों को अपने समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इन दिनों में छात्राओं ने विभिन्न ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स, टीम स्पोर्ट्स और व्यक्तिगत गतिविधियों' में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें असाधारण समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों के विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे खो-खो, कबड्डी, बैड मिन्टन, गोला फेक, जैवलिन, रस्सी कूद, 100 मी. दौड आदि में भाग लेने से परिसर ऊर्जा और उत्साह से भर गया। विभिन्न खेल श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को उनकी कड़ी मेहनत को मान्यता देते हुए 38 स्वर्ण, 10 रजत, 10 कांस्य पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

अमेरिका, पाक और रूस की आबादी से ज्यादा लोगों ने किया स्नान

महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है। अभी भी यहां पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से 45 करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। यह संख्या कई देशों से भी ज्यादा है

600 से अधिक बुजुर्ग कर चुके स्नान

यहां अब तक 600 से अधिक बुजुर्गों को संगम स्नान कराया जा चुका है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह पहल न केवल बुजुर्गों के सम्मान और सुविधा को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में सेवा और समरसता की मिसाल भी पेश करती है।

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है पर अभी भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आगमन के 51 करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार कर लिया है।

यह आंकड़ा सरकार के अनुमानों के कहीं ज्यादा है। सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से 45 करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। यह संख्या कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है।

सीएम योगी के नाम के जयकारे लगे

पैदल चलने के बावजूद श्रद्धालु यहां की गई व्यवस्थाओं को लेकर काफी खुश हैं। उनका कहना है कि उन्हें यहां दिव्य अनुभूति हो रही है। श्रद्धालुओं की भीड़ बीच-बीच में हाथ उठाकर सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम के जयकारे भी लगा रही है।

शनिवार को 51 करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार

34वें दिन में ही बना रिकॉर्ड

संगम नगरी में 13 जनवरी से महाकुंभ शुरू हुआ था, यह इस माह 26 फरवरी तक चलेगा। ऐसे में महाकुंभ में 34वें दिन ही 51 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शनिवार को एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया। खास बात है कि अमेरिका और चीन की कुल आबादी के बाद तीसरी सबसे बड़ी आबादी के बराबर लोग तो महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ की भीड़ में कोई समानता नहीं है।

महाशिवरात्रि के बाद भी रहेंगी सुविधाएं, लोग नाव से संगम स्थल पर कर सकेंगे स्नान

महाशिवरात्रि के बाद भी संगम क्षेत्र में सारी सुविधाएं रहेंगी। घाटों पर स्नान, सुरक्षा, चकर्ड प्लेट आदि सुविधाएं रहेंगी। नाव से संगम स्थल पर भी जाकर स्नान कर सकेंगे। हालांकि, महाकुंभ की समाप्ति के बाद पंडाल, प्रदर्शनी, विशेष जेटी आदि आकर्षण नहीं रहेंगे।

जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा

फडणवीस ने लगाई आस्था की डुबकी, विश्वनाथ के दर्शन किए

महाकुंभ में शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने परिवार के साथ पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद वे परिवार के साथ वाराणसी पहुंचे। उन्होंने परिवार के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। एक्स पर दो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, बनारस की गुलाबी ठंड और गरम चाय।

खबर संक्षेप

देश हित में की थी मोदी ट्रंप मुलाकात की तारीफ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने देश हित में पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात की तारीफ की थी। वे हमेशा केवल पार्टी के फायदे के बारे में नहीं सोचते हैं। थरूर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से भारत के लिए कुछ सकारात्मक परिणाम निकले हैं।

मान को धमकी, जालंधर में खालिस्तानी पोस्टर

जालंधर। पंजाब के सीएम भगवंत मान को धमकी दी गई है। यह धमकी किसी और ने नहीं बल्कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी है। पन्नू ने एक बार फिर देश के खिलाफ जहर उगला है। जालंधर के कस्बा नकोदर में पन्नू ने एक बार फिर खालिस्तान के समर्थन में पोस्टर लगाए हैं।

फैक्ट्री में गैस के रिसाव से 13 स्कूली बच्चे बेहोश

कोटा। कोटा में बड़ा हादसा हो गया। यहां कोटा-बारां हाईवे पर स्थित चंबल फर्टिलाइजर्स केमिकल लिमिटेड में गैस का रिसाव हो गय। इससे उसके पास ही स्थित स्कूल के एक दर्जन से ज्यादा बच्चे चपेट में आ गए। गैस के रिसाव से 13 बच्चे बेहोश हो गए। 7 को कोटा एमबीएस अस्पताल रेफर किया गया है।

ट्रैवलर गाड़ी हादसे का शिकार, 4 की मौत

लीमखेड़ा। गुजरात में श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज महाकुंभ रही टाटा विंगर ट्रैवलर और ट्रक के बीच भयानक हादसा हुआ है। यह हादसा लीमखेडा के पाल्ली हाईवे पर हुआ, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए हैं। ट्रक के पीछे खड़ी होने के दौरान ट्रैवलर ने टक्कर मार दी।

आदिकाल से काशी और तमिलनाडु का रहा महत्वपूर्ण रिश्ता

'काशी तमिल संगमम 3.0' की मुख्यमंत्री योगी ने की शुरुआत

प्रयागे मुंडं, काशी दंडं, गया पिंडं, 'सुख साधन रहित आनंद' का प्रवाह दिखा

शैव तमिलों की एक सतत धारा सदा बहती रही

जीवन में कम से कम एक बार काशी की धार्मिक यात्रा करना प्रत्येक तमिल के जीवन का लक्ष्य

एजेंसी ⏭ वाराणसी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नमो घाट पर 'काशी तमिल संगमम 3.0' का उद्घाटन किया। योगी ने कहा कि मैं पीएम का आभारी हूं, जिनके नेतृत्व में लगातार तीसरी बार काशी तमिल संगमम का बाबा विश्वनाथ की पावन धरा पर शुभारंभ हो रहा है। ये हमारे लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रधानमंत्री मोदी के विजन को आगे बढ़ाने के महायज्ञ का भाग है। योगी पुलिस लाइन से नमो घाट के लिए प्रस्थान कर नमो घाट पहुंचे और कार्यक्रम के उद्घाटन के साथ ही हर-हर महादेव का उद्घोष किया। इसके बाद वणक्कम काशी से मेहमानों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि सनातन विश्व का सबसे बड़ा प्राचीन धर्म है। 'विशाल गंगा के रेत के कणों को गिनें, इतने सारे इंद्र, केवल एक ही अंतहीन ईश्वर है! 3 महान शैव तमिल कवियों में से एक अप्पार की इस रचना में गंगा के रेतकणों में प्रवाहित उनकी आस्था का प्रवाह दिखता है। 'प्रयागे मुंडं, काशी दंडं, गया पिंडं...' की मान्यता के वशीभूत आदिकाल से शिव के 'सुख साधन रहित आनंद' की तलाश में काशी प्रमुख रही है।

प्राचीन तमिल ग्रंथों में प्रयागराज, काशी और गया का उल्लेख किया गया

प्राचीन तमिल ग्रंथों में उत्तर भारत के तीन तीर्थ नगरों प्रयागराज, काशी व गया की महत्ता बताते हुए कहा गया है कि प्रयागराज में आत्मऋणण, काशी में देवऋण व गया में पितृऋण से मुक्ति मिलती है तथा मृत्यु के पश्चात आत्मा को बैकुंठ लोक में वास या मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज उऋण होने का स्थान

पं. घनपाठी बताते हैं कि तमिल धर्मग्रंथों के अनुसार प्रयागराज में आत्मऋण से उऋण होने के लिए तमिल व अन्य दक्षिण भारतीय समुदाय के पुरुष लोग वहां पहुंचकर संगम तट पर अपना मुंडन कराते हैं। तत्पश्चात अपनी पत्नी की चोटी अपने हाथों से गूंथते हैं, इसके बाद चोटी का अंतिम सिरा काटकर उसके साथ सिंदूर, रोली, कुमकुम आदि मिलाकर बालों के इन गुच्छों को गंगा में प्रवाहित करते हैं।

काशी में करेंगे बाबा विश्वनाथ व माता विशालाक्षी के दर्शन

इस धार्मिक प्रक्रिया को मुंडन व वेणीदान कहा जाता है। इसके पश्चात काशी पहुंचकर सभी यहां काशीवास करते हैं। काशी में यह धार्मिक यात्रा कम से कम पांच दिनों की होती है। इस दौरान लोग बाबा विश्वनाथ व माता विशालाक्षी का दर्शन-पूजन करते हैं। इसके पश्चात दो दिना नौका में सवार होकर गंगा पूजन कर, गंगा के पांच घाटों पर असि, दशाश्वमेध, पंचगंगा, मणिकर्णिका व वुरुणा पर स्नान कर अपने पितरों की आत्मा की शांति व मोक्ष के लिए तर्पण-अर्पण करते हैं। इसके पश्चात माता अन्नपूर्णा का दर्शन कर अन्न-धन आदि का दान-पुण्य करते हैं। गया पहुंचकर भी पिंडदान कर पूर्वजों की आत्मा के मोक्ष के लिए प्रार्थना करते हैं। इन सबमें काशी की यात्रा देव ऋण से उऋण होने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

काशी की आर्थिकी में तमिल धार्मिक यात्रा का महान योगदान

पं. घनपाठी बताते हैं कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग काशी दर्शन व देवयात्रा करने पहुंचते हैं। यहां नौकायन के साथ ही पूजा-पाठ की सामग्री, होटल, खान-पान की दुकानें, रिक्शा व टेंपो चालक उनके आगमन से लाभान्वित होते हैं। बहत से लोग काशी की गलियों में नंगे पांव घूम-घूमकर लोग इस देवयात्रा को पूर्ण करते हैं।

देव ऋण से उत्तीर्ण होने की कामना

महीनों-वर्षों पैदल चलकर भगवान शिव की नगरी में देव ऋण से उत्तीर्ण होने की कामना से यहां पहुंचे तमिल समुदाय ने हनुमानघाट, केदारघाट और हरिश्चंद्र घाट के क्षेत्रों के मध्य काशी के बीचो-बीच एक लघु तमिलनाडु बसा दिया। तमिल समुदाय के वैदिक विद्वान व तीर्थ पुरोहित कर्मकांडी, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पं. वेंकट रमण घनपाठी बताते हैं कि जीवन में कम से कम एक बार काशी की धार्मिक यात्रा करना प्रत्येक तमिल के जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक लक्ष्य होता है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीएम योगी ने यहां हवाई सर्वे भी किया

इस कार्यक्रम का उद्घाटन से पहले उन्होंने महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का हवाई सर्वेक्षण किया। भीड़ की व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के बाद सीएम ने काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना की।

महाराष्ट्र में लव जिहाद पर लगेगी लगाम जबरन धर्मांतरण पर भी होगी कार्रवाई

सरकार ने डीजीपी के नेतृत्व में बनाई 7 सदस्यीय उच्च समिति

सचिवों के साथ ही गृह विभाग के उप-सचिव भी शामिल

एजेंसी ⏭ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने भी अब लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार ने एक 7 सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए कानूनी उपाय सुझाएगी। इस समिति का अध्यक्ष महाराष्ट्र के डीजीपी को बनाया गया है। कई अन्य राज्यों में भी कथित लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए राज्य सरकारों ने कदम उठाए हैं और अब इस कड़ी में महाराष्ट्र भी शामिल होने जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने जो समिति गठित की है, उसमें महाराष्ट्र के डीजीपी के अलावा महिला एवं बाल कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, कानून और न्यायपालिका विभाग, सामाजिक न्याय विभाग और विशेष सहायता विभाग के सचिवों के साथ ही गृह विभाग के उप-सचिव भी शामिल किए गए हैं।

उपाय-कानूनी पक्ष पर देगी सलाह

राज्य सरकार ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि समिति अध्ययन के बाद बताएगी कि लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? साथ ही समिति अन्य राज्यों में इससे संबंधित कानूनों का भी अध्ययन करेगी। समिति इन्हें रोकने के प्रावधान भी सुझाएगी और इसके कानूनी पक्ष पर भी सलाह देगी। लव जिहाद टर्म का इस्तेमाल अक्सर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं और संगठनों द्वारा किया जाता है। आरोप है कि मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं से शादी कर उनका इस्लाम में धर्मांतरण कराने की साजिश रची जा रही है।

महात्रे ने ड्रग तस्करी की समस्या बताई

शरद पवार की पार्टी एनसीपी एसपी के सांसद सुरेश महात्रे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। एनसीपी एसपी सांसद ने अमित शाह से ठाणे के भिवंडी इलाके में ड्रग तस्करों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। सांसद ने बताया कि भिवंडी अपराधियों का गढ़ बन गया है और इलाके में अपराध और ड्रग तस्करी बढ़ रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सांसदों को कार्रवाई का आश्वासन दिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियो को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

एग्जिट गेट को कूदकर बाहर निकलते दिखे लोग

सीसीटीवी के जरिए पहचान की जा रही

दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर युवकों ने किया था हुड़दंग, एफआईआर दर्ज

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग मेट्रो स्टेशन के एग्जिट गेट को कूदकर बाहर निकलते दिख रहे हैं। जिसके बाद दिल्ली मेट्रो का बयान आया है।डीएमआरसी के अनुसार उस दिन शब-ए-बारात थी। इससे स्टेशन पर भीड़ बढ़ गई थी। एग्जिट गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना सिर्फ कुछ पलों की थी।

अचानक भीड़ बढ़ गई थी

डीएमआरसी के मुताबिक घटना के समय सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मचारी पर्याप्त रूप से उपस्थित थे और यात्रियों को समझाने का प्रयास किया गया, ताकि बात बिगड़ने न पाए। कुछ यात्रियों की अचानक भीड़ की वजह से ये समस्या आई थी।

लोगों के खिलाफ होगी कार्रवाई

दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर हुड़दंगबाजी करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सीसीटीवी के जरिए आरोपियों की पहचान भी की जा रही है। यह एफआईआर दिल्ली मेट्रो पुलिस ने दर्ज की है। हुड़दंगियों पर बीएनएस की धारा 132/221, 59 डीएमआरसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें भारी संख्या में लोग मेट्रो स्टेशन के सुरक्षा गेट्स के ऊपर से कूदते हुए देखे गए थे।

19-20 को शपथ होना संभावित

चौंकाने वाला होगा सीएम का नाम, पहली बार विधायक बने चेहरों पर भी मंथन शुरू

दिल्ली में भाजपा सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दौरा खत्म कर वतन वापसी कर चुके हैं और दिल्ली की नई सरकार के लिए संभावित चेहरों पर उनके साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। नए चेहरों पर भी मंथन होने की खबर है। इसके बाद ही अंतिम नाम पर फैसला लिया जाएगा। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है। बैठक के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

एमसीडी में भी भाजपा सरकार की अटकलें

3 और पार्षदों ने छोड़ा आप का साथ

दिल्ली एमसीडी में अब भाजपा की सरकार बन सकती है। असल में आप के 3और पार्षदों ने भाजपा का दामन थाम लिया है, जिससे नंबर गेम पलट गया है और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भाजपा प्रदेश वीरेंद्र सचदेवा ने इन्हें सदस्यता

दिलवाई है। इनमें अनीता बसोया, धर्मवीर और निखिल ने भाजपा का दामन थामा है।

केजरीवाल के शीशमहल की होगी जांच
आप संयोजक अरविंद केजलीवाल की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उनके बंगले की जांच सीवीसी द्वारा की जाएगी। इसके आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

दिल्ली लूटने वालों को मिलेगी सजा: भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार के सारे कुकृत्य खत्म होने जा रहे हैं । दिल्ली लूटने वालों को सजा जरूर मिलेगी।

जग्गी वासुदेव ने बच्चों को तनावमुक्त रहने का दिया मंत्र

किताबों का स्ट्रेस न लें, दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मोटिवेशनल गुरु सद्गुरु ने बच्चों से 'परीक्षा पे चर्चा' की। उन्हें जिंदगी के हर इम्तिहान से लड़ने का सबक सिखाया। योग-मेडिटेशन की सलाह भी दी। इसके साथ ही ईशा फाउंडेशन के संस्थापक जगदीश वासुदेव (जग्गी वासुदेव) यानि सद्गुरु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्भुत प्रयास की तारीफ की। आध्यात्मिक गुरु ने परीक्षा पे चर्चा के पांचवें (पीएम मोदी का अंक मिलाकर) एपिसोड में अपने अनुभव भी साझा किए। इसके साथ ही सद्गुरु ने बच्चों को किताबों का स्ट्रेस न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपनी किताबों को खेल की तरह लीजिए, जैसे खेलते हैं, वैसे ही पढ़ाई करिए।

मोटिवेशनल गुरु सद्गुरु ने बच्चों से 'परीक्षा पे चर्चा' की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्भुत प्रयास की तारीफ की

सही सोचें, ओवरथिंकिंग कोई चीज नहीं

सद्गुरु ने मंत्र दिया कि दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें। ओवरथिंकिंग जैसी कोई चीज नहीं होती। केवल हमारा दिमाग दिशा विहीन हो जाता है। जैसे किसी मशीन को बिना ल्यूब्रिकेशन के चलाने से वो खराब हो जाती है, वैसे ही दिमाग होता है। सोचना तो बेहद जरूरी है। बस आपको पता होना चाहिए कि क्या सोचना है?

मोदी को सराहा

सद्गुरु ने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत प्रशंसनीय काम कर रहे हैं। दुनिया में कहीं भी कोई प्रधानमंत्री शायद ही बच्चों को लेकर इतना फिक्रमंद होता है। मुझे खुशी है कि हमारे पीएम मोदी बच्चों के एग्जाम के दौरान होने वाली तकलीफों को समझ रहे हैं और उस पर बात कर रहे हैं।

टैक्स्ट बुक चुनौती नहीं इंटेलिजेंस जरूरी

बच्चों को बड़े सहज अंदाज में सद्गुरु ने अपना उदाहरण दे समझाया, मैं 12वीं की परीक्षा दे रहा था। हॉल टिकट मिल गया था। मुझे मैंगो एक्सपर्ट समझा जाता था। पेड़ देखकर आम के बारे में सब कुछ बता देता था। दोस्तों के साथ खड़ा था और उन्हें बता रहा था कि कॉलेज में कैसे-कैसे आम लगे थे? हमें प्रिंसिपल देख रहा था, वो चिल्लाया कि परीक्षा सिर्फ 15 दिन बाद है और आम देख रहे हो। मैंने कहा,एग्जाम कई बार आते हैं, आम साल में एक बार ही आता है। टेक्स्ट बुक आपके लिए कोई चुनौती नहीं है, लेकिन आपकी इंटेलिजेंस जरूरी है।

अल्पसंख्यक मंत्री रिजिजू ने इसका मकसद भी बताया

वक्फ संशोधन विधेयक से मुसलमानों की संपत्तियों की रक्षा होगी, असली वारिस को ही मिलेगा 'हक'

इस संबंध में कुछ लोग फैला रहे मनगढ़ंत अफवाह

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को पारित करने का मकसद मुसलमानों की संपत्तियों की रक्षा करना है और इन संपत्तियों को उनके असली वारिसों के हवाले किया जाएगा। मंत्री ने यह बात शनिवार को श्रीनगर में हुई एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि विधेयक को लेकर कुछ लोग यह अफवाहें फैला रहे हैं कि इस विधेयक को पारित कर केंद्र

ने वक्फ की संपत्ति को हड़पने के लिए रास्ता बनाया है। यह सब अफवाहें मनगढ़ंत हैं। केंद्र ने यह फैसला इसलिए किया कि वक्फ की संपत्तियों पर नाजायज कब्जा करने की शिकायतों को लेकर हजारों मुसलमानों ने शिकायतें की थी।

नीतीश और नायडू का भी मिला समर्थन

उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से भी विधेयक में संशोधन को लेकर उनकी राय पूछी गई। उनके समर्थन के बाद मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने यह विधेयक संसद में पेश किया। संशोधन पर मिले भारी समर्थन के बाद ही इसे पारित कराया गया। कई मुस्लिम सांसदों ने इस विधेयक में संशोधन करने में गुप्त रूप से अपना भरपूर समर्थन किया। अलबत्ता राजनीतिक पार्टियों के दबाव में आकर वे सांसद सामने नहीं आए।

यूएन के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील का बड़ा बयान

कुछ देश सिर्फ बातें करते हैं, भारत काम करके दिखाता है, भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महाशक्ति, मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए कामों की तारीफ की और कहा कि भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महाशक्ति है। उन्होंने भारत से पूरी अर्थव्यवस्था को करने वाली एक महत्वकांक्षी जलवायु योजना बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा को मजबूती से अपनाने से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत आए साइमन स्टील ने स्टील ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जहां कुछ सरकारें केवल बातें करती हैं, वहीं भारत काम करता है। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही एक सौर महाशक्ति है। 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले केवल चार देशों में से एक है। ऊर्जा की पहुंच बढ़ रही है और देशभर के गांवों में 2018 तक बिजली पहुंचा दी जाएगी, जो तय समय से काफी पहले है।

100 गीगावाट से अधिक सौर उर्जा उत्पादन कर रहे चार देशों में भारत शामिल

भारत के सभी गांवों में लक्ष्य से काफी पहले 2018 तक बिजली पहुंच जाएगी

भारत की आर्थिक स्थिति में आएगा बदलाव

उन्होंने कहा कि अब भारत के लिए अगला कदम उठाने और भारत के 140 करोड़ लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए और भी बड़े फायदे प्राप्त करने का एक वास्तविक अवसर है। भारत पहले से ही इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है, लेकिन वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा को और भी मजबूती से अपनाने की जरूरत है, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने भारत से अपनी संपूर्ण अर्थव्यवस्था को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी जलवायु योजना विकसित करने का आग्रह किया है।

जलवायु योजनाएं देने की अपील

संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने कहा कि भारत के नेताओं के पास समग्र अर्थव्यवस्था औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का एक दुर्लभ अवसर है, जो तेजी से विकासशील दक्षिण एशियाई राष्ट्र को स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति बना देगा। भारत महत्वाकांक्षी जलवायु योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारत सहित कई देशों द्वारा 10 फरवरी की समय-सीमा चूक जाने के बाद, स्टील ने इस महीने की शुरुआत में उनसे सितंबर तक अपनी योजनाएं प्रस्तुत करने का आग्रह किया।

नवीकरणीय ऊर्जा में बड़ा अवसर

स्टील ने कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के पास एक ऐसा अवसर है जो केवल कुछ ही देशों के पास है। यह है 'नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के सैकड़ों गीगावाट को तैनात करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करना' हरित औद्योगिकीकरण की एक नई लहर का नेतृत्व करना, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, विस्तार और निर्यात करना।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में भारत शामिल

बता दें, भारत 3 अक्टूबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में शामिल हो चुका है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसकी मंजूरी दी थी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब, ऊर्जा दक्षता को तैनात करने में उनकी प्रभावशीलता को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए 16 देशों का एक स्वैच्छिक सहयोग है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में शामिल होने का भारत का निर्णय उन तकनीकों और उत्पादों को विकसित करके भारतीय अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता को कम करने के सरकार के प्रयास का हिस्सा है जो ऊर्जा कुशल हैं और कम ऊर्जा की खपत करते हैं। इस निर्णय से भारत को ऊर्जा दक्षता को तैनात करने में विशेषज्ञों और संसाधनों के विशाल नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारत को कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था बनने और ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को बढ़ावा देकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास में मदद मिलेगी। भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब के लिए भारतीय कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) को नामित किया है।

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 638 बिलियन डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.6 बिलियन डॉलर बढ़कर 638 बिलियन डॉलर हो गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पहले, 31 जनवरी तक भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 630.6 बिलियन डॉलर था। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले साल सितंबर में 704.88 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था। 7 फरवरी को समाप्त सप्ताह में, सोने का भंडार भी 1.3 बिलियन डॉलर बढ़कर 72.2 बिलियन डॉलर हो गया।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में होगा नीता का उदबोधन

वॉशिंगटन। नीता अंबानी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में वार्षिक इंडिया कॉन्फ्रेंस में भारत की सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव पर अपने विचार रखेंगी। 15-16 फरवरी को अमेरिका में होने वाला यह आयोजन भारत की वैश्विक यात्रा और उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा। जहां रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी प्रतिष्ठित 'एनुअल इंडिया कॉन्फ्रेंस' में मुख्य भाषण देंगी। जिसमें 1,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

म्यूनिख में स्याही लगी अंगुली दिखाते हुए बोले विदेश मंत्री एस. जयशंकर

मैं लोकतंत्र को लेकर बेहद आशावान, भारत में करीब दो तिहाई मतदाताओं ने अपना वोट डाला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एस. जयशंकर ने कहा कि भारत में लोकतंत्र न केवल कायम है। बल्कि यह लोगों के जीवन को भी बेहतर बना रहा है। हमारे देश में लोकतंत्र और अधिक मजबूत हुआ है

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर घरेलू और वैश्विक स्तर पर अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने दुनिया भर में लोकतंत्र को लेकर प्रकट की जा रही चिंताओं और आशंकाओं को भारतीय लोकतंत्र की सफल यात्रा का उदाहरण देते हुए सिरे से खारिज कर दिया। जर्मनी में चल रहे तीन दिवसीय (14 से 16 फरवरी तक) म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन-2025 (एमएससी) में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के विषय पर आयोजित की गई परिचर्चा में जयशंकर ने अपनी अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए दावे के साथ कहा कि भारत में लोकतंत्र न केवल कायम है। बल्कि यह लोगों के जीवन को भी बेहतर बना रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोकतंत्र और अधिक मजबूत हुआ है।

विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। चर्चा में उनके साथ नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे, अमेरिका की सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और वारसॉ के मेयर रफाल ट्रासकोव्सक ने भाग लिया। अन्य वक्ताओं ने दुनिया में लोकतंत्र और उसके सामने खड़ी हो रही चुनौतियों को लेकर चिंता जताई। एमएससी का इस वर्ष 61 वां संस्करण है।

भारत में भूख मिटाता लोकतंत्र

विदेश मंत्री से पहले अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन ने यह टिप्पणी की थी कि लोकतंत्र लोगों की टेबल तक खाना नहीं पहुंचा सकता है। इस पर अपना पक्ष रखते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत में लोकतंत्र सच में भूख मिटाता है। भारत की सरकार 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। जिससे उनके जीवन स्तर के साथ ही सेहत ही बेहतर हो रही है। भारतीय लोकतंत्र पश्चिमी देशों की तुलना में विकासशील देशों खासतौर पर वैश्विक दक्षिण के लिए ज्यादा प्रासंगिक है।

पश्चिमी देशों को दी नसीहत

उन्होंने पश्चिम के विकसित देशों को नसीहत देते हुए कहा कि पश्चिम के देश अगर यह चाहते हैं कि दुनिया में लोकतंत्र मजबूत हो तो उन्हें अपने दायरे से बाहर निकलकर लोकतंत्र के बाकी सफल मॉडल को स्वीकार करना होगा। डॉ. जयशंकर ने परिचर्चा के दौरान हालांकि इस बात को स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

बढ़ा 20 फीसदी मतदान का आंकड़ा

विदेश मंत्री ने देश में फलते-फूलते लोकतंत्र को लेकर यह तर्क भी दिया कि भारत में सुचारू रूप से मतदान प्रक्रिया चलती है। मैंने भी हाल ही में अपने राज्य में मतदान किया है। पिछले साल 2024 में हुए आम चुनाव में हमारे देश में 90 करोड़ योग्य मतदाताओं में से 70 करोड़ ने मतदान किया था। हम एक दिन में ही वोटों की गिनती पूरी कर लेते हैं और फिर नतीजे बिना विवाद के स्वीकार किए जाते हैं। भारत में बीते कुछ दशकों में मतदान का आंकड़ा 20 फीसदी तक बढ़ गया है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

एमएससी से इतर विदेश मंत्री की कई देशों के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात हुई। जिसमें यूक्रेन, अर्जेंटीना, मंगोलिया, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क के विदेश मंत्री शामिल हैं। रूस के साथ युद्ध के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा से मुलाकात की। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिलकर अच्छा लगा। यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर चल रहे प्रयासों पर उनसे चर्चा की। उन्होंने हमारे द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने के बारे में भी बात की। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री ने इस बैठक के लिए डॉ. जयशंकर को धन्यवाद देते हुए कहा, हम भारत के साथ संबंध विकसित करने, व्यापार, कृषि, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा व अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं। साथ ही यूक्रेन न्यायपूर्ण और स्थायी शांति लाने के लिए भारत की मजबूत वैश्विक आवाज पर भी भरोसा करता है।

मनोज सिन्हा ने की कड़ी कार्रवाई

आतंकवादी संगठन से संबंध के आरोप में तीन कर्मचारी बर्खास्त

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और वन विभाग का कर्मचारी शामिल हैं। उपराज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत इन कर्मचारियों को बर्खास्त किया क्योंकि जांच में यह पाया गया कि इनके आतंकवादी संगठनों से संबंध थे। यह कार्रवाई उपराज्यपाल द्वारा सुरक्षा समीक्षा बैठक के अगले दिन की गई जिसमें उन्होंने आतंकियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ अभियान का निर्देश दिया था। तीनों कर्मचारी वर्तमान में जेल में हैं। वे अलग-अलग आतंकी मामलों में सजा काट रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने देशद्रोही करार दिया

तीनों में से एक कर्मचारी की पहचान फिरदौस अहमद भट के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस का कांस्टेबल है। वह सर्विस के दौरान आतंकवादी संगठन लश्कर के लिए काम करता था। अन्य दो कर्मचारियों की पहचान एक टीचर और एक वन विभाग के कर्मचारी के रूप में हुई है। उपराज्यपाल ने यह भी कहा था कि आतंकवाद का समर्थन और फंडिंग करने वालों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद के हर अपराधी और समर्थक को इसकी कीमत चुकानी होगी। हमें विश्वसनीय खुफिया जानकारी से लैस होने और आतंकवादियों को बेअसर करने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रभावी ढंग से काम करने की आवश्यकता है। सुरक्षा एजेंसियों ने इन कर्मचारियों को धोखेबाज और देशद्रोही करार दिया।

लश्कर-ए-तैयबा का वफादार वर्कर अशरफ

टीचर से लश्कर का कार्यकर्ता बना रियासी निवासी अशरफ भट को 2008 में रहबर-ए-तालीम शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद उसे जून 2013 में नियमित कर स्थायी शिक्षक बना दिया गया। शिक्षक के रूप में काम करते हुए अशरफ ने लश्कर-ए-तैयबा के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उसका सहयोगी बन गया। वर्ष 2022 में उसकी गतिविधियों का पता चला और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वर्तमान में वह रियासी की जिला जेल में बंद है। जांच के दौरान पता चला कि अशरफ भट का हैंडलर पाकिस्तान में रहने वाला मोस्ट वांटेड लश्कर आतंकी मोहम्मद कासिम है।

नौसेना में महिला शक्ति का पराक्रम: तारिणी पोत के जरिए दुनिया का चक्कर लगाने निकली

समुद्री यात्रा के तीसरे पड़ाव 'केप हॉर्न' को पार कर आगे बढ़ी तारिणी की टीम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लगातार हो रही भयंकर बारिश, समुद्र में 75 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती हवाओं और 5 मीटर से ज्यादा ऊंची उठती लहरों के बीच नौसेना के तारिणी पोत पर सवार दो महिला अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना.के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा.ए ने 'केप हॉर्न' को सफलतापूर्वक पार अपना नाम इतिहास के स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा दिया है। यह इलाका दक्षिण अमेरिका के सबसे निचले छोर पर स्थित है। नौसेना ने शनिवार को बताया कि यह दोनों महिला अधिकारी नाविका सागर परिक्रमा-2 अभियान के तहत तारिणी पोत पर सवार होकर समुद्र के जरिए पूरी दुनिया का चक्कर लगाने निकली हैं। अभी ये अपनी यात्रा के तीसरे पड़ाव पर हैं, जिसमें इन्होंने केप हॉर्न को पार किया है।

ब्रिटिश खोजकर्ता ने ढूंढा था यह मार्ग

नौसेना ने बताया, केप हॉर्न तक पहुंचने के लिए नाविकों को ड्रेक मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। जो अपनी अविश्वसनीय जलधाराओं, प्रचंड वेग के साथ चलती मारक हवाओं, गगनचुंबी लहरों और अप्रत्याशित मौसम के लिए जाना जाता है। इसकी खोज ब्रिटिश समुद्री मार्ग खोजकर्ता सर फ्रांसिस ड्रेक ने की थी। उनके नाम पर ही इस मार्ग का नाम ड्रेक पैसेज पड़ा था। ड्रेक ने ही दुनिया तक इस बात की जानकारी पहुंचाई थी कि दक्षिण अमेरिका के दक्षिण से भी एक खुला हुआ समुद्री मार्ग होकर गुजरता है। बीते वक्त में कई अनुभवी समुद्री नाविकों ने इस क्षेत्र की परिस्थितियों को जांचा है।

दोनों महिलाओं को मिली केप हॉर्नर्स

चुनौतीपूर्ण समुद्र में नौसेना की दोनों महिला अधिकारियों द्वारा सफलता के साथ पूरी की गई यात्रा के साथ इन्होंने केप हार्नर्स जैसी विशिष्ट उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पारंपरिक रूप से यह उपाधि समुद्री यात्रियों और नाविकों के विशेष समूह को प्रदान की जाती है। जिन्होंने सफलता के साथ केप हॉर्न को पार किया हो। केप हॉर्न, अंटार्कटिका से 800 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह बर्फीले महाद्वीप से बेहद निकट स्थित जमीनी स्थान है। इस क्षेत्र की यात्रा करने के लिए न केवल विशेष प्रकार के समुद्री दिशा ज्ञान की विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। बल्कि दक्षिणी महासागर की चुनौतीपूर्ण हालात से निपटने की क्षमता भी होनी चाहिए।

मंगलवार को पीएम मोदी के साथ होगी द्विपक्षीय बैठक

अगले सप्ताह सोमवार से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे कतर के अमीर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी अगले सप्ताह सोमवार से भारत की दो दिवसीय (17 से 18 फरवरी तक) राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ कतर के वरिष्ठ मंत्रियों, अधिकारियों और व्यापारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत पहुंचेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह कतर के अमीर का भारत का दूसरा उच्च-स्तरीय दौरा है। इससे पहले मार्च 2015 में उन्होंने नई दिल्ली की यात्रा की थी। इस बार शेख तमीम अल थानी की भारत यात्रा से दोनों देशों की बहुआयामी भागीदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

सम्मान में राष्ट्रपति मुर्मु देंगी रात्रि भोज

मंत्रालय ने बताया कि भारत पहुंचने के बाद 18 फरवरी को कतर के अमीर को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में परंपरागत रूप से गार्ड ऑफ आर्नर दिया जाएगा। इसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति की तरफ से कतर के अमीर के सम्मान में दावत भी दी जाएगी। इसके अलावा शेख तमीम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। भारत और कतर के बीच प्राचीन-प्रगाढ़ ऐतिहासिक संबंध हैं। जिनका आधार आपसी विश्वास और सम्मान है। हाल के वर्षों में यह संबंध मुख्यतः व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक, संस्कृति और लोगों का लोगों से संबंध जैसे क्षेत्रों में लगातार मजबूत हुए हैं।

फाइल फोटो

घायल सीआरपीएफ जवानों की देखभाल से हटे

24 घंटे में आदेश वापस, अब 8 ग्राउंड कमांडर किए तैनात

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल में स्थित सीआरपीएफ के शिविर में हवलदार संजय कुमार ने अपने साथियों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी थी। इस घटना में एक उप-निरीक्षक और एक सिपाही की मौत हो गई। बाद में हवलदार संजय ने खुद को भी गोली मार ली थी। उसने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया था। फायरिंग की घटना में आठ अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज एम्स इंफाल में चल रहा है।

बल की तरफ से शुक्रवार को एक ऐसा आदेश निकाला गया, जो चर्चा का केंद्र बन गया। घायलों की देखभाल के लिए आठ कमांडेंट की ड्यूटी लगा दी गई। सीआरपीएफ में पहले भी बड़ी घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस तरह से प्रत्येक घायल जवान की देखभाल के लिए कमांडेंट को तैनात करना, ऐसा आदेश देखने को नहीं मिला था। शनिवार को उक्त आदेश वापस ले लिया गया। अब कमांडेंट की जगह पर सीआरपीएफ के आठ सहायक कमांडेंट और एसओ को घायलों का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

अस्पताल में 3-3 घंटे की ड्यूटी लगाई

शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया था कि विभिन्न बटालियनों से आठ कमांडेंट क्षेत्रीय एम्स इंफाल में पहुंचकर तीन-तीन घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी देंगे। कमांडेंट एवं दूसरे रैंकों के अफसरों के लिए यह आदेश हैरान करने वाला था। वजह, इस तरह का आदेश बल में पहली बार निकला था। इतना ही नहीं, आरआईएमएस में हर घायल जवान को एक एसआई के कंट्रोल में दो-दो अटेंडर प्रदान किए जाने का भी आदेश जारी किया गया। बल के अटेंडर भी किसी एक बटालियन से नहीं आएंगे, बल्कि अलग-अलग बटालियनों से ये आरआईएमएस पहुंचेंगे। सभी आठ कमांडेंट अलग अलग जगहों पर तैनात थे। इन सभी अधिकारियों की अस्पताल में 3-3 घंटे की ड्यूटी लगाई गई।

'विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन' सरकार की एक बड़ी योजना

भारत बनेगा परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस, छोटे रिएक्टर बनाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि 'विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन' भारत की परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उन्नत परमाणु तकनीक को स्थापित करने की एक बड़ी योजना है। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि केंद्रीय बजट में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ का आवंटन किया गया है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी एमएमआर को चालू करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य

कार्बन उत्सर्जन होगा कम, स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित होगी

परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी 'गेमचेंजर'

डॉ. सिंह ने परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति देने को गेमचेंजर बताया और कहा कि इससे ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ-साथ भारत को वैश्विक परमाणु प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिस तरह स्पेस सेक्टर को निजी कंपनियों के लिए खोला गया, उसी तरह परमाणु क्षेत्र में भी सुधारों से नवाचार और विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा रणनीति की आधारशिला बनेगी, जिससे देश तकनीकी रूप से उन्नत और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

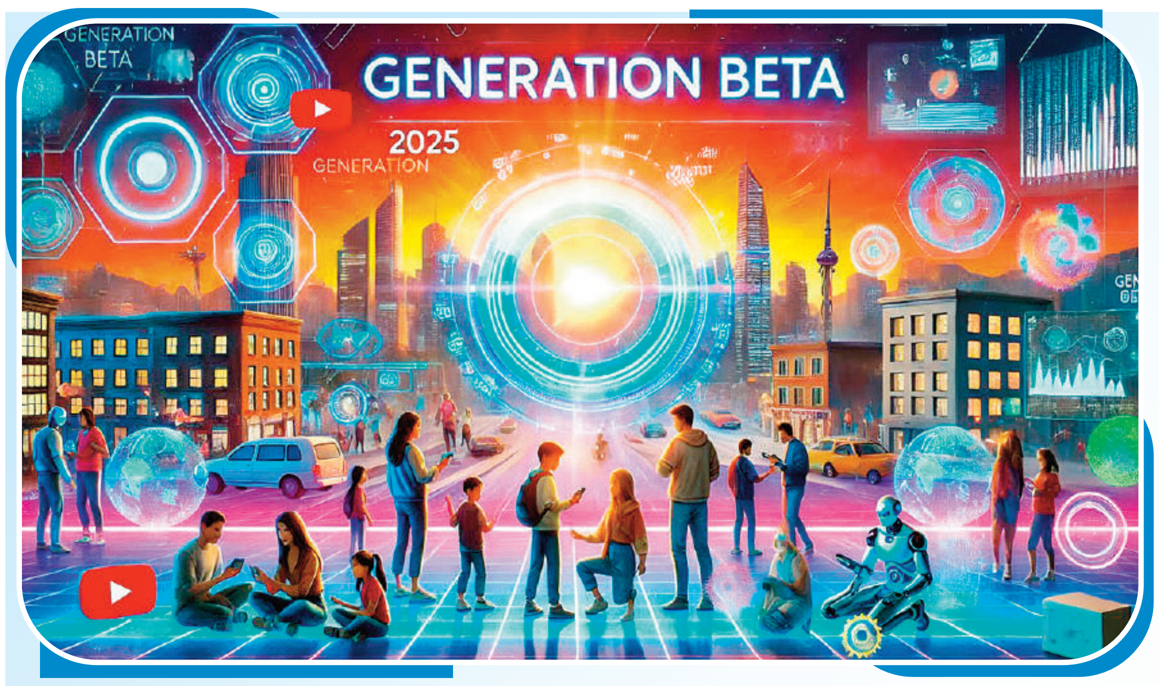

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेंड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

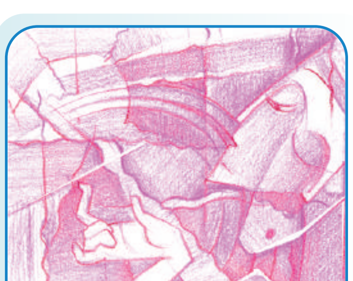

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरु से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादकः** कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने निकली भारतीय टीम, रोहित-कोहली का अंतिम टूर्नामेंट

एजेंसी ▸▸| मुंबई

भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर शनिवार को पाकिस्तान की मेजबानी में हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए दुबई रवाना हो गए। पहली बार टीम के सभी खिलाड़ी एक साथ छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। मुख्य कोच गौतम गंभीर, उप-कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित टीम के अधिकतर सदस्य टीम बस में हवाई अड्डे पहुंचे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने कुछ प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देकर या हाथ हिलाकर उनका आभार व्यक्त किया।

भारतीय टीम पिछले साल जून में टी20 विश्व कप जीतने के बाद एक और वैश्विक ट्रॉफी हासिल करने की उम्मीदों के बीच आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई के लिए दोपहर की उड़ान में सवार हो गई। भारतीय टीम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए गई है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। भारत लीग चरण में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	टीमें	स्थान
20 फरवरी	भारत/बांग्लादेश	दुबई
23 फरवरी	भारत/ पाकिस्तान	दुबई
2 मार्च	भारत/ न्यूजीलैंड	दुबई

ग्रुपवार टीमें
ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

युवा खिलाड़ी बिखेरेंगे जलवा

भारतीय टीम में शामिल कुछ युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत करना चाहेंगे। उप कप्तान गिल अपनी शानदार फॉर्म जारी रखकर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के चयन समिति के फैसले को सही साबित करना चाहेंगे। चोट के कारण बुमराह की अनुपस्थिति अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों के लिए यह एक अवसर है, जबकि वरुण चक्रवर्ती साबित करना चाहेंगे कि वह टीम के मारक हथियार हैं।

फार्म में लौटे रोहित-कोहली

भारत को अगर चैंपियंस ट्रॉफी में टी20 विश्व कप की कहानी दोहरानी है तो उसके दोनों स्टार बल्लेबाज रोहित और कोहली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में विफल रहने के कारण इन दोनों को हाल में आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में इन दोनों ने हालांकि फॉर्म में वापसी करने के संकेत दिए। रोहित ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाए जबकि कोहली ने अहमदाबाद में तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की करीबी नजर रहेगी।

एक साथ दुबई रवाना हुई टीम

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई रवाना हो चुकी है। सामने आए वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा समेत सभी खिलाड़ी नजर आए। इससे पता चलता है कि बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए नए नियमों का सख्ती से पालन हो रहा है। मुंबई एयरपोर्ट के वीडियो में सबसे आगे कोच गौतम गंभीर चेक इन के लिए जाते दिखे। उनके पीछे वॉशिंगटन सुंदर, उपकप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, एसिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव और कुछ और स्टाफ नजर आए। फिर रोहित शर्मा भी एक कार से निकलते दिखे और वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ दिखे।

टूर्नामेंट का रोमांच फीका बाहर हुए 10 दिग्गज

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत में अब चंद दिन बचे हुए हैं। शुरुआती मुकाबला 19 फरवरी को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, रोहित शर्मा, जो रूट, बाबर आजम, केन विलियमसन, मोहम्मद शमी, कगिसो रबाडा जैसे धुरंधर भाग लेने जा रहे हैं। इन खिलाड़ियों पर सबकी निगाहें होंगी। हालांकि कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट का पार्ट नहीं होंगे। खास बात यह है कि इन खिलाड़ियों को प्रोविजनल स्क्वॉड में सम्मिलित किया गया था, लेकिन चोट या अन्य वजहों के चलते वो चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। ऐसे में इस टूर्नामेंट का रोमांच थोड़ा फीका हो चुका है। आइए ऐसे 10 खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं...

जसप्रीत बुमराह : भारत

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की समस्या के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर गए। भारतीय टीम के लिए ये बहुत बड़ा झटका रहा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान बुमराह की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था, जिससे वो रिकवर नहीं कर पाए।

अल्लाह गजनफर: अफगानिस्तान

'मिस्ट्री स्पिनर' अल्लाह गजनफर रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। गजनफर को पिछले साल दिसंबर में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लग गई थी।

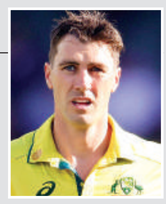

ऑस्ट्रेलिया के 5 खिलाड़ी बाहर

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी में अपने स्टार खिलाड़ियों के बगैर उतरेगी। पैट कमिंस, मिचेल मार्श और जोश हेजलवुड इंजरी के चलते भाग नहीं ले पाएंगे। वहीं मिचेल स्टार्क ने व्यक्तिगत कारणों के चलते टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भी अचानक ओडीआई क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

एनरिक नॉर्किया : द.अफ्रीका

तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया साउथ अफ्रीकी स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन पीठ की तकलीफ के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। नॉर्किया की जगह गेराल्ड कोएट्जी को स्क्वॉड में शामिल किया जाना था, लेकिन वो भी इंजर्ड हो गए। अंत में ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश की स्क्वॉड में एंट्री हुई।

जैकब बेथेल: इंग्लैंड

इंग्लैंड के हालिया भारत दौरे के दौरान ऑलराउंडर जैकब बेथेल को हैम्सट्रिंग इंजरी हो गई थी। ऐसे में बेथेल का चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का सपना टूट गया।

बेन सियर्स : न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स भी हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए।

15 मैच खेलेंगी 8 टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 15 मुकाबले होंगे। इसमें भाग ले रही 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप-ए में हैं। उनके साथ बाकी दो टीमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। जबकि ग्रुप-बी में साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड को रखा गया है। सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में 3-3 मुकाबले खेलेंगी। इसके बाद हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी के सभी 15 मुकाबले 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। इसमें 3 वेन्यू पाकिस्तान में होंगे। जबकि एक वेन्यू दुबई रहेगा। टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी।

गुलवीर ने 3000 मी. इंडोर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी ▸▸| बोस्टन

हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बोस्टन में बीयू डेविड हेमेरी वेलेंटाइन इंविटेशनल टूर्नामेंट में पुरुषों का 3000 मीटर इंडोर रेस का 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा।

सेना के 26 वर्ष के धावक ने सात मिनट 38.26 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने सुरेंदर सिंह का 2008 में बनाया सात मिनट 49.47 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। सुरेंदर अब कोच हैं। गुलवीर की नजरें अब विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों के 10000 मीटर के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसमें 27 मिनट प्रवेश मार्क है। उन्होंने एशियाई खेलों में 10000 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

महिला प्रो लीग: भारत ने इंग्लैंड को हराकर किया अभियान का आगाज

एजेंसी ▸▸| भुवनेश्वर

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान का आगाज ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ शनिवार को कलिंगा स्टेडियम पर 3-2 से जीत के साथ किया।

भारत के दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर वैष्णवी फाल्के ने छठे और दीपिका ने 25वें मिनट में किए जबकि नवनीत कौर ने आखिरी सीटी बजने से एक मिनट बाकी रहते विजयी गोल दागा। इंग्लैंड के लिए डार्सी बूर्ने ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में फिर बराबरी का गोल दागा। वैष्णवी ने एफआईएच रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत के लिए पहला गोल किया। मनीषा चौहान का पेनल्टी कॉर्नर पर शॉट डिफेंडर की स्टिक से टकरा गया और गेंद फिर बाहर आ गई जिसे वैष्णवी ने गोल के भीतर डाला। इस बीच डार्सी ने भारतीय डिफेंस की चूक का फायदा उठाकर बराबरी का गोल कर दिया। दीपिका ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके भारत को फिर बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड ने बेहतरीन खेल दिखाया। फियोना ने दो मिनट बाकी रहते गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया और मैच ड्रॉ की ओर मुड़ता दिख रहा था लेकिन नवनीत ने जवाबी हमले पर गोल करके भारत को जीत दिलाई।

खबर संक्षेप

पदक विजेता को नगद राशि देगा ओडिशा

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपए, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपए और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

सलामी अंग्रेज बल्लेबाज बेन डकेट फिट घोषित

लंदन। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फिट घोषित हो गए हैं। डकेट को भारत के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार को आखिरी वनडे के दौरान फील्डिंग करते हुए ग्रोइन में चोट लगी थी। उनका स्कैन कराया गया जिससे पता चला कि चोट गंभीर नहीं है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'बाएं ग्रोइन की चोट के स्कैन से पुष्टि हो गई है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट फिट हैं और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध हैं।'

पहलवानों ने की खेल मंत्री के दखल की मांग

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियन सुनील कुमार, अंडर 23 एशियाई चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी और कई अन्य भारतीय पहलवाल शनिवार को खेलमंत्री मनसुख मांडविया के निवास पर जमा हुए और अल्बानिया में आगामी रैंकिंग सीरिज में भाग लेने की अनुमति के लिये उनके दखल की मांग की।

राणा हाई परफॉर्मेंस और जीतू 10 मीटर एयर पिस्टल के कोच

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा को शनिवार को 25 मीटर पिस्टल का हाई परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया जबकि जीतू राय को 10 मीटर एयर पिस्टल का कोच बनाया गया है। देश में निशानेबाजी की सर्वोच्च खेल संस्था एनआरएआई ने यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अपनी शासी निकाय की बैठक के दौरान कई पूर्व निशानेबाजों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया।

हाल में द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाली दीपाली देशपांडे को मुख्य कोच (राइफल) के रूप में भी नियुक्त किया गया है। कुल मिलाकर कोचिंग टीम में 16 नए सदस्य नियुक्त किए गए हैं जबकि

19 सदस्यों को बरकरार रखा गया है। इनमें एक समन्वयक (अमर जंग सिंह) और बधिर निशानेबाजों के लिए दो कोच (प्रीति शर्मा और अनुजा जंग) शामिल हैं। जिन प्रमुख नामों को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है उनमें दिग्गज पिस्टल निशानेबाज जीतू (10 मीटर एयर पिस्टल), पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा घाटकर (10 मीटर एयर राइफल), पेम्बा तमांग (25 मीटर पिस्टल), अमरिंदर चीमा (स्कीट) और वर्षा तोमर (ट्रैप) शामिल हैं।

मनशेर-रौनक को भी मिली जिम्मेदारी

मनशेर सिंह और रौनक पंडित को भी क्रमशः शॉटगन और पिस्टल निशानेबाजी के लिए हाई परफार्मेंस निदेशक नियुक्त किया गया है। राणा के अलावा जिन अन्य को हाई परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया है उनमें डी.एस. चंदेल (एयर राइफल), अनवर सुल्तान (ट्रैप) और मनोज कुमार (50 मीटर राइफल) शामिल हैं। अनुभवी विक्रम चोपड़ा (शॉटगन) और समरेश जंग (पिस्टल) को अपने पदों पर बरकरार रखा गया है।

फिरोजा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे गुकेश, कीमर बने विजेता

एजेंसी ▸▸| हैम्बर्ग

विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूर्नामेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ। गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को टूर्नामेंट से पहले खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन आखिर में उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

शीर्ष रैंकिंग वाले सिनेर पर लगा तीन महीने का प्रतिबंध

एजेंसी ▸▸| लंदन

शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनेर ने डोप टेस्ट के दो पॉजीटिव मामलों को लेकर विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी से समझौते के तहत तीन महीने का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। वाडा ने पिछले साल सिनेर पर प्रतिबंध नहीं लगाने के इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी के फैसले को चुनौती दी थी।

वाडा पिछले साल सिनेर पर कम से कम एक साल का प्रतिबंध लगाना चाहती थी। सिनेर के शरीर में पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरायड क्लोस्टेबोल के अंश पाए गए थे। सिनेर ने कहा था कि एक ट्रेनर से मालिश के दौरान यह अंश उनके शरीर में आ गए क्योंकि उसने अपनी ऊंगली कटने के बाद इस पदार्थ का इस्तेमाल किया था। जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाला इटली का यह खिलाड़ी अगला ग्रैंडस्लैम खेल सकेगा। फ्रेंच ओपन 25 मई से शुरू होगा। सिनेर ने एक बयान में कहा, 'यह मामला एक साल से लटक रहा था और प्रक्रिया इतनी लंबी है कि फैसला साल के आखिर में ही आता। मैने हमेशा स्वीकार किया है कि मेरी टीम के लिए मैं जिम्मेदार हूं और मुझे लगता है कि खेल की सुरक्षा के लिए वाडा के कड़े नियम जरूरी हैं। यही वजह है कि मैने मामला निपटाने के लिए तीन महीने के प्रतिबंध की वाडा की पेशकश स्वीकार कर ली।'

जीव ने की मार्बेला में शानदार शुरुआत

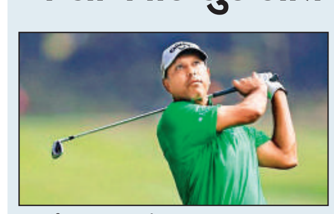

मार्बेला। भारत के जीव मिल्खा सिंह ने 2025 लीजेंड्स टूर सीजन की शानदार शुरुआत करते हुए यहां स्टेश्योर मार्बेला लीजेंड्स प्रतियोगिता के पहले दौर में चार अंडर 68 का स्कोर बनाया। जीव पहले दौर के बाद संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले नौ होल में एक शानदार ईगल और अंतिम नौ होल में बर्डी की हैट्रिक बनाई। कुल मिलाकर उन्होंने पहले दौर में एक ईगल, चार बर्डी और दो बोगी की। जीव इस साल दूसरी बार किसी सीनियर प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। वह चैंपियंस टूर पीजीए की एक प्रतियोगिता में संयुक्त 28वें स्थान पर रहे थे।

इमामुरा और नोगुची ने जीता दिल्ली ओपन

नई दिल्ली। जापान के गैर वरीय मासामिची इमामूरा और रियो नोगुची की जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त निकी पूनाचा और कर्टनी जॉन को 6-4, 6-3 से हराकर दिल्ली ओपन युगल टेनिस खिताब जीता। दिल्ली ओपन 2025 एटीपी चैलेंजर 75 टूर्नामेंट है जो हार्डकोर्ट पर खेला जाता है और इसकी ईनामी राशि एक लाख डॉलर है। एकल वर्ग में विजेता को 75 एटीपी अंक भी मिलते हैं। एकल में फ्रांस के काइरियान जैकेट ने शीर्ष वरीयता प्राप्त विट कोप्रिवा को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

ग्रुप बी आकलन : इंग्लैंड और अफगानिस्तान से मिलेगी कड़ी चुनौती

ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका सेमीफाइनल के दावेदार

एजेंसी ▸▸| बेंगलुरु

ऑस्ट्रेलिया अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों के बिना 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में उतरेगा लेकिन आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका शानदार रिकॉर्ड उसे दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप बी से सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार बनाता है। इन दोनों टीमों को हालांकि इंग्लैंड और अफगानिस्तान से कड़ी चुनौती मिलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप बी में शामिल टीमों का आकलन इस प्रकार है।

ऑस्ट्रेलिया

मजबूत पक्ष : ऑस्ट्रेलिया बड़ी प्रतियोगिताओं के दबाव से निपटना अच्छी तरह जानता है और यही कारण है कि उसके नाम पर वनडे विश्व कप में छह, टी20 विश्व कप में एक और चैंपियंस ट्रॉफी में दो खिताब दर्ज हैं। यही वजह है कि उसे सीमित ओवरों की क्रिकेट की सबसे खतरनाक टीम माना जाता है। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है। कप्तान स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, जेक-फ्रेजर मैकगर्क, मार्नस लाबुशैन, ग्लेन मैक्सवेल जैसे बल्लेबाज किसी भी परिस्थिति में मैच का पासा पलटने में सक्षम हैं।

कमजोर पक्ष : ऑस्ट्रेलिया अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क के बिना खेलेगा जिससे उसका आक्रमण कमजोर हो गया है। ऐसी स्थिति में उसके बल्लेबाजों को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी।

इंग्लैंड

मजबूत पक्ष : इंग्लैंड के पास कई धुरंधर बल्लेबाज हैं। अगर जोस बटलर, फिल साल्ट, हैरी ब्रूक, जो रूट और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बल्लेबाज एकजुट होकर प्रदर्शन करते हैं, तो यह गेंदबाजों के लिए बुरे सपने की तरह हो सकता है। लेग स्पिनर आदिल रशीद ने हाल में भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था। चैंपियंस ट्रॉफी में भी धीमी गति के गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है और ऐसे में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

कमजोर पक्ष : इंग्लैंड के बल्लेबाज हाल में भारत के खिलाफ स्पिनरों के सामने जूझते हुए नजर आए। इंग्लैंड ने तीन मैच की श्रृंखला में सभी मैच गंवाए। रूट और बटलर को छोड़कर उसका कोई भी बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों के सामने सहज नजर नहीं आया।

दक्षिण अफ्रीका

मजबूत पक्ष : भारत की तरह दक्षिण अफ्रीका के पास भी विविधता पूर्ण खिलाड़ी हैं। उसके पास टेम्बा बावुमा और एडेन मार्करम जैसे पारी संवारने वाले तथा हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके पास तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और स्पिनर केशव महाराज के नेतृत्व में एक संतुलित गेंदबाजी इकाई है। उन्हें परिस्थितियों से निपटने में सक्षम होना चाहिए।

कमजोर पक्ष : दक्षिण अफ्रीका मजबूत टीम होने के बावजूद हाल में पाकिस्तान से महत्वपूर्ण मैच में हारने के कारण त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में जगह नहीं बना पाया था। वह पहले भी कई अवसरों पर महत्वपूर्ण मैच जीतने में नाकाम रहा है। इसके अलावा उसे तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया की कमी भी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

अफगानिस्तान

मजबूत पक्ष : अफगानिस्तान के कई क्रिकेटर जैसे राशिद खान, हशमतुल्लाह शाहिदी, गुलबदीन नायब और रहमत शाह लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं और उनके बीच आपसी तालमेल बहुत अच्छा है। इसके अलावा अफगानिस्तान को अनुकूल परिस्थितियों में खेलने का मौका मिलेगा जिसका वह पूरा फायदा उठाना चाहेगा। उसने पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी जो उसके लिए प्रेरणा का काम करेगा।

कमजोर पक्ष : अफगानिस्तान की टीम वनडे में पर्याप्त मैच अभ्यास के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में उतर रही है। उसने अपना आखिरी वनडे मैच दिसंबर 2024 में जिंबॉब्वे के खिलाफ खेला था।

विक्की की फिल्म 'छावा' ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई। काफी समय से विक्की कौशल फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। आखिरकार उनकी यह फिल्म आज यानी 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में विक्की की जोड़ी पहली बार रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। फिल्म में दोनों की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है, वहीं समीक्षकों की ओर से भी फिल्म को हरी झंडी मिली है। अब 'छावा' की ओटीटी रिलीज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'छावा' के ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे सकती है।

लाइफ Style

जान्हवी

फिल्मों की श्रृंखला के साथ जलवा बिखेरने को तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आरसी 16 के लिए तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करना जान्हवी के करियर में एक बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि वह दक्षिण फिल्म उद्योग में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही हैं। बुची बाबू सना निर्देशित एक्शन से भरपूर मनोरंजन वाली यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन विजुअल होने की उम्मीद है।

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर इस वर्ष जलवा बिखेरने के लिये तैयार है। जान्हवी कपूर फिल्मों की रोमांचक श्रृंखला के साथ 2025 में जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं जो एक कलाकार के रूप में उनकी सीमा को प्रदर्शित करती है तीन बहुप्रतीक्षित रिलीज़-राम चरण के साथ आरसी 16, वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ परम सुंदरी-के साथ जान्हवी विविध सिनेमाई दुनिया में कदम रख रही हैं।

आरसी 16 के लिए तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करना जान्हवी के करियर में एक बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि वह दक्षिण फिल्म उद्योग में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही हैं। बुची बाबू सना निर्देशित एक्शन से भरपूर मनोरंजन वाली यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन विजुअल होने की उम्मीद है। इतनी बड़ी परियोजना में जान्हवी का शामिल होना न केवल उनकी अखिल भारतीय अपील को मजबूत करता है, बल्कि उन्हें बॉलीवुड और दक्षिण सिनेमा को आसानी से जोडऩे में सक्षम प्रतिभा के रूप में भी स्थापित करता है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में, जान्हवी एक रोमांटिक कॉमेडी के लिए वरुण धवन के नजर आयेंगी। शशांक खेतान निर्देशित, यह फिल्म उस शैली में वापसी का प्रतीक है।

हॉलीवुड मसाला

31 साल बाद फिर डायनासोर

लॉस एंजिलस। जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ का पहला और धमाकेदार ट्रेलर जारी हो चुका है। यह फिल्म 2 जुलाई को रिलीज होने वाली है। फिल्म 'जुरासिक' फ्रेंचाइजी की सातवीं फिल्म होगी। 'जुरासिक' फ्रेंचाइजी की शुरुआत आज से 31 साल पहले हुई थी। इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'जुरासिक पार्क' 1993 में रिलीज हुई थी, जिसको दर्शनों के खूब पसंद किया था। फिल्म का निर्देशन गैरेथ एडवर्ड्स ने किया है। ट्रेलर में दिख रहा है कि हर तरफ खतरा मंडरा रहा है।

फोटो पाने घर तक पहुंचे पैपराजी....

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड अमेरिकन एक्ट्रेस सिडनी स्वीनी ने पैपराजी पर बड़ा आरोप लगाया है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि पैपराजी की वजह से उनकी सेफ्टी रिस्क में है। उनका कहना है कि पैप्स उनके घर के बाहर खड़े रहते हैं। कई फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस ने दावा किया कि पैपराजी ने बिकिनी तस्वीरों की मांग की। इतना ही नहीं वो घंटों एक्ट्रेस के घर के बाहर छुपे रहते हैं। ये सुनकर एक्ट्रेस के फैंस हैरान रह गए हैं। सिडनी स्वीनी ने खुलासा किया कि कुछ पैपराजी उनके फ्लोरिडा वाले घर के पास घूम रहे थे और उनसे कह रहे थे कि वो बिकिनी में बाहर आए ताकि वो फोटो ले सके। सिडनी स्वीनी ने आगे बताया कि फोटोग्राफर ने सारी हदें पार कर दी है। वो एक्ट्रेस की पोटो को खिंचने के लिए उनके घर के बाहर समुद्र में एक नाव में घंटों तक छिपे रहते हैं।

'व्हाइट' में नजर आएंगी जुब्बल की सेजल

रोहड़। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए 'जब वी मेट क्लिक्स' अकादमी एंड स्टूडियो द्वारा 'व्हाइट' फिल्म बनाई है। यह फिल्म 'चिट्टा' के ऊपर बनाई गई है। हिमाचल में दिन-प्रतिदिन चिट्टा से होने वाली मौत की दरें बढ़ रही हैं। फिल्म में जुब्बल के खौणी गांव की सेजल रावत भी नजर आएंगी। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए फिल्म को बनाया गया है। फिल्म को जल्द ही रिलीज कर दिया जाएगा। फिल्म के निर्माता दिनेश ठाकुर एवं देशराज हैं। दिनेश ठाकुर के मुताबिक फिल्म के माध्यम से युवा पीढ़ी को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। फिल्म में नशे की लत से लेकर नशेड़ी की जिंदगी को बताया गया है। 'व्हाइट' फिल्म में किरण शर्मा, अमित भाटिया, निकिता, सेजल रावत, दिनेश ठाकुर, सनी राजपूत व रवि ने अभिनय किया है।

'घातक' सिनेमाघरों में दोबारा होगी रिलीज

मुंबई। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' लगभग 31 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म अप्रैल, 2025 में सिनेमाघरों में फिर से दस्तक देगी। फिलहाल फिल्म इसकी रि-रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। अब खबर है कि 'अंदाज अपना अपना' के अलावा संतोषी एक और यादगार फिल्म सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होने वाली है, जिसका नाम 'घातक' है। इस फिल्म के हीरो सनी देओल थे। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'घातक' को 29 साल बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया जा रहा है। यह फिल्म 28 फरवरी को दोबारा दर्शकों के बीच आ सकती है। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। एक सूत्र ने कहा, घातक सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है।

कंतारा: चैप्टर 1 में दिखेगा जबरदस्त वॉर सीन...

मुंबई। होम्बले फिल्म्स ने अपनी आने वाली फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 के जबरदस्त वॉर सीन के लिए 500 से ज्यादा फाइटर्स को लिया है।होम्बले फिल्म्स की फिल्म कंतारा में ऋषभ शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इस फिल्म ने दुनियाभर में जबरदस्त सफलता हासिल की। फिल्म को शानदार रिव्यूज मिले, जहां क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों ने इसके दमदार एक्शन, दिलचस्प कहानी और ऋषभ शेट्टी की बेहतरीन परफॉर्मेंस की खूब तारीफ की। उनकी एक्टिंग ने हर सीन को यादगार बना दिया और फिल्म को एक सिनेमैटिक मास्टरपीस का दर्जा दिलाया। कंतारा: चैप्टर 1 दो अक्टूबर को रिलीज होगी।

ऋषभ शेट्टी का दिखेगा बिल्कुल नया लुक : कंतारा की जबरदस्त सफलता के बाद मेकर्स अब कंतारा: चैप्टर 1 लेकर आ रहे हैं। इसके फर्स्ट पोस्टर, जिसमें ऋषभ शेट्टी का बिल्कुल नया लुक दिखाया गया है, पहले ही हंगामा मचा चुका है। अब, मेकर्स एक जोरदार वॉर सीन लाने वाले हैं, जिसके लिए उन्होंने 500 से ज्यादा माहिर फाइटर्स को लिया है। एक्शन के माहिर लोग मिलकर एक ऐसा वॉर सीक्वेंस तैयार करेंगे, जो न सिर्फ पहली बार देखा जाएगा।

'भूल चूक माफ' की रिलीज तारीख से उठा पर्दा सनी देओल की 'जाट' से होगा सामना...

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तारीफ तो हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। आने वाले समय में राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

'भूल चूक माफ' भी इन्हीं में से एक है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब आखिरकार 'भूल चुक माफ' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

10 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म : एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूल चूक माफ' को 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना सनी देओल की फिल्म 'जाट' से होगा, जो 10 अप्रैल को दर्शकों के बीच आएगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 'भूल चुक माफ' का टीजर 14 फरवरी को विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हो गया।

राजकुमार के पास है ये फिल्म

'भूल चुक माफ' के अलावा राजकुमार के पास फिल्म 'टोस्टर' भी है, जिसके निर्देशन की कमान विवेक दास चौधरी ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के साथ बनी है। खास बात यह है कि 'टोस्टर' का निर्माण राजकुमार की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा कर रही हैं। फराह खान, अर्चना पूरन सिंह और अभिषेक बनर्जी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

'वीर हनुमान' का प्रसारण फाइनल, 11 मार्च से शुरुआत

मुंबई। सोनी सब का बहुप्रतीक्षित पौराणिक शो वीर हनुमान आगामी 11 मार्च से हर रात 7:30 बजे प्रसारित होगा। वीर हनुमान शो में भगवान हनुमान की अविश्वसनीय यात्रा को दर्शाया गया है, जिसमें उनके बचपन से लेकर उनकी अलौकिक शक्तियों की खोज तक की प्रेरणादायक गाथा शामिल है। शानदार कलाकारों से सजे इस शो में आरव चौधरी केसरी के रूप में, सायली सालुंखे अंजनी के रूप में, माहिर पांधी बाली और सुग्रीव की दोहरी भूमिकाओं में, और असाधारण प्रतिभाशाली आन तिवारी बाल हनुमान के रूप में नजर आएंगे। यह शो अपनी दमदार कहानी के साथ-साथ अपनी भव्य दृश्यात्मक प्रस्तुति से भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाला है। इसकी बेहतरीन ढंग से तैयार की गई वेशभूषा अजंता और एलोरा की गुफाओं की उत्कृष्ट कलाकृतियों से प्रेरित है। प्रत्येक परिधान को प्राचीन भारतीय विरासत की भव्यता और प्रामाणिकता को दर्शाने के लिए बड़े ही मनोयोग से तैयार किया गया है।

'शहजादा'65 करोड़ की बजट में बनी फिल्म ने महज 47 करोड़ रुपए कमाए थे

वैलेंटाइन डे के मौके पर आई पिछली फिल्मों का कैसा रहा बॉक्स ऑफिस पर हाल

***मुंबई।** वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' बड़े पर्दे पर आ गई है, वहीं यामी गौतम की फिल्म 'धूम धाम' ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है। वैलेंटाइन डे के मौके पर हर साल कोई न कोई फिल्म रिलीज होती है। कुछ ताबड़तोड़ कमाई करती हैं तो कुछ टिकट खिड़की पर फेल हो जाती हैं। आइए आज हम आपको पिछले कुछ सालों में इस खास मौके पर सिनेमाघरों में आई फिल्मों का हाल बताते हैं।*

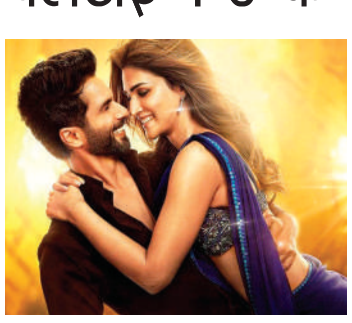

'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया'

साल 2024 में शाहिद कपूर और कृति सैनन फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' लेकर आए थे। वैलेंटाइन डे के आसपास रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी ने किया था और इसके निर्माता थे दिनेश विजान। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी, वहीं इसके गाने भी खूब लोकप्रिय हुए थे। 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 133 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

'शहजादा'

साल 2023 में इस मौके पर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'शहजादा' पर्दे पर आई थी। रोहित धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हश्र हुआ था। फिल्म में कार्तिक की जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी थी। 65 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने महज 47 करोड़ रुपये कमाए थे। परेश रावल, मनीषा कोइराला और रोनिक रॉय भी इसका हिस्सा थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है।

'बधाई दो'

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर 11 फरवरी, 2022 में फिल्म 'बधाई दो' लेकर आए थे। इस फिल्म को र्शकों और समीक्षकों से तो सकारात्मक प्रतिक्रिया मिला, लेकिन कमाई के मामले में ये औसत रही थी। फिल्म को 25 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था और इसने दुनियाभर में महज 28 करोड़ रुपये कमाए थे। हालांकि, फिल्म ने 6 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए थे।

'लव आजकल' और 'मलंग'

साल 2020 में जहां वैलेंटाइन डे के दिन 'लव आजकल' रिलीज हुई थी, वहीं 'मलंग' ने 7 फरवरी यानी वैलेंटाइन वीक पर दर्शकों के बीच दस्तक दी थी। 'लव आजकल' में कार्तिक आर्यन और सारा अली खान की जोड़ी दिखी थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी, वहीं आदित्य रॉय कपूर की 'मलंग' हिट रही थी।

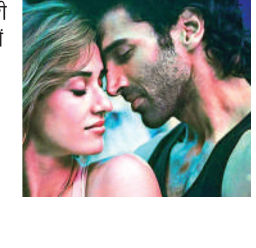

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930